3 | राजधानी
भाजपा मुख्यालय में जश्न, उड़े रंग व गुलाल

6 | अभिमत
म्यांमार में जन-विद्रोह की सफलता

10 | विदेश
इजराइल सेना दक्षिण गाजा की ओर बढ़ी

11 | राष्ट्रीय
केसीआर मंत्रिमंडल के छह मंत्री हारे

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 30
नई दिल्ली, सोमवार, 04 दिसंबर, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

रिंकू टी20 विश्व कप के दावेदार हैं, पर अभी जल्दबाजी होगी

स्पोर्ट्स-12

मोदी ने रंगा हिंदी हृदयभूमि को गेरुआ

पूरी चमक के साथ खिला शिवराज सिंह का कमल

पायनियर समाचार सेवा। भोपाल/नई दिल्ली

एक मजबूत संगठन में बदलाव, निराश कार्यकर्ताओं के भीतर विशाल आंतरिक गुटबाजी की शुरुआती चुनौतियों का समाधान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की लोकप्रियता के साथ मिलकर मतदान के आखिरी दिनों में मध्य प्रदेश में भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने वाले प्रमुख कारक थे।

भगवा पार्टी के लिए हिंदी भाषी क्षेत्र में सत्ता बरकरार रखने की घबराहट स्पष्ट थी, क्योंकि कांग्रेस को बढ़त मिल रही थी। इसलिए भाजपा ने तीन केंद्रीय मंत्रियों सहित सात मौजूदा पार्टी सांसदों को मैदान में उतारा था। प्रतिष्ठित राज्य में भाजपा को सत्ता में वापस लाने के अंतिम उद्देश्य के लिए संगठनात्मक स्तर पर सभी को एक साथ काम करना मुख्य कार्य था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान मध्य प्रदेश में 14 रैलियों को संबोधित किया और युवा मतदाताओं तक पहुंच कर उन्हें विभिन्न मोर्चों पर पिछली कांग्रेस सरकारों की विफलताओं की याद दिलाई और सभी वर्गों के विकास पर जोर दिया। वहीं राहुल गांधी के नेतृत्व में अपने अभियान में कांग्रेस ने सत्ता में आने पर नारी सम्मान निधि के तहत महिलाओं को 1,500 रुपये की वित्तीय सहायता देने का वादा किया था। चौहान ने महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपये प्रदान करके लाडली बहना योजना शुरू की।

उन्होंने किस्तों में सहायता को बढ़ाकर 3,000 रुपये करने का वादा किया और 250 रुपये मासिक बढ़ोतरी लागू की। जहां पूर्व कांग्रेस सीएम कमल नाथ ने अभियान के दौरान प्रतिदिन एक से दो चुनावी सभाओं को संबोधित किया, वहीं चौहान ने भाजपा के लिए समर्थन जुटाने के लिए हर दिन औसतन आठ से दस रैलियों को संबोधित किया। भाजपा ने 21 केंद्रीय मंत्रियों को विधायक उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा था, जिनमें सबसे अधिक संख्या मध्य (शेष पेज 9)

चार में से तीन राज्यों में भाजपा की जीत के बाद रविवार को राष्ट्रीय राजधानी स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि यह नतीजा उन ताकतों को भी चेतावनी है, जो प्रगति और जन कल्याण की राजनीति के खिलाफ खड़े रहते हैं तथा कांग्रेस और उसके साथी विकास का विरोध करते हैं। इस दौरान पीएम मोदी का सम्मान किया गया। फोटो: रंजन डिमरी (खबर पेज 11)

छत्तीसगढ़ में फिर भाजपा ने सत्ता पर किया कब्जा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/रायपुर

छत्तीसगढ़ में भाजपा ने रविवार को 90 सदस्यीय विधानसभा में 54 सीटें जीतकर कांग्रेस के पांच साल के शासन को उखाड़ फेंका और आराम से वापसी की। मध्य प्रदेश से विभाजित होकर राज्य के गठन के बाद भाजपा लगातार 15 वर्षों तक राज्य में सत्ता में रही। छत्तीसगढ़ के नतीजे कई लोगों के लिए आश्चर्यचकित करने वाले थे क्योंकि कांग्रेस को राज्य में बने रहने की काफी उम्मीदें थीं। भाजपा द्वारा किए गए वादे जिसे उसने 'मोदी की गारंटी 2023' के रूप में प्रचारित किया, ने आदिवासी बहुल राज्य में उसके पक्ष में काम किया और उसने प्रचंड बहुमत दर्ज किया। 2018 के विधानसभा चुनावों में, कांग्रेस ने तत्कालीन भाजपा सरकार के खिलाफ 'मजबूत' सत्ता विरोधी लहर और सबसे पुरानी पार्टी के मुफ्त और कल्याणकारी उपायों के वादे के कारण भारी जीत दर्ज की थी। निवर्तमान विधानसभा में वर्तमान में कांग्रेस के 71, भाजपा के 13, जेसीसी (जे) के 3 और बसपा के 2 सदस्य हैं जबकि एक सीट खाली है। भाजपा ने इस बार अपने घोषणापत्र में छत्तीसगढ़ के लिए 'मोदी की गारंटी 2023' (शेष पेज 9)

राजस्थान का किला भी कर लिया फतह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/जयपुर

राजस्थान ने हर पांच साल में शासन बदलने की अपनी परंपरा को बरकरार रखा और रविवार को भाजपा को वोट देकर कांग्रेस के नेतृत्व वाली अशोक गहलोत सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया। पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश को बरकरार रखने और छत्तीसगढ़ पर जीत हासिल करने के बाद भाजपा के लिए दूसरी जीत राजस्थान में आई, जहां उसने आसानी से गुटबाजी वाली सबसे पुरानी पार्टी से सत्ता छीन ली।

चुनाव आयोग के अपडेट के अनुसार अंतिम रिपोर्ट दाखिल होने तक, भाजपा ने कुल 200 विधानसभा सीटों में से 115 सीटें जीतीं और कांग्रेस को 70 सीटें मिलीं। 199 सीटों पर चुनाव कराए गए, जबकि श्रीगंगानगर की करणपुर सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार गुरुमीत सिंह कूनर के निधन के कारण चुनाव स्थगित कर दिया गया था। भारत आदिवासी पार्टी एक सीट जीत चुकी है और दो पर आगे चल रही है. बसपा ने एक सीट जीती और एक पर आगे चल रही है जबकि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी दो पर और रालोद एक पर आगे चल रही है। सात सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार आगे चल रहे हैं या जीत रहे हैं।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देर शाम राज्यपाल कलराज मिश्र को अपना इस्तीफा सौंप दिया, जिससे पूर्व सीएम वसुंधरा राजे सिंधिया समेत कई नामों की चर्चा चल रही है। गहलोत ने कहा कि विधानसभा चुनाव परिणाम 'हर किसी के लिए अप्रत्याशित' थे और पार्टी ने विनम्रतापूर्वक लोगों के जनादेश को स्वीकार किया। लगभग पूरे कार्यकाल तक गहलोत को अपने पूर्व डिप्टी और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलट से संघर्ष करना पड़ा, जिन्होंने रेगिस्तानी राज्य में कांग्रेस सरकार के गठन के दो साल के भीतर बड़े पैमाने पर विद्रोह किया था। कई कल्याणकारी योजनाओं के बावजूद सांस्कृतिक रूप से मजबूत राज्य में कांग्रेस नेताओं की फूट का फायदा भाजपा (शेष पेज 9)

विधानसभा चुनाव के नतीजें

छत्तीसगढ़ (कुल सीट 90)

पार्टी	जीत	आगे	कुल सीट
भाजपा	53	01	54
कांग्रेस	35	0	35
जीजीपी	01	0	01

मध्यप्रदेश (कुल सीट 230)

पार्टी	जीत	आगे	कुल सीट
भाजपा	160	3	163
कांग्रेस	64	2	66
भारत आदिवासी पार्टी	01	0	01

राजस्थान (कुल सीट 199)

पार्टी	जीत	आगे	कुल सीट
भाजपा	115	0	115
कांग्रेस	68	01	69
भारत आदिवासी पार्टी	03	0	03
बसपा	02	0	02
आरएलडी	01	0	01
आरएलटीपी	01	0	01
निर्दलीय	08	0	08

तेलंगाना (कुल सीट 119)

पार्टी	जीत	आगे	कुल सीट
कांग्रेस	64	0	64
बीएचआरएस	39	0	39
भाजपा	08	0	08
एआईएमआईएम	07	0	07
सीपीआई	01	0	01

तेलंगाना में कांग्रेस ने जीती मुश्किल बाजी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/हैदराबाद

तेलंगाना विधानसभा चुनाव में 60 सीटों का जादुई आंकड़ा हासिल कर कांग्रेस रविवार को पहली गैर-बीआरएस सरकार बनाने की राह पर है, हालांकि भगवा लहर के बीच उसे हिंदी पट्टी में उसे दो राज्यों को गंवाने के साथ तीन राज्यों राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले मई 2023 में कर्नाटक में जीत के साथ तेलंगाना कांग्रेस की झोली में दूसरा दक्षिणी राज्य आ गया है।

निवर्तमान मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की विशाल छवि के साथ-साथ पार्टी के व्यापक जमीनी नेटवर्क और कल्याण कार्यक्रमों के बावजूद सत्ता विरोधी लहर, युवाओं के बीच असंतोष जैसे कारणों ने बीआरएस के चुनाव में हार का कारण बना। कांग्रेस ने बीआरएस को हराने के लिए एक उत्साही चुनाव अभियान चलाया था, जबकि भाजपा ने भी सत्तारूढ़ सरकार के खिलाफ बिना लाग लपेट के जमकर हमला किया। अंतिम रिपोर्ट तक चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, कांग्रेस पार्टी ने सत्तारूढ़ बीआरएस के खिलाफ भारी बढ़त दर्ज कर ली थी। 119 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस ने 47 सीटों पर दर्ज करने के साथ और 17 पर आगे थी। निवर्तमान विधानसभा में बीआरएस के 101 सदस्य हैं, जिनमें से 22 पर जीत हुई थी और 17 पर आगे थे। मुख्यमंत्री के चन्द्रशेखर राव ने रविवार को अपनी पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया। चुनाव आयोग के ताजा नतीजों के अनुसार भाजपा छह सीटों पर जीत हासिल कर अपनी स्थिति में सुधार किया है जबकि वह दो सीटों पर आगे चल रही थी। निवर्तमान विधानसभा में एआईएमआईएम के इसके तीन सदस्य हैं, जबकि उसने पांच सीटों पर जीत हासिल कर ली है दो पर आगे चल रही है। राज्य में भारी जीत के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया।

इससे पहले उसके यहां कांग्रेस के सिर्फ तीन विधायक थे। बीआरएस सरकार ने राज्य में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं, जिसमें गरीबों के लिए आवास प्रदान करना, महत्वपूर्ण रोजगार सृजन सुनिश्चित करना, बेरोजगारी राहत प्रदान करना शामिल था। लेकिन इसके साथ ही किसानों की ऋण माफी के कार्यान्वयन में देरी और भर्ती परीक्षा के लीक प्रश्नपत्र उनके लिए नकारात्मक साबित हुए। जो उनके प्रमुख चुनावी वादों को पूरा करने में उनकी विफलता को साबित करती है। शुरुआत में भाजपा को बीआरएस का मुख्य विपक्षी माना जा रहा था, लेकिन मई में कर्नाटक चुनाव के बाद कांग्रेस के मजबूत होने के बाद परिदृश्य बदल गया। विशेष रूप से केसीआर (शेष पेज 9)

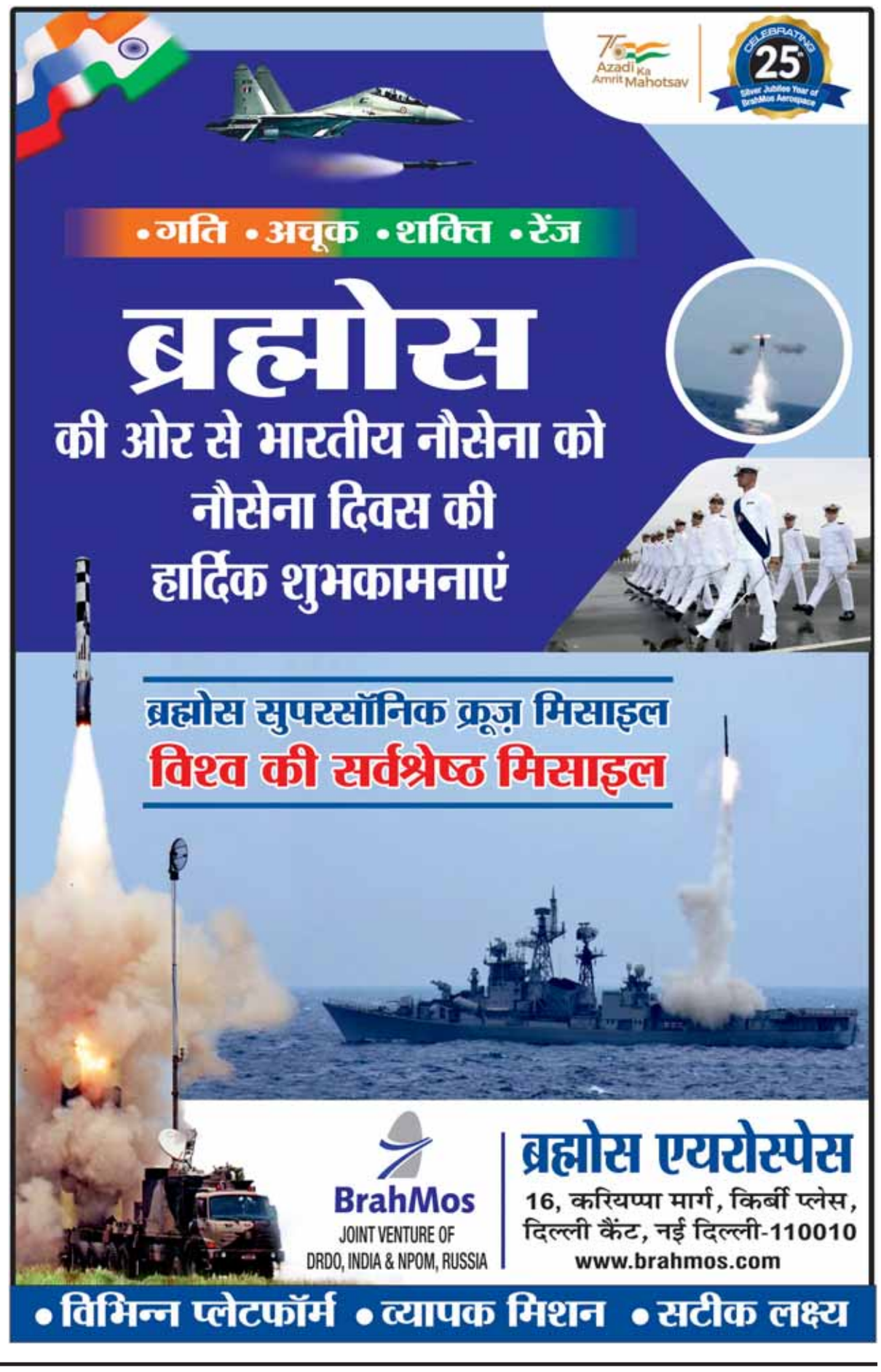

पांच राज्यों में कुल है 84 लोकसभा सीटें

पांच राज्यों में कुल मिलाकर 84 लोकसभा सीटें हैं। मध्य प्रदेश में 29, छत्तीसगढ़ में 11, राजस्थान में 25, तेलंगाना में 17 और मिजोरम में दो। वर्तमान लोकसभा में, मध्य प्रदेश की कुल 29 लोकसभा सीटों में से भाजपा के 28 सांसद हैं और कांग्रेस के एक। राजस्थान में 24 सांसद हैं जिनमें कांग्रेस का कोई नहीं है। छत्तीसगढ़ में नौ और कांग्रेस के दो, जबकि तेलंगाना से 04 हैं जहां कांग्रेस के 3 सांसद हैं और बीआरएस (पूर्व में टीआरएस) के सबसे ज्यादा 9 सांसद हैं तथा एक एआईएमएमएम का है। इस तरह इन पांच राज्यों में कुल मिलाकर 84 लोकसभा सीटें हैं।

इंडिया गठबंधन की बैठक छह को, लोस चुनाव पर होगी चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों के नेता अगले लोकसभा की चुनाव की रणनीति तय करने के लिए आगामी छह दिसंबर को बैठक करेंगे। सूत्रों ने बताया कि यह बैठक छह दिसंबर की शाम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दिल्ली स्थित आवास पर होगी।

सूत्रों का कहना है कि बैठक के दौरान इंडिया के घटक दलों के नेताओं द्वारा लोकसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मुकाबला करने की रणनीति पर चर्चा करने और उसे अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। विपक्षी दलों की यह बैठक पांच राज्यों-मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम के विधानसभा चुनावों के बाद हो रही है।

● जनता दल-यू ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा, यह साफ है कि मुख्य विपक्षी दल अपने दम पर जीतने में असमर्थ है

अगले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का मुकाबला करने के लिए 26 विपक्षी दलों ने इंडिया गठबंधन बनाया है। इंडिया गठबंधन की अब तक तीन बैठकें पटना, बेंगलुरु और मुंबई में हो चुकी हैं। गठबंधन के घटक दलों के नेताओं की पिछले दिनों मुंबई में हुई बैठक में गठबंधन के भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए 14 सदस्यीय समन्वय समिति का गठन किया गया था।

समन्वय समिति विपक्षी गठबंधन की शीर्ष निर्णय लेने वाली संस्था के रूप में कार्य करेगी। इस बीच, जनता दल (यूनाइटेड) ने तीन हिंदी भाषी राज्यों में हार के बाद कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह स्पष्ट है कि मुख्य (शेष पेज 9)

जेवर एयरपोर्ट तक चलेगी नमो भारत ट्रेन

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने उत्तर प्रदेश सरकार को भेजी प्रोजेक्ट रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

अब तक ट्रेन सेवा से वंचित रहे नोएडा और ग्रेटर नोएडा की जनता को ट्रेन की सेवा मिल सकती है। आरआरटीएस कॉरिडोर को जेवर एयरपोर्ट तक नमो भारत ट्रेन चलाए जाने का खाका सरकार द्वारा तैयार किया जा रहा है।

जल्द ही इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू होने की उम्मीद भी जताई जा रही है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के माध्यम से प्रोजेक्ट रिपोर्ट सरकार यूपी सरकार को भेज दी गई है।

आपको बता दें कि देश के पहले आरआरटीएस कॉरिडोर के साहिबाबाद से दुहाई तक के प्रथम खंड पर नमो भारत ट्रेन का संचालन शुरू किए जाने के कार्यक्रम के दौरान ही इस कॉरिडोर को गाजियाबाद से जेवर तक ले जाने का निर्णय लिया गया था। इसके बाद एनसीआरटीसी ने फिजिकल रिपोर्ट तैयार करने के लिए सर्वे शुरू कर दिया था। गाजियाबाद के सांसद एवं केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने भी इस प्रोजेक्ट की सिफारिश की थी।

एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स बताते हैं कि फिजिकल रिपोर्ट बनाकर यीडा को भेज दी गई है। अब यह रिपोर्ट प्रदेश सरकार के पास भेजी जाएगी। प्रदेश सरकार के निर्णय के बाद प्रोजेक्ट पर आगे काम किया जाएगा। इस रिपोर्ट में दो रूट सुझाए गए हैं।

उधर, सांसद वीके सिंह का कहना है कि आरआरटीएस कॉरिडोर की प्रारंभिक रिपोर्ट आने के बाद अब जल्द ही निर्णय होने की उम्मीद है। गाजियाबाद, नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लोगों को जल्द ही एक नया तोहफा मिल सकता है।

विश्व दिव्यांगजन दिवस पर दिव्यांगजनों ने नमो भारत ट्रेन में यात्रा की।

मुआवजा वितरण मामले में जांच शुरू

एसआईटी को चार सप्ताह में अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में देनी है

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण में मुआवजा वितरण में हुए कथित फर्जीवाड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट के एक निर्देश के बाद स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम एसआईटी ने जांच शुरू कर दी है। कोर्ट ने 15 साल के मुआवजा वितरण और जमीन अधिग्रहण की जांच करने को कहा है।

एसआईटी को अपनी रिपोर्ट चार सप्ताह में कोर्ट में देनी है। जांच विस्तार से होती है तो इसमें प्राधिकरण के भू लेख, वित्त से लेकर आला अधिकारियों के फंसने की नौबत आ सकती है। एसआईटी के एक प्रतिनिधि ने प्राधिकरण दफ्तर में आकर फाइलों की जांच शुरू की।

एक सप्ताह के अंदर एसआईटी के सभी सदस्यों के भी नोएडा आने की उम्मीद है। इसके बाद जांच में और तेजी आएगी। इस साल सितंबर में प्रदेश सरकार ने गेझा मुआवजा से संबंधित प्रकरण में तीन सदस्यीय एसआईटी गठित की थी। इनमें बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के चेयरमैन हेमंत राव, एडीजी मेरठ राजीव सभरवाल और मेरठ मंडल की कमिश्नर सेल्वा कुमारी जे को जांच की जिम्मेदारी दी गई। एसआईटी ने चार दिन तक नोएडा प्राधिकरण में रहकर मामले की जांच की थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब दोबारा से जांच शुरू की गई। इसके लिए संबंधित रिकार्ड और डेटा के लिए मेरठ मंडल की कमिश्नर के प्रतिनिधि के रूप में अपर आयुक्त बच्चू सिंह को नोएडा भेजा गया है। प्राधिकरण अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि अपर आयुक्त की तरफ से मुआवजा प्रकरण से संबंधित ग्राम और साल के हिसाब से जो फाइलें मांगी जा रही हैं, उनको मुहैया कराना शुरू कर दिया है। प्राधिकरण के बोर्ड रूम में अधिकारी ने जांच शुरू की है। दरअसल, पूर्व के शासन के काल में अतिरिक्त मुआवजे का खेल किया गया।

करीब 100 करोड़ अतिरिक्त मुआवजा प्राधिकरण अधिकारियों ने किसानों के साथ मिलकर बांटा और आर्थिक लाभ कमाया। ये मामला 2015 के आसपास का है। जांच का दायरा अब बड़ा होगा। बात करे 30 मार्च 2002 से लेकर अब तक एसआईटी को मुआवजा और जमीन अधिग्रहण से जुड़े करीब 12 हजार से ज्यादा फाइलों की जांच करनी होगी। फिलहाल अभी 2010 की फाइलों को मंगाया गया है।

देश की पहली रैपिड रेल में घूमे दिव्यांग

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

विश्व दिव्यांगजन दिवस पर दिव्यांगजनों ने नमो भारत ट्रेन में यात्रा की। सभी दिव्यंगों ने साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन से दुहाई डिपो आरआरटीएस स्टेशन तक का एक राउंड ट्रिप लगाया। एनसीआरटीसी ने उनके लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया। जिसमें आरआरटीएस की विशेषताओं और उन प्रावधानों के बारे में जानकारी दी गई जो आरआरटीएस को सभी के लिए सुलभ परिवहन का साधन बनाते हैं। एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने बताया कि इस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली गाजियाबाद मेरठ आरआरटीएस परियोजना के लिए एनसीआरटीसी को प्रदान किए गए एडीबी ऋण के संयोजन में जापान फंड ऑफ प्रॉसपरस एंड रिज़िलिएंट एशिया एंड द पेसिफिक जेएफपीआर पहल के तहत किया गया। दिव्यांगजनों के इस समूह में सभी उम्र के लोग शामिल थे। जिनमें से अधिकांश बच्चे थे। उन्होंने इस पूरे यात्रा अनुभव का भरपूर आनंद लिया और आरआरटीएस की इस पहल की सराहना की। नमो भारत ट्रेन की गति और आरामदायक यात्रा से बेहद प्रभावित हुए। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने बताया आरआरटीएस स्टेशनों पर, व्हीलचेयर की सुविधा उपलब्ध है और आवश्यकतानुसार लोग इसका उपयोग कर सकते हैं। स्टेशनों पर व्हीलचेयर और स्ट्रेचर को आसानी से लाने ले जाने लिए रैंप एवं बड़ी लिफ्टें लगाई गई हैं। साथ हीए दृष्टिबाधित यात्रियों की सुविधा के लिए, स्टेशन के डिजाइन में टैकटाइल पाथ को शामिल किया गया है, जो नेविगेशन में सहायता करने के साथ.साथ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इसकी मदद से यात्री स्टेशन में प्रवेश से लेकर ट्रेन में चढ़ने तक की यात्रा आसानी से कर सकते हैं। साथ ही नमो भारत ट्रेनों के अंदर, व्हीलचेयर और स्ट्रेचर के लिए विशिष्ट स्थान प्रदान किया गया है। प्रत्येक कोच में दिव्यांग यात्रियों के लिए आरक्षित सीटें हैंए जो उनकी आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करती है। इसके अतिरिक्त, सभी यात्रियों को सहायता और सुविधा के लिए प्रत्येक आरआरटीएस ट्रेन में एक ट्रेन अटेंडेंट भी उपलब्ध है। एनसीआरटीसी का उद्देश्य लोगों को निजी वाहनों की बजाए सार्वजनिक परिवहन के साधनों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे निजी वाहनों पर निर्भरता कम हो सके और सतत शहरी गतिशीलता को बढ़ावा मिले। एनसीआरटीसी सभी के लिए समावेशी और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि आरआरटीएस सार्वजनिक परिवहन में सभी वर्ग के लोग आसानी से यात्रा कर सकें।

ग्रेनो में मेट्रो की मांग को लेकर निवासियों ने किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मेट्रो की मांग को लेकर निवासियों ने जमकर हल्ला बोला। नेफोवा के नेतृत्व में ग्रेटर नोएडा वेस्ट मेट्रो परियोजना, केंद्र सरकार द्वारा अस्वीकार करने और परियोजना में अनावश्यक देरी के विरोध में ग्रेटर नोएडा वेस्ट निवासियों द्वारा प्रदर्शन किया गया।

आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे दीपांकर कुमार का कहना है कि अगर हमारी बात नहीं सुनी जाती तो आंदोलन का विस्तार किया जायेगा। प्रदर्शन के दौरान मीटिंग में 10 दिसंबर को जंतर मंतर पर किए जाने वाले प्रदर्शन की रूप रेखा पर भी चर्चा हुई। प्रदर्शन कर रहे लोगों का साफतौर पर कहना है कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट में 5 लाख से ज्यादा लोगों की आबादी रहती है लेकिन उसके बावजूद भी यहां पर मेट्रो की सुविधा नहीं है।

आंदोलन में शामिल आर सी भट्ट, ज्योति जायसवाल, अनुपमा, महेश यादव, शैलेश सिंह आदि का कहना है कि सार्वजनिक परिवहन की कमी और ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से लोग बीमार पड़ रहे हैं, ऑफिस और घर में पर्याप्त समय नहीं दे पा रहे हैं। एक दशक इंतजार के बाद अब जबतक कार्य शुरू नहीं होता हम प्रदर्शन जारी रखेंगे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस के गवाह को धमकी

गाजियाबाद। श्रीकृष्ण जन्मभूमि और ईदगाह विवाद प्रकरण में वादी गाजियाबाद के सत्यम शर्मा को जान से मारने की धमकी मिली है।

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के नाम से उनके घर में एक चिट्ठी पड़ी मिली है, जिसमें सिर तन से जुदा करने जैसी बातें लिखी हुई हैं।

पुलिस ने मामले में दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। पटेलनगर द्वितीय निवासी सत्यम शर्मा ने बताया 2 दिसंबर की सुबह 10 बजे शंभूदयाल कॉम्प्लेक्स स्थित कार्यालय खोला तो वहां एक चिट्ठी पड़ी मिली। उसमें मुझे उक्त केस में पैरवी करने पर जान से मारने की धमकी दी गई है। मैंने तत्काल मदद हेतु 112 पर पुलिस को फोन किया।

संक्षिप्त समाचार

फुटबाल खिलाड़ियों से मिलते यूपी फुटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद मेनन और सचिव मो. शाहिद।

राष्ट्रीय महिला फुटबॉल चैपिंयनशिप का समापन

गाजियाबाद। महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम में रविवार को सीनियर महिला नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप ग्रुप ए के मैच में छत्तीसगढ़ ने राजस्थान को 5-1 से हराकर ग्रुप में दूसरे नंबर पर रही। मैच शुरू होने पर उत्तर प्रदेश फुटबाल संघ के अध्यक्ष अरविंद मेनन और सचिव मो. शाहिद ने खिलाड़ियों को परिचय प्राप्त किया और समापन प्रतीक चिह्न देर हौंसला अफजाई की। मीडिया पार्टनर आईसीसीपीएल के मीडिया प्रभारी नीरज गुप्ता ने बताया कि मैच शुरू होते ही छत्तीसगढ़ की टीम राजस्थान पर आक्रमण करने लगी जो अंत तक कायम रहा। छत्तीसगढ़ की तरफ से पूर्वी नायक, प्रियंका भूटान के हैट्रिक गोल, हिना निर्मलकर ने गोल कर जीत दिला दिया। वहीं राजस्थान की तरफ से पूनम धाकड़ ने एकमात्र गोल किया।

किसानों ने मांगों को लेकर की पंचायत

नोएडा। प्राधिकरण के खिलाफ किसानों ने मोर्चा खोल दिया है। रविवार को किसान एकता संघ ने पंचायत आयोजित की। ये पंचायत गिझौड़ में आयोजित की गई। पंचायत में किसानों ने साफकहा कि प्राधिकरण ने किसानों के साथ अन्याय किया है। 1976 से 1997 तक के किसानों को 10 प्रतिशत भूखंड और एक समान नीति से सभी को 297 प्रति गज की दर से मुआवजा दिया जाए। ऐसा नहीं करने पर किसान प्राधिकरण पर धरना प्रदर्शन करेंगे। पंचायत चौधरी बाली सिंह के नेतृत्व में की गई। इसकी अध्यक्षता लिखी राम शर्मा ने की। यह पंचायत 1976 से 1997 तक के किसानों के साथ नोएडा प्राधिकरण द्वारा किए गए अन्याय और अपने हक को लेकर की गई। इस दौरान किसानों ने कहा कि उनकी जमीन अधिग्रहीत की गई। इसके बदले समान मुआवजा दिया जाए। साथ ही बेरोजगार हुए गांव के विभिन्न जातियां के लोगों के लिए भी 50 मीटर प्लाट दिया जाए। राजेंद्र चौहान ने किसानों की समस्या से भी पंचायत को अवगत कराया। पंचायत में गांव गिझोड के सुरेश प्रधान व पंचायत में पहुंचे सभी लोगों ने प्राधिकरण पर आंदोलन के फैसले का स्वागत किया। इस मौके पर अर्जुन प्रजापति, कमल यादव, रामकुमार नेताजी, महेंद्र कुमार, सुनील कुमार चौहान आदि किसान नेता मौजूद रहे।

आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस को लेकर कांक्लेव

नोएडा। आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफमैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी एआईएमटी ग्रेटर नोएडा ने मानव संसाधन कॉन्क्लेव का आयोजन किया। जिसका शीर्षक था. एक्सीलेंस इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट हारनेसिंग दी पावर ऑफआर्टिफीसियल इंटेलिजेंस। सम्मेलन में देश भर के विभिन्न उद्योगों के प्रतिष्ठित मानव संसाधन पेशेवरों ने भाग लिया। सम्मेलन की शुरुआत श्लोक पाठ और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद एआईएमटी के निदेशक एयर कमोडोर डॉ जेके साहू ने सभी गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित किया। परिचयात्मक वक्तव्य में मेजर जनरल सुमित मेहता, वी इस एम्एचीफ ऑफ स्टाफ दिल्ली एरिया, चेयरमैन एआईएमटी ने इस बात पर जोर दिया कि प्रौद्योगिकी उन्नति को टाला नहीं जा सकता। अपने व्याख्यान में केनबॉक्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ राजेश त्रिपाठी ने एचआर सिस्टम और एआई को परिभाषित करने के बारे में बात की। मुख्य मानव संसाधन प्रबंधक गेल इंडिया लिमिटेड ने कॉर्पोरेट जगत में कुशलता की अहमियत पर प्रकाश डाला। सत्र का समापन डॉ अनुभव वर्मा, अकादमिक हेड द्वारा सभी वक्ताओं एवं अतिथियों को धन्यवाद देने क साथ हुआ।

सौंदर्यीकरण के लिए अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

लोगों के विरोध के चलते मौके पर तैनात किया गया पुलिस बल

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के डासना क्षेत्र में तालाब सौंदर्यीकरण के लिए शनिवार को अवैध निर्माण करके बनाए गए 20 घरों पर यूपी सरकार का बुलडोजर चला। यूपी प्रशासन ने दावा किया है कि 20 घरों को ध्वस्त कर दिया गया है और अब यहां तालाब का सौंदर्यीकरण कराया जाएगा।

गाजियाबाद के डासना क्षेत्र में 20 घरों के टूटने से चारों तरफकोहराम मच गया। प्रशासन और भारी संख्या में पुलिस बल के साथ 20 घरों के अवैध निर्माण को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया।

आपको बता दें कि लंबे अरसे से अवैध निर्माण को हटाने की मांग चल रही थी लेकिन प्रशासन की नाक के नीचे अभी तक यह अवैध निर्माण बने हुए थे। लेकिन शिकायतकर्ता ने एनजीटी में तालाब क्षेत्र से अवैध निर्माण हटाने के लिए याचिका डाल दी थी और जिसका असर यह हुआ कि एनजीटी ने अपना निर्णय देते हुए एनजीटी द्वारा शिकायतकर्ता की याचिका पर कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण हटाने का आदेश दिया। जिसके तहत शनिवार को डासना क्षेत्र में तालाब पर बड़ी कार्रवाई की गई और बीस अवैध निर्माण को गिराने का कार्य किया गया। नगर पंचायत डासना द्वारा लगातार 2006 से इन अवैध निर्माणों को हटाने के लिए नोटिस दिए जा रहे थे। बावजूद वहां पर इन घरों पर कब्जे बरकरार थे।

जानकारी के मुताबिक डासना में नगर पंचायत स्थित खसरा नंबर 2076, 2077, 2078 तालाब की भूमि निश्चित है, यह भूमि 6.7530 हेक्टेयर में बताई गई है। नगर पंचायत तालाब के पास अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला कर अवैध निर्माण का ध्वस्तीकरण का कार्य किया गया। प्रशासन द्वारा उक्त स्थल पर तालाब के सौंदर्यीकरण का कार्य कराया जाएगा और यह जमीन तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए ही उल्लेखित थी।

चुनाव परिणामों के बाद गाजियाबाद में भाजपा कार्यकर्ताओं का जश्न

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

चार में 3 राज्यों में बीजेपी को प्रचंड बहुमत मिलता नजर आ रहा है। ऐसे में देशभर में भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश से भरा हुआ है। मिल रहीं जीत पर गाजियाबाद की बीजेपी इकाई भी खुशी मना रहीं है।

कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी को देश का असली हीरो बताया। गाजियाबाद में तीन राज्यों में मिल रहीं जीत से बीजेपी कार्यकर्ता जोश से भर गए हैं। गाजियाबाद में भी इस प्रचंड बहुमत से खुश भाजपा कार्यकर्ता नारेबाजी कर रहे हैं और एक दूसरे का मुंह मीठा कर रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं के मुताबिक नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह जीत हासिल हुई है। अब उन्हें 2024 का रण भी भारी नहीं लग रहा। इस मौके पर यूपी के पूर्व मंत्री और गाजियाबाद शहर सीट से बीजेपी विधायक बोले किसी जमाने में गांधी पूरे देश को अपनी तरफ आकर्षित किया था और किसी जमाने में कांग्रेस के विरुद्ध अटल बिहारी वाजपेई देश को आकर्षित किया था इस समय मोदी ने देश को आकर्षित किया हुआ है।

वकील के मकान का ताला तोड़कर चोरी

गाजियाबाद। मोदीनगर की ऋषभ विहार कॉलोनी में बदमाशों ने एक एडवोकेट के मकान का ताला तोड़कर सोने के जेवरात व पांच हजार रुपए की नकदी चोरी कर ली। वारदात के समय पीड़ित किसी काम से हरियाणा के गुरुग्राम गए हुए थे।

पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। नगर की ऋषभ विहार कॉलोनी निवासी करन राघव एडवोकेट हैं और दिल्ली में प्रैक्टिस करते हैं। दो दिन पूर्व वह किसी काम से हरियाणा के गुरुग्राम गए हुए थे। सुबह उनके पास कॉलोनी के लोगों ने फोन करके सूचना दी कि आपके मकान का ताला टूटा पड़ा है। करन राघव ने बताया कि बदमाश मुख्य गेट का ताला तोड़कर अंदर आए और एक सूटकेस चोरी करके ले गए।

नोट उड़ाकर रील बनाना पड़ गया भारी, ठोका जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सोशल मीडिया पर फैमस होने के लिए लोगों में रील बनाने का खुमार सिर चढ़ कर बोल रहा है। चार दिन पहले ग्रेटर नोएडा में आई एक बारात में शामिल कारों से नोट उड़ाकर रील बनाना वाहन मालिकों को भारी पड़ गया है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने चार और कारों की पहचान कर ली है।

इन पर लाखों रुपये का जुर्माना नोएडा की यातायात पुलिस द्वारा ठोका गया है। आपको बता दें कि इस मामले में नोएडा पुलिस 14 कारों पर कुल चार लाख रुपये का चालान कर पांच वाहन जब्त कर चुकी है। पुलिस ने मामले में वाहन स्वामियों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की है। आपको बता दें कि पिछले माह 26 नवंबर 2023 की रात नोएडा के सेक्टर-37 से ग्रेटर नोएडा वेस्ट की तरफ आने के दौरान शाहीन बाग से आई बारात के बारातियों के कई वाहन हूटर बजाते हुए निकले थे।

कारों में सवार बराती सड़क पर नोट उड़ा रहे थे। इससे सड़क पर नोट उठाने के लिए लोग दौड़ पड़े थे। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों से हासिल फुटेज की मदद से पांच वाहनों को पकड़कर मुकदमा दर्ज किया था। बिसरख कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामले में साकिब, आसिफ, शोएब अली, आबिद समेत कई आरोपियों पर केस दर्ज किया गया।

दहेज हत्या के मामले में पति गिरफ्तार

नोएडा। जबरन गर्भपात और दहेज हत्या के मामले में आरोपी पति को आशीष तोमर को थाना-113 पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एक दिन पहले ही मृतका के परिजनों ने सेक्टर-14ए कंट्रोल रूम पर प्रदर्शन कर इंसाफ की गुहार लगाई थी। उसकी गिरफ्तारी पर्थला सीएनजी पंप के पास से की गई। इस मामले में फरार चल रहे आरोपियों की भी जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। दरअसल, सेक्टर.122 पर्थला निवासी रितु की मौत 20 नवंबर को हो गई थी। परिवार ने आरोप लगाया था कि रितु को दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया। उनकी मेटी का जबरन गर्भपात कराया गया। जिससे ज्यादा ब्लीडिंग हुई और दोनों किडनी सिकुड़ गई। ससुराल वालों ने इलाज नहीं कराया। इससे उसकी मौत हो गई।

जबरन गर्भपात और दहेज हत्या के मामले में आरोपी पति पुलिस गिरफ्त में।

सुपारी किलर गैंग लीडर समेत तीन पर गुंडा एक्ट

तीन की अचल संपत्तियों को चिन्हित किया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में सुपारी देकर हत्या कराने वाले गिरोह के लीडर व शॉर्प शूटर मेंहदी हसन समेत तीन लोगों के खिलाफ नोएडा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की है। जिन दो अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई है। उनमें सलारपुर निवासी अकील और दिल्ली के बदरपुर निवासी पूजा शामिल हैं।

पुलिस तीनों की चल और अचल संपत्ति को चिह्नित कर रही है। इसके बाद तीनों की संपत्ति को कुर्क करने की कार्रवाई की जाएगी। बीते साल सुपर नोवा बिल्डिंग के पास हुई हत्या के मामले में सेक्टर.126 पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार किया था। पूजा के प्रेमी अकील के कहने पर शूटर मेंहदी हसन ने उसके पति की हत्या 50 हजार रुपए लेकर की थी।

फाइल फोटो

एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि तीनों की कई संपत्तियों को चिह्नित भी कर लिया गया है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर कार्रवाई की गई है। नोएडा पुलिस कुख्यात बदमाशों की पहचान कर उनके खिलाफ सिलसिलेवार तरीके से गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई सुनिश्चित कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि 14 मई 2022 को सेक्टर-94 स्थित सुपरनोवा बिल्डिंग के पास मेंहदी हसन ने ऋषि पाल नामक व्यक्ति की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी थी।

अवैध संबंधों और प्रॉपर्टी के लालच के चलते ऋषि पाल की पत्नी ने ही उसकी हत्या कराई थी। घटना के बाद नोएडा पुलिस ने पूजा और मेंहदी हसन पर 20 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। आरोपी महिला ने बेटे विशाल को भी योजना में शामिल किया था। हत्या के लिए अकील ने मेंहदी को 50 हजार रुपए दिए थे।

नकली नोट मामले में भी सात पर गैंगस्टर एक्ट लगा

नोएडा। सोशल मीडिया के माध्यम से नकली भारतीय करेंसी का कारोबार कर सरकार को करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान पहुंचाने वाले गिरोह के सात आरोपियों को सेक्टर-24 पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में निरुद्ध किया है। इनकी संपत्ति को चिह्नित करने के बाद कुर्क किया जाएगा।

ग्रेनो- नोएडा में गले की फांस बन रही लिफ्ट, लोगों ने लगाया जाम

पायनियर समचार सेवा। नोएडा

नोएडा और ग्रेटर नोएडा की विभिन्न सोसाइटियों में लगी लिफ्ट यहां रहने वाले लोगों के गले की फांस बन रही है। कभी भी किसी भी सोसाइटी की लिफ्ट बंद हो जाती है।

बिल्डरों की लापरवाही का खामियाजा यहां रहने वाले लोग ही भुगत रहे हैं। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की महागुन मायवुड्स सोसाइटी के नागरिकों ने बिल्डर के नोएडा सेक्टर-63 स्थित कार्यालय पर प्रदर्शन किया, लेकिन नागरिकों की बात न सुने जाने पर लोगों ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट में आकर सोसाइटी के बाहर जाम लगा। प्रदर्शनकारी नागरिकों का कहना है बिल्डर प्रबंधन मेंटेनेंस शुल्क लेने के बाद भी कार्य नहीं करा रहा है। सोसायटी की कई लिफ्ट लंबे समय से बंद हैं। पानी और बिजली का बिल भी बकाया है।

इससे नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। करीब दो घंटे तक जारी रहे विरोध प्रदर्शन के बाद बिसरख पुलिस ने समस्याओं को दूर कराने का आश्वासन दिया। जिसके बाद निवासियों ने विरोध प्रदर्शन बंद कर दिया। महागुन मॉयवुड सोसायटी के नागरिकों का कहना है कि सोसायटी के रखरखाव में लापरवाही बरती जा रही है। हर माह मेंटेनेंस का पैसा दिया जाता है, लेकिन कोई काम नहीं होता है। कई लिफ्ट लंबे समय से बंद पड़ी है और निवासियों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 4 दिसंबर , 2023

भाजपा मुख्यालय में जश्न, उड़े रंग और गुलाल

कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को खिलाई मिठाई, आतिशबाजी कर ढोल-नगाड़ों की थाप पर जमकर थिरके

संजय राय। नई दिल्ली

मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को मिली बंपर जीत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में भोपाल, जयपुर और रायपुर से लेकर राष्ट्रीय राजधानी में जश्न का माहौल है। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय में वरिष्ठ नेताओं के साथ महिला और युवा नेताओं ने जमकर रंग-गुलाल उड़ाए और खूब आतिशबाजी की। इस दौरान कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों की थाप पर जमकर थिरके। जय श्री राम के नारे लगाए साथ में भगवा झंडा लहराया। भाजपा कार्यकर्ता इस जीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गारंटी बता रहे हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना विधानसभा चुनावों के नतीजों के लिए रविवार सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू हुई। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में जैसे-जैसे चुनाव परिणाम में भाजपा को बढ़त मिलती गयी पार्टी कार्यकर्ता नॉर्थ एवेन्यू स्थित भाजपा मुख्यालय की ओर चल पड़े। तीनों राज्यों में बहुमत का आंकड़ा पर किया तो कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में समर्थकों का उत्साह चरम पर पहुंच गया और कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़े की थाप पर खूब नृत्य किया और एक-दूसरे को लड्डू खिलाया। इस दौरान सड़क किनारे पार्टी का झंडा लहराना शुरू किया दिया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कट आउट को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी व्यक्त की।

एक कार्यकर्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों के उत्थान का संकल्प है, जिस पर जनता ने मोहर लगा दी है।

तीन राज्यों में साफ झलक रहा है कि पीएम मोदी का जादू और जलवा बरकरार है। जिन लोगों ने तुष्टिकरण की राजनीति की सनातन धर्म को अपमानित करने का खेल खेला है, उनको तमाचा लगा है। लोकसभा चुनाव से पहले तीन राज्यों में भाजपा को मिली शानदार जीत कई मायनों में अहम है। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले इसे सेमीफाइनल की जीत भी कहा जा रहा है।

मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में शानदार जीत हासिल करने के बाद कार्यकर्ता भाजपा मुख्यालय के बाहर जमकर रंग-गुलाल उड़ाए और खूब आतिशबाजी की।

कांग्रेस के नकारात्मक अभियान खारिज : सचदेवा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हिंदी भाषी तीन राज्यों मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की शानदार जीत से उत्साहित प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता ने कांग्रेस के नकारात्मक अभियान को पूरी तरह से खारिज कर दिया है।

कांग्रेस ही नहीं पूरे विपक्ष ने व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभियान चलाया था लेकिन छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान के लोगों ने मोदी गारंटी पर भरोसा जताया है।

सचदेवा ने कहा कि तेलंगाना की जनता ने भी अच्छे वोट प्रतिशत के साथ-साथ सीटों की संख्या में बढ़ोत्तरी के साथ भाजपा के लिए राज्य के दरवाजे खोल दिये हैं। देश के लोगों विशेषकर आदिवासियों को प्रोत्साहन देने के साथ ही महिला सशक्तीकरण और युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने की पीएम मोदी की राजनीति पर भरोसा जताया है।

इन चुनाव नतीजों में एक और अच्छा संकेत है क्योंकि तीन राज्यों के लोगों ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की राजनीति को खारिज कर दिया है क्योंकि आम आदमी पार्टी के लगभग सभी उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई है।

जनता ने 2024 के नतीजे अभी से दे दिए हैं : बिधूड़ी

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि चार में से तीन राज्यों की जनता ने भाजपा को जिताकर दिखा दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी की विश्वसनीयता सर्वोपरि है। राजनीतिक विश्लेषक भी जनता के इस फैसले के प्रति नत मस्तक होने के लिए मजबूर हो गए हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ की जनता ने वर्ष 2024 लोकसभा चुनावों का नतीजा अभी से दे दिया है। इन नतीजों से स्पष्ट है कि साफ हो गया है कि इस बार लोकसभा चुनावों में भाजपा 2019 से भी ज्यादा सीटें जीतेगी। बिधूड़ी ने जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह को बधाई देते हुए कहा है कि उनके शानदार नेतृत्व और मार्गदर्शन में भाजपा की लोकप्रियता सातवें आसमान पर पहुंच चुकी है और विपक्ष बुरी तरह धराशायी हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर जनता ने जताया भरोसा: चौबे

नई दिल्ली। *केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की मिली सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि मोदी गारंटी पर यह जनता का विश्वास है। सेमीफाइनल में इंडिया गठबंधन हाफ हो गया है। 2024 के फाइनल मुकाबले में इंडिया गठबंधन साफ हो जाएगी। केंद्रीय मंत्री चौबे ने कहा कि तीन राज्यों के चुनाव परिणाम से हम सभी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को विशेष तौर पर बधाई देता हूं। जनता ने भाजपा पर जो अटूट विश्वास जताया है, इसके लिए मैं हृदय से अभिनंदन करता हूं। चौबे ने कहा कि जो श्रीरामचरित मानस का अपमान कर रहे थे.. गोस्वामी तुलसीदास जी को जो लोग गाली दे रहे थे..जिन्होंने सनातन को गाली दी जनता ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम ने स्पष्ट संदेश दिया है कि- देश में एक ही गारंटी चलती है, और वह है प्रधानमंत्री मोद की गारंटी।*

पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व से मिली सफलता : अरविंद मेनन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में प्रचंड जीत और तेलंगाना में दमदार उपस्थिति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व से संभव हुआ। यह कहना है भाजपा के राष्ट्रीय सचिव और तेलंगाना के सह प्रभारी अरविंद मेनन का। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में सभी कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी को बड़ी जीत दिलाने को काम किया है। मध्यप्रदेश में प्रचंड जीत, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में उलटफेर भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण का नतीजा है।

तुष्टिकरण में अटके लोग सनातन की शक्ति को समझेंगे: विश्व हिंदू परिषद

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि जो सनातन को नेस्तनाबूद करने चले थे, आत्म हत्या को मजबूर हो गए। आशा है कि ये वोट के लिए भटके हुए और तुष्टिकरण में अटके हुए लोग अब तो सनातन की शक्ति को समझ पाएंगे।

आप को नोटा से भी कम वोट मिले: सिरसा

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के सरकारी खजाने से करोड़ों रुपये बर्बाद कर दिए लेकिन उन्हें चार राज्यों के घोषित हुए चुनावी नतीजों में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों को नोटा से भी कम वोट मिले। सिरसा ने आरोप लगाया कि भगवंत मान ने अपने बॉस अरविंद केजरीवाल के इशारे पर पंजाब के सरकारी खजाने का दुरुपयोग किया तथा केजरीवाल ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में प्रचार करने के लिए विशेष विमान किराये पर लिया।

इन चुनावी राज्यों में आम आदमी पार्टी के विज्ञापन पर करोड़ों रुपये बर्बाद किए गए ठीक इसी प्रकार सोशल मीडिया पर भी प्रचार के लिए खूब पैसा खर्च किया इसके अलावा चुनावी राज्यों में विशेष टीमें भी रखी गईं। सिरसा ने कहा कि पंजाब के करदाताओं का पैसा बर्बाद करने के बाद आम आदमी पार्टी को इन चुनावी राज्यों के नतीजों में नोटा से भी कम वोट मिले। आम आदमी पार्टी को इन राज्यों में एक प्रतिशत भी वोट नहीं मिला।

कांग्रेस मुख्यालय में पसरा सन्नाटा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चार राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम को लेकर रविवार सुबह सात बजे से ही कांग्रेस मुख्यालय में कार्यकर्ता जुटने लगे थे। दिल्ली के कई इलाकों समेत पड़ोसी राज्यों के लोग जश्न मनाने के लिए पहुंचने लगे थे। लेकिन जैसे-जैसे मतगणना के रुझानों में अंतर बढ़ता गया। कांग्रेस मुख्यालय से कार्यकर्ता एक-एक कर जाने लगे।

दोपहर साढ़े ग्यारह बजे तक पार्टी मुख्यालय पर कांग्रेस के स्थानीय नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ ही कुछ इलाकों के लोग ही यहां पर बचे थे। शकूरपुर बस्ती से कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे कार्यकर्ता इंदर ने बताया कि उनके इलाके से सैंकड़ों लोग यहां पहुंचे थे। कुछ लोग तो वापस चले गए, लेकिन अभी भी बहुत सारे लोग यहां पर अपने जीते हुए राज्यों का जश्न मनाने का इंतजार कर रहे हैं। मध्यप्रदेश और राजस्थान के रुझानों और परिणाम के आधार पर पार्टी कार्यकर्ता मायूस जरूर हैं, लेकिन वह तेलंगाना के प्रदर्शन पर खुश भी बहुत हैं। कांग्रेस पार्टी के मुख्यालय में पल-पल बदलते और मिलते अपडेट के साथ कार्यकर्ताओं का रुझान भी पता चला रहा था।

चुनावी नतीजे लोस चुनाव के लिए जनता के मूड का आइना नहीं : आप

नई दिल्ली। *आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को कहा कि विधानसभा के चुनावी नतीजे अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए देश की जनता के मूड का आइना नहीं है। आप ने हालांकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बड़ी जीत पर बधाई दी। पार्टी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया की छह दिसंबर को होने वाली बैठक में भविष्य की कार्वाई तय की जाएगी। ताजा रुझानों के अनुसार भाजपा मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में सरकार बनाती दिख रही है जबकि राजस्थान में वह पहले ही बहुमत का आंकड़ा पार कर चुकी है। मध्य प्रदेश में जहां पार्टी की सत्ता बरकरार रही वहीं उसने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को पटखनी दी। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को हराकर कांग्रेस सरकार बनाने की तैयारी में है। आप ने आधिकारिक बयान में कहा कि वह जनादेश को स्वीकार करती है और उसने तीन राज्यों में जीत के लिए भाजपा को बधाई दी।*

लोकतंत्र की रक्षा के लिए सोचना चाहिए : जय किशन

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व विधायक जय किशन विधानसभा चुनाव में चार राज्यों के नतीजों का उनकी पार्टी सम्मान करती है। लेकिन लोगों को लोकतंत्र की रक्षा के लिए सोचना चाहिए। क्योंकि लोकतंत्र, सरकारी तंत्र पर लोगों का को भरोसा नहीं रह गया है।

जनता का फैसला स्वीकार : अनिल शास्त्री

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अनिल शास्त्री ने चार विधानसभा चुनाव परिणाम पर मिश्रित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जनता का जनादेश शिरोधार्य है। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पुत्र अनिल शास्त्री ने तेंलगाना की जीत पर कहा कि यहां कांग्रेस का चुनावी अभियान अच्छा और सकारात्मक रहा है जिसके चलते भ्रष्ट केसीआर शासन से जनता को मुक्ति मिली। अनिल शास्त्री ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ के परिणाम पर आश्चर्च जताते हुए कहा कि कांग्रेस के अच्छे काम के बाद भी हमें हार का सामना करना पड़ा। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल ने जनता के हित में अनेकों योजनाएं चलाई और इसके बेहतर परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। वहीं राजस्थान में

अशोक गहलोत ने राज्य में शासन व्यवस्था के साथ राज्य को विकास के नए आयाम स्थापित किए।

केजरीवाल को गिरफ्तार कराना चाहती है भाजपा : राय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● मैं भी केजरीवाल अभियान के तीसरे दिन राजेंद्र नगर, बुराड़ी, अंबेडकर नगर, गोकलपुरी, रिठाला और सीलमपुर में घर-घर प्रचार किया

मैं भी केजरीवाल अभियान के तीसरे दिन आम आदमी पार्टी ने राजेंद्र नगर, बुराड़ी, अंबेडकर नगर, गोकलपुरी, रिठाला और सीलमपुर में घर-घर प्रचार किया। आम आदमी पार्टी के हस्ताक्षर अभियान पर आम आदमी पाटी के प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि पीमए मोदी फर्जी केस बनाकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल में डालना चाहते हैं। इससे पहले भाजपा मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और संजय सिंह को जेल में डाल चुकी है। विपक्षी पार्टी आम आदमी पार्टी को तोड़ने की हर संभव कोशिश कर रही है, इसके लिए वह किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार है।

गोपाल राय ने कहा कि भाजपा दिल्ली में मिल रही लगातार हार से बौखलाहट में है। पहले यह विधानसभा चुनाव हारे, उसके बाद उनके हाथ से एमसीडी भी चली गई। यहां के लोगों ने केजरीवाल के कामों को प्राथमिकता देते हुए निगम से भाजपा को उखाड़कर फेंक दिया। उसे यकीन हो गया है कि वह दिल्ली में चुनाव नहीं जीत सकते इसीलिए वह केजरीवाल को गिरफ्तार कराकर सरकार गिराने का षडयंत्र रच रहे हैं। भाजपा के षड्यंत्र को असफल करने के लिए आम आदमी पार्टी के सभी सांसद, विधायक, पार्षद, पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने केजरीवाल से अपील की थी कि चाहे कुछ भी हो जाए वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगे। आम आदमी पार्टी के नेता लोगों के बीच जा रहे हैं और उनकी राय ले रहे हैं। जितने लोगों से मिल रहे हैं उन सबका यही कहना है कि केजरीवाल को वोट दिया है।

कड़कड़डूमा में कार्यालय परिसर को किराए पर देगी एमसीडी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम अपना खजाना भरने के लिए पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा में अपने नवनिर्मित कार्यालय परिसर को किराए पर देगी।

कड़कड़डूमा इंस्टीट्यूशनल क्षेत्र में स्थित अत्याधुनिक प्रीमियम कार्यालय परिसर में तीन ब्लॉक ए, बी और सी शामिल हैं, और इसका निर्माण 22,918 वर्ग मीटर के क्षेत्र में किया गया है। एमसीडी ने भवन को लीज, किराए पर देने के लिए न्यूनतम किराया 115 रुपये प्रति वर्ग फुट को मंजूरी दी है। जिसे 30 वर्षों की अवधि के लिए सरकारी विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, सरकारी एजेंसियों आदि को दिया जाएगा। दिल्ली नगर निगम के अनुसार, कार्यालय परिसर के तीनों ब्लॉक निगम द्वारा लीस पर देने के लिए तैयार हैं। उनमें से, ब्लॉक ए में ग्राउंड प्लस 5 मंजिलें हैं और इसका कारपेट एरिया 17480 वर्ग फुट है, जबकि ब्लॉक बी में बेसमेंट प्लस 5 मंजिलें हैं और कारपेट एरिया 22391 वर्ग फुट है। ब्लॉक सी एक 12 मंजिला इमारत है, जिसका कारपेट एरिया इससे अधिक है।

1 लाख वर्ग फुट। गणना किए गए कालीन क्षेत्र में बेसमेंट शामिल नहीं है। ब्लॉक बी में एक बेसमेंट है जबकि ब्लॉक सी में दो बेसमेंट हैं, जिनमें पर्याप्त पार्किंग सुविधा है।

तेंदुए को पकड़ने के लिए दो टीम गठित

नई दिल्ली। सैनिक फार्म क्षेत्र में हाल में नजर आए एक तेंदुए को पकड़ने के लिए पुलिस और वन विभाग के कर्मियों का एक संयुक्त दल बनाया गया वन विभाग एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इलाके के लोगों को घरों के अंदर ही रहने तथा तेंदुए का पता चलने की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचित करने की सलाह दी गई है।

दो दिसंबर को सैनिक फार्म क्षेत्र में तेंदुआ नजर आने के बाद उसे पकड़ने के लिए दो पिंजड़े लगाए गए। वन विभाग (असोला भट्टी वन्यजीव अभयारण्य) के बीट अधिकारी सुबोध कुमार के अनुसार तेंदुए को पिंजड़े में डालने के लिए दो टीमें लगाई गई हैं।

संक्षिप्त समाचार

डीडीसीए लीग में दिल्ली पुलिस की विजेता टीम।

डीडीसीए लीग में दिल्ली पुलिस जीती

नई दिल्ली। अरुण कटारिया का ऑलराउंडर प्रदर्शन 88 रन नाबाद 2/24, रोहित वशिष्ठ 56 रन और गौरव यादव 2/51 की मदद से दिल्ली पुलिस ने दिल्ली कोल्ट्स क्लब को 7 विकेट से रौंदा दिया। डीडीसीए लीग सत्र 2023-24 के उद्घाटन मैच मेंअरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। दिल्ली कोल्ट्स 40 ओवर में 188/6 बनाये। वहीं दिल्ली पुलिस 32 ओवर में 191/3 बना लिए। मुख्य अतिथि अशोक शर्मा निदेशक डीडीसीए, राजकुमार शर्मा आईसीए डॉयरेक्टर लीग, अनिल पासी सदस्य डीडीसीए लीग कमेटी, डॉ. अहमद तमीम वाइस चेयरमैन डीडीसीए लीग कमेटी, सुनील चुग को कन्वेनियर राकेश कौशल, गुरप्रीत सरीन, राजीव मल्होत्रा, मनीष शर्मा उद्घाटन मैच में रहे।

व्यापारी के घर के बाहर गोलीबारी में नाबालिग धरे

नई दिल्ली। उत्तर पूर्व दिल्ली के वेलकम इलाके में जबरन वसूली की कोशिश के तहत एक कबाड़ व्यापारी के घर के बाहर गोली चलाने के मामले में रविवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया और एक नाबालिग को पकड़ गया। आरोपियों को मेट्रो यार्ड के पास यमुना खादर से पकड़ा गया। पुलिस उपायुक्त जॉय टिर्की ने कहा कि 28 नवंबर को शिकायत मिली कि स्कूटर सवार दो हमलावरों ने अबरार अहमद के घर के बाहर गोलीबारी की। घटना में कोई घायल नहीं हुआ और घटनास्थल से तीन गोलियां बरामद हुईं। टिर्की ने कहा कि बाद में अहमद ने पुलिस को बताया कि उसे एक फोन आया और फोन करने वाले ने खुद को हाशिम बाबा गिरोह से जुड़ा होने का दावा करते हुए 50 लाख रुपए की मांग की। रविवार तड़के करीब तीन बजकर 20 मिनट पर पुलिस की एक टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। उन्होंने बताया, जब दोनों को रुकने का इशारा किया गया तो उन्होंने अपना स्कूटर छोड़कर अंधेरे में भागने की कोशिश की। उनमें से एक ने पुलिस टीम पर गोलियां चला दीं। गोली चलाने वाले की पहचान बाद में अक्की के रूप में हुई। पुलिस टीम ने जवाबी कार्रवाई की जिसमें गोली लगने से अक्की घायल हो गया। पुलिस टीम ने कुछ देर पीछा करने के बाद अक्की को गिरफ्तार कर लिया और एक नाबालिग को पकड़ लिया।

जनसरोकार के मुद्दों से तेलंगाना में जीती कांग्रेस: डॉली शर्मा

उत्तरी तेलंगाना की पार्टी की मीडिया प्रभारी ने कहा, वारंगल की छात्रा का आत्महत्या मुद्दा बना टर्निंग प्वाइंट

अजीत तिवारी। नई दिल्ली

फाइल फोटो

तेलंगाना विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेसी नेता डॉली शर्मा।

तेलंगाना में कांग्रेस की प्रचंड जीत के साथ बीआरएस (भारत राष्ट्र पार्टी) के केसीआर के 10 साल के साम्राज्य को ध्वस्त कर दिया है। इस जीत के लिए कांग्रेस टीम वर्क और जनसरोकार के मुद्दों को श्रेय दे रही है।

उत्तरी तेलंगाना की मीडिया प्रभारी व कांग्रेस प्रवक्ता डॉली शर्मा ने बताया कि वारंगल की छात्रा के सुसाइड मामले को जनता के बीच ले जाना टर्निंग प्वाइंट रहा। डॉली ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के करिश्माई नेतृत्व को भी जीत का श्रेय दिया।

तेलंगाना विधानसभा की 119 सीटों में से कांग्रेस को 65 सीटों पर जीत का परचम लहराया है। युवा कांग्रेस नेता डॉली शर्मा ने बताया कि वारंगल के एक हॉस्टल में शिक्षक परीक्षा की तैयारी कर रही छात्रा परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने से बेहद आहत होकर आत्महत्या कर ली थी।

इस आहत करने वाले मामले पर केसीआर सरकार ने जहां लीपापोती करने की कोशिश। वहीं इस मामले में उसका रवैया भी ठीक नहीं था।

डॉली ने कहा देश की बेटी को न्याय दिलाने के लिए उन्होंने सबसे पहले इस मुद्दे को उठाया और इस मसले को पार्टी कार्यकताओं के साथ जनता के बीच लेकर गई। इसके बाद ही राज्य सरकार की नींद खुली और दिवंगत छात्रा को न्याय मिला। शर्मा कांग्रेस प्रवक्ता होने के साथ ही गाजियाबाद की निवासी हैं और यहां से महापौर प्रत्याशी और वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव भी लड़ चुकी हैं। शहर में भाजपा की लहर के बावजूद डॉली शर्मा ने गाजियाबाद के लोगों के दिलों में युवा नेता के रूप में एक खास मुकाम हासिल किया है।

दो महीने प्रदेश में डाले रहीं डेरा

डॉली शर्मा ने बताया कि तेलंगाना चुनाव प्रचार से वैसे तो कांग्रेस कार्यकारिणी के चलते पहले से जुड़ी थी लेकिन चुनाव से 2 महीने पहले से उत्तरी तेलंगाना मीडिया प्रभारी के तौर पर हर जनसरोकार के मुद्दे को जनता के बीच ले जाने का प्रयास किया और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया।

छत्तीसगढ़ हारने से दिल टूटा

कांग्रेस नेता के मुताबिक मतगणना के शुरुआती रूझान में कांग्रेस पार्टी तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में पूर्ण बहुमत की बढ़त के साथ आगे बढ़ रही थी। वहीं कांग्रेस राजस्थान और मध्य प्रदेश में भाजपा को कड़ी टक्कर देती दिखाई दे रही थी। लेकिन मतगणना जैसे-जैसे आगे बढ़ती गई। कांग्रेस नेता मध्य प्रदेश और राजस्थान में पिछड़ते गए। छत्तीसगढ़ में निर्णायक बढ़त मिलने के बाद पिछड़ना दिल तोड़ने वाला था।

तीन राज्यों में जीत पर भाजपाइयों ने किया डांस, बांटी मिठाई

जनता ने कांग्रेस को नकार कर विकास की राजनीति पर लगाई मुहर

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम भाजपा कार्यालय में तीन राज्यों की जीत पर डांस करते भाजपा नेता व कार्यकर्ता।

राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा की विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत होने पर गुरुग्राम पार्टी कार्यालय गुरुकमल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर और ढोल की थाप पर जमकर डांस किया। इस दौरान जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

तीन राज्यों में हुई जीत पर जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ ने कहा कि यह जीत जनता जनार्दन की जीत है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्वास की जीत है। तीनों राज्यों में हुई भाजपा की जीत से उत्साहित जिला अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोदी शाम 6.30 बजे मुख्यालय और कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम से भी सैकड़ों कार्यकर्ता दिल्ली भाजपा मुख्यालय पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुनेंगे। भाजपा मीडिया प्रमुख अजीत यादव ने कहा कि रविवार को शुरू के चुनावी रूझानों ने भाजपा की जीत पक्की कर दी थी। भाजपा की जीत होने पर कार्यकर्ताओं व समर्थकों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। जिला में जगह-जगह समर्थकों ने जश्न मनाया। अजीत यादव ने बताया कि जनता के सिर मोदी का जादू चढ़कर बोल रहा है। प्रदेश उपाध्यक्ष जीएल शर्मा ने राजस्थान, छत्तसीगढ़ और मध्य प्रदेश में हुई भाजपा की जीत को मोदी की गारंटी की जीत बताया।

उन्होंने कहा कि तीनों राज्यों की जनता ने मोदी की गरीब कल्याण की नीतियों पर मुहर लगाकर कांग्रेस का सुपड़ा साफ किया है। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष जीएल शर्मा, सुनील कोहली, हरविंद कोहली, अरुण यादव, अरविंद सैनी, बेगराज यादव, मनीष गाडौली, राजेश अरोड़ा, अजीत बेनीवाल, कुलदीप यादव, ब्रह्म यादव, सोनाली मित्र, ज्योति डेमला सोनिया यादव, निधि राघव, जयवीर यादव, रमेश बेनीवाल समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनता ने बताया देश का भविष्य भाजपा के हाथों में ही सुरक्षित: नवीन गोयल

इन चुनावों में जीत के साथ आने वाले चुनावों में भी रखी गई जीत की नींव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जनता ने जताया पूरा भरोसा

नवीन गोयल।

गुरुग्राम। पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा के प्रमुख एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत कमेटी के प्रदेश सह-संयोजक नवीन गोयल ने कहा कि रविवार को जारी चुनाव परिणामों में तीन प्रदेशों में भारतीय जनता पार्टी की जीत ने यह तय कर दिया है कि अब भविष्य में होने वाले चुनावों के परिणाम भी भाजपा के पक्ष में ही रहेंगे। अगले साल लोकसभा और हरियाणा विधानसभा के चुनावों की भी जीत की नींव अब रखी जा चुकी है।

नवीन गोयल ने कहा कि देश ही नहीं दुनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रभाव है। भाजपा में उनका नेतृत्व देश को मजबूती दे रहा है। हर वर्ग के लिए विशेष योजनाएं बनाकर पीएम मोदी ने देश का दिल जीतने का काम किया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह जैसा मजबूत नेतृत्व ही देश को आगे लेकर जा रहा है। हर राज्य की जनता इसे देख रही है। राजस्थान, मध्यप्रदेश समेत अन्य राज्यों की जनता ने विपक्षी दलों के लुभावने वायदे नहीं देखे। जनता ने विकास और देश की मजबूती की बातों, वायदों पर विश्वास करके भारतीय जनता पार्टी को चुनाव है। नवीन गोयल ने कहा कि चुनाव रणनीति और चुनाव लड़ने की जो मजबूती है, यह अपने आप में अहम है। कार्यकर्ताओं को उचित ड्यूटी देकर पार्टी काम सौंपती है। चाहे बूथ की बात हो या पन्ना प्रमुख की। कार्यकर्ताओं की फौज तैयार करके देश में भाजपा ने जो प्रयोग किए हैं, वे सफल रहे हैं। पार्टी की नीतियों को किसी शहर, कस्बे तक नहीं बल्कि घर-घर और हर मतदाता तक, हर व्यक्ति तक पहुंचाने वाली भारतीय जनता पार्टी की जीत का यही फार्मूला अहम है।

संक्षिप्त समाचार

रतनपाल खटाना बनें मेवात चैंबर कॉमर्स ऑफ इंडस्ट्रीज के प्रधान

सोहना। रोजका मेव औद्योगिक क्षेत्र की मेवात चैंबर कॉमर्स ऑफ इंडस्ट्रीज के आम चुनाव में रतन सिंह खटाना को सर्वसम्मति से प्रधान चुना गया है। उपप्रधान के पद पर तन्नू अग्रवाल को चुना गया। नवनियक्त प्रधान ने मौके पर ही अपनी कार्यकारिणी का चयन करते हुए घोषणा कर दी। रविवार को रोजका मेव औद्योगिक क्षेत्र की मेवात चैंबर कॉमर्स ऑफ इंडस्ट्रीज की आम बैठक हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य चार साल पूरे हो जाने के बाद एसोसिएशन का चुनाव कराना था। जिसमें एसोसिएशन के सभी सदस्य और पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से रतन पाल खटाना को अपना प्रधान नियुक्त किया। नवनियुक्त प्रधान ने उपप्रधान की सहमति से मौके पर अपनी कार्यकारिणी का गंठन भी करते हुए घोषणा कर दी। जिसमें एसोसिएशन ऑपरेटर अधिकारी के पद पर गगन दीप सिंह, महासचिव पद पर प्रवीण भारद्वाज सचिव असीम दत्त, सहसचिव मोहित जांगड़ा कोषाध्यक्ष आशिश घोष, प्रवक्ता अरविंद चौरसिया अन्य पदों पर रंणजीत कराहना, विरेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह आदि। प्रधान बनने पर रतन पाल खटाना ने सभी उद्योगपतियों को आश्वासन देते हुए कहा कि जिस विश्वास पर उन्हें प्रधान बनाया है। एसोसिशन के उस भरोसे को बनाएं रखने का हमेशा प्रयास रहेगा। क्षेत्र की बंद पड़ी यूनिटों को चालू कराने और नये उद्योग लगाने का प्रयास किया जाएगा। ताकि उद्योग बढ़ने से यहा कारोबार बढ़ सके।

दिव्यांग विद्यार्थियों ने जीत हासिल कर दिखाया हौसला

सोहना। शहर के राजकीय संस्कृत मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विश्व विकलांगता दिवस के अवसर पर दिव्यांग और सामान्य विद्यार्थियों के बीच भिन्न-भिन्न प्रतियोगिताएं कराई गई। दिव्यांग और सामान्य विद्यार्थियों को एक साथ पढ़ने और समझने का अवसर भी दिया गया। शनिवार को विश्व विकलांगता दिवस के अवसर पर स्थानीय राजकीय संस्कृत मॉडल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में दिव्यांग विद्यार्थियों की ड्राइंग, पेंटिंग, जूडो, कैरम, डांस और निबंध प्रतियोगिताएं कराई गई। इन प्रतियोगिताओ में सैकड़ों की संख्या में दिव्यांग और सामान्य विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्कूल प्रधानाचार्य सुरेंद्र वर्मा, मोहनलाल, धर्मबीर सिंह, कलैश चंद आदि गणमान्य लोगों ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर हौसला बढ़ाया। दिव्यांग और सामान्य विद्यार्थियों की सयुक्त रुप से कक्षाएं चलाकर उनका शिक्षा के प्रति लगन और उत्साह बढ़ाने का कार्य किया। दिव्यांग विद्यार्थी सामान्य विद्यार्थियों के संग में काफी खुश नजर आए। यह देख दिव्यांग विद्यार्थियों के अभिभावकों के चेहरे खिल उठें। इस अवसर पर वक्ताओं ने दिव्यांग विद्यार्थियों को हमेशा हौसला बढ़ाने का संदेश दिया। दिव्यांग विद्यार्थियों को हर संभव मदद की आश्वासन दिया।

जनता ने फिर से पीएम मोदी की नीतियों पर जताया विश्वास : विधायक सुधीर सिंगला

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला के कार्यालय पर जीत का जश्न मनाते उनके समर्थक और भाजपा कार्यकर्ता।

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी की तीन राज्यों में जीत पर खुशी जाहिर करते हुए गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने कहा है कि यह देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का जलवा है। उनकी नीतियों पर विश्वास करते हुए सभी राज्यों ने भारतीय जनता पार्टी में विश्वास दिखाया और जीत झोली में डाल दी। इस जीत के साथ साफ हो गया है कि देश में अब कांग्रेस का कोई वर्चस्व नहीं रह गया है।

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि उन्होंने राजस्थान के चुनावों में प्रचार के दौरान जनता का जो रुझान भारतीय जनता पार्टी की तरफ नजर आया। चुनाव परिणाम भी ठीक उसी के अनुरूप आए। उन्होंने कहा कि देश को भीतरी, बाहरी क्षेत्र से मजबूत बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया में दिखा दिखाया है कि नेक नीयति से अगर काम किया जाता है तो कितनी भी कठिनाइयां आएं उनसे पार पा सकते हैं। सीमाओं पर देश की रक्षा की बात हो या दुनियाभर में भारत की मजबूत आर्थिक, सामाजिक स्थिति। हर मोर्चे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया के प्रभावशाली, मजबूत देशों को बताया है कि भारत अब मजबूत स्थिति में है। उन्होंने कहा कि छोटे से लेकर बड़े चुनाव तक भारतीय जनता पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता जिस मजबूती से काम करते हैं, इस जीत में उनका बड़ा श्रेय है। पार्टी की जमीनी स्तर पर रणनीति, बूथ स्तर तक मजबूती, कार्यकर्ताओं में पार्टी के प्रति समर्पण की भावना समेत अनेक ऐसे फेक्टर हैं, जिनकी वजह से पार्टी आज दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनी है। हर चुनाव में सिर्फ और सिर्फ जीत के इरादे से भारतीय जनता पार्टी उतरती है। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि 2024 में होने जा रहे लोकसभा और हरियाणा विधानसभा के चुनावों का नतीजा भी आज की जीत के साथ तय हो गया है। हरियाणा में भी अब भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार सरकार बनाकर विकास के रथ को जारी रखेगी।

सब पर भारी पड़ी मोदी की गारंटी: बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी।

गुरुग्राम। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी ने 3 राज्यों के चुनाव परिणामों को लेकर कहा कि तमाम पूर्वानुमानों को धता बताते हुए भाजपा ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शानदार और अप्रत्याशित जीत दर्ज की है। एक तरफ जहां राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा ने बड़े अंतर से कांग्रेस की अलोकप्रिय स्थिति कर दी है। बोधराज सीकरी ने कहा कि जनता ने कांग्रेस सरकारों को उखाड़ फेंका है तो, वहीं दूसरी ओर मध्य प्रदेश में और अधिक बहुमत के साथ अपने अनवरत जीत के अभियान को बरकरार रखा है। इन तीनों ही राज्यों में कांग्रेस ने जनता को गुमराह करने के तमाम चुनावी हथकंडे अपनाए लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के सामने वो दूर-दूर तक कहीं भी टिक नहीं पाए और मोदी की गारंटी सब पर भारी पड़ी। भाजपा सामूहिक रूप में चुनाव लड़ती है लेकिन इन विधानसभा चुनावों में जीत का श्रेय पूरी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व भाजपा के नेतृत्व की जनकल्याणकारी नीतियों को जाता है। हरियाणा राजस्थान से लगा हुआ पड़ोसी राज्य है। यहां के मुख्यमंत्री मनोहर लाल और भाजपा के सांसदों, विधायकों और लगभग तमाम बड़े नेताओं ने राजस्थान विधानसभा चुनाव में खूब मेहनत की जिसका असर भी नतीजों से झलकता है। इसका लाभ हरियाणा में भी आगामी लोकसभा, विधानसभा और नगर निगम चुनावों में भाजपा को स्वाभाविक रूप से मिलेगा। पार्टी कार्यकर्ताओं में भी इस जीत से अतिरिक्त जोश का संचार होगा और वो एकजुट होकर चुनाव में उतरेंगे।

दौला और खरोदा में हुआ विकसित भारत संकल्प-जनसंवाद यात्रा का स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

राष्ट्र निर्माण की शपथ लेते ग्रामीण व बच्चे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद यात्रा के रविवार को सोहना खंड के गांव दौला और खरोदा में जनसहयोग से शानदार कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दोनों गांवों में केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए 16 से अधिक विभागों की स्टालें लगाई गई थीं। ग्रामीणों ने इस मौके का फायदा उठाते हुए अपने आवेदन पत्र योजना से संबधित पोर्टल पर अपलोड करवाए।

दौला गांव में भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश सचिव प्रदीप गुर्जर तथा गांव खरोदा में भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रांतीय कोषाध्यक्ष सज्जन सिंह यादव मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। दोनों गांव के राजकीय विद्यालय के प्रांगण में आयोजित हुए विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद कार्यक्रम में भाजपा नेता प्रदीप गुर्जर व सज्जन सिंह यादव ने ग्रामवासियों को राष्ट्र निर्माण का संकल्प करवाया। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम एवं लाभकारी योजनाओं से वंचित व्यक्ति का कल्याण करना इस यात्रा का प्रथम उद्देश्य है। यह यात्रा जिला गुरुग्राम में 26 जनवरी तक जारी रहेगी।

वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बनाने का संकल्प लिया : ग्रामवासियों ने ग्रामीणों ने शपथ ली कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के सपने को साकार करने के लिए वर्ष 2047 तक देश को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने का काम करेंगे। दोनों गांव में केंद्र व हरियाणा सरकार की उपलब्धियों पर आधारित वृत्त चित्र वीडियो वैन की स्क्रीन पर दिखाए गए। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से इस अवसर पर सरकार द्वारा विभिन्न वर्गों के लिए चलाई जा रही योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रचार सामग्री का वितरण किया गया।

मेरी कहानी मेरी जुबानी : गांव खरोदा निवासी नीतू रानी ने बताया कि परिवार पहचान पत्र बनने के बाद स्वतः उसका अंत्योदय राशन कार्ड बन गया है, उसे कहीं भी पीला राशन कार्ड बनवाने के लिए आवेदन नहीं करना पड़ा। वह सरकार की इस ठोस नीति से अत्यंत प्रसन्न है।

साइकिल रैली निकालकर ब्रेन स्ट्रोक के प्रति किया जागरूक

रैली में 600 से ज्यादा साइकिल सवारों ने लिया हिस्सा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में सेहत की खातिर आयोजित साईक्लोथोन में भाग लेकर खुशी जताते लोग।

फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट ने ब्रेन स्ट्रोक अवेयरनेस साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन डीसीपी ट्रैफिक वीरेंद्र विज ने फोर्टिस गुरुग्राम के परिसर से किया। इस कार्यक्रम में 600 से ज्यादा साइकिल सवारों ने हिस्सा लिया और 13 किमी की दूरी तय की।

इस दौरान सभी साइकिल सवार गुरुग्राम के प्रमुख स्थानों से होकर गुजरे। इस प्रयास से न सिर्फ शारीरिक तंदरुस्ती को बढ़ावा मिला, बल्कि इसका उद्देश्य ब्रेन स्ट्रोक के बारे में लोगों के बीच जागरुकता बढ़ाना भी था। साइक्लोथॉन के अलावा लाइव जुम्बा सेशन और अहम जानकारी देने वाली सेहत संबंधी चर्चा का भी आयोजन किया गया। जिसमें ब्रेन स्ट्रोक से बचाव और उसके प्रति जागरुकता बढ़ाने पर ज़ोर दिया गया। डॉ. प्रवीण गुप्ता डायरेक्टर एवं यूनिट हेड न्यूरोलॉजी ने इस सत्र का नेतृत्व किया। उन्होंने युवाओं के बीच ब्रेन स्ट्रोक के बढ़ते मामलों के चिंताजनक रुझान के बारे में कहा कि पुरानी मान्यता है कि स्ट्रोक मुख्य रूप से वृद्ध लोगों में ही होता है। ऐसा नहीं है।

डॉ. गुप्ता ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सर्दियों के मौसम की वजह से स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। क्योंकि तापमान कम होने से खून गाढ़ा हो जाता है और धमनियां संकरी हो जाती हैं। उन्होंने बताया कि तनाव, सेहत को नुकसान पहुंचाने वाली खानपान की आदतें, दवाओं का गलत इस्तेमाल, धूम्रपान और व्यायाम की कमी, जोखिम के प्रमुख कारण हैं। खास तौर पर युवाओं में।

डॉ. गुप्ता ने कहा कि नियमित साइकिलिंग, हर दिन कम से कम 20 से 30 मिनट तक व्यायाम करने, फास्ट फूड और शुगरी ड्रिंक्स से परहेज करने, नशीली दवाओं और एल्कोहॉल से बचने जैसी जीवनशैली में बदलाव लाने वाली आदतें अपनाने से स्ट्रोक का जोखिम काफी हद तक कम किया जा सकता है। डॉ. विजय कांत दीक्षित डायरेक्टर इंटरवेंशनल न्यूरोरेडियोलॉजी ने कहा कि हम देख रहे हैं कि इन दिनों खास तौर पर युवाओं में ब्रेन स्ट्रोक के मामले बढ़ रहे हैं। ऐसे में यह आम लोगों को इस बारे में जानकारी देने के हमारे प्रयासों को गति देना महत्वपूर्ण हो गया है।

सब्जी आढ़तियों ने अनाज मंडी में अपनी जगह छोड़ किसानों के लिए बने टीन सेड पर किया कब्जा

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना अनाज मंडी में टीन सैड के नीचे लगती सब्जी की बोली।

मार्केट कमेटी प्रशासन की निष्क्रियता के चलते अनाज मंडी परिसर में जंगल राज बना हुआ है। सब्जी आढ़ती अपने निरधारित स्थानों को छोड़ किसानों के लिए बना टीन सेड के नीचे खुली बोल लगा रहे है। जिनमें सब्जी बेचने के लाइसेंस की आड़ में दुकानदार खुली बोली लगाने वालों की संख्या अधिक है। सरकारी फ्ड को किराए पर देकर आढ़ती मार्केट कमेटी के नियमों की धज्जियां उड़ाने में जुटे हुए हैं।

अनाज मंडी परिसर में (अंधेर नगरी चौपट राज) वाली उक्त कहावत पूरी पूर्ण रुप से चरितार्थ हो रही है। क्योकि मंडी परिसर में अवैध निर्माण कार्यों से लेकर अवैध कब्जे, अतिक्रमण और निरधारित स्थानों पर गैरकानूनी कारोबार धड़ल्ले से चल रहे है। मंडी परिसर में रेहड़ी व ठेला वालों ले लेकर खोखाधारकों की संख्या दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही हैं। जिससे मंडी परिसर में आम लोगों से लेकर किसानों को पैदल चलने के लिए भी खुले रास्ता तक नहीं है।

सफाई व्यवस्था चरमराई : मंडी परिसर में गंदगी के ढेर लगे हुए है। ठेकेदार के सफाई कर्मी केवल आम रास्तों पर ही सफाई करते है। जबकि खुले फ्डों के ऊपर लगे कूड़े के ढ़ेरों से उठती बदबू के कारण लोगों को इनके आसपास से निकलना भी मुश्किल हो रहा है। आवारा घूमने वाली गाय अपना मलमूंत्र ऐसे की गंदगी वाले स्थानों पर त्याग देने से बदबू और बढ़ जाती है।

टीन सेड़ में सब्जी की खुली बोली : सब्जी आढ़तियों लेकर सब्जी बेचने का लाइसेंस लेने वाले अब खुली बोली लगा रहे हैं। सब्जी आढ़तियों ने अपने निरधारित स्थानों को छोड़ किसानों के लिए बना टीन सेड के नीचे बैठ रहे हैं। टीन सेड के नीचे सब्जी की खुली बोली लगाने वालों स्थान निश्चित करके सब्जियों के भरे बारदाने 24 घंटे रखें हुए हैं।

क्या कहते हैं किसान : ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले किसान सतीश का कहना है कि किसानों को मंडी परिसर में कोई सुविधा नहीं मिल रही है। किसान अपने वाहन को निरधारित स्थान पर खड़ा नहीं कर सकता। जिससे किसानों के वाहन मंडी परिसर में से चोरी हो रहे है। किसाना द्वारा बिक्री के लिए लाया गया अनाज को टीन सेड के नीचे ढेरी न लगाकर खुले आसमान के नीचे लगाने का मजबूर हैं। इस संबंध में मार्केट कमेटी प्रशासन का कोई अधिकारी बोलने का तैयार नहीं होते।

शादियों के मौसम एवं नए साल के जश्न को लेकर गुरुग्राम सेक्टर 77 स्थित आपनोघर रेजॉर्ट कर रहा लोगों को आकर्षित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

शादियों का मौसम जोरों शोरों में है और इस दौरान सभी को एक ऐसे स्थान की तलाश होती है जहां शानदार नजारे, आदर्श मनोरंजन, स्वादिष्ट भोजन और स्थानीय गानों की धुनों के साथ हर किसी को एक यादगार अनुभव मिले। इसी तलाश में, दिल्ली एनसीआर के गुरुग्राम सेक्टर 77 में स्थित आपनोघर आपका स्वागत कर रहा है। चाहे अपने साथी के साथ रोमांटिक पल बिताने हो, परिवार के साथ सुकून के पल बिताने हो अथवा शादी विवाह जैसे कार्यक्रम को भव्य बनाना हो सभी इसी एक छत के नीचे उपलब्ध हैं।

आपनोघर रेजॉर्ट की सुंदरता और आत्मीयता इसे विशेष बनाती हैं। यहां बिताई गई शामें जीवन भर के लिए यादगार बनती हैं। गुरुग्राम के सेक्टर 77 में स्थित यह रेजॉर्ट आपको शानदार नजारों के साथ अद्वितीय मनोरंजन प्रदान करता है। आपनोघर में 67 सुशोभित कमरे हैं, जिन्हें शानदार ढंग से डिजाइन किया गया है। इनमें सभी आवश्यक सुविधाएं हैं, जो आपकी रहने को आरामदायक बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं। रेज़ॉर्ट की खासियतों में से एक यह है कि यह आपको अनूठे अनुभव प्रदान करता है जो आपको अन्य कहीं मुश्किल से मिलेगा।

आपनोघर के बहु-व्यंजन बाजा रेस्तरां में आपको उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय, चीनी, और महाद्वीपीय भोजन का विविध चयन मिलता है। यहां आप अपने स्वाद के अनुसार अनगिनत विकल्पों में से चयन कर सकते हैं। आपनोघर में मनोरंजन पार्क और वॉटर पार्क भी है, जहां आप रोमांचक सवारियों, साहसिक गतिविधियों, और पानी से भरे रोमांच का आनंद ले सकते हैं। यहां संगीतमय मंच कार्यक्रम, कठपुतली शो, और विभिन्न आकर्षणों से भरपूर दिन बिता सकते हैं। आपनोघर रेजॉर्ट एक आदर्श स्थान है जहां आप अपने खास मौके के समारोह की योजना बना सकते हैं। यहां दो हरे-भरे पार्टी लॉन और बैंक्वेट हॉल भी हैं जो विवाह, कॉर्पोरेट मीटिंग्स, सम्मेलन, जन्मदिन आयोजनों के लिए उपयुक्त हैं। आपनोघर ने अपने मेहमानों के लिए विभिन्न पैकेज पेश किए हैं, जो उनकी आवश्यकताओं और बजट के अनुसार अनुकूलित किए जा सकते हैं।

अहमदाबाद के मारेंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने पश्चिम भारत में लिवर ट्रांसप्लांट के सर्वोत्तम केंद्र के रूप में बनाई अपनी पहचान

पायनियर समाचार सेवा। अहमदाबाद

अहमदाबाद के मारेंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल को सबसे जटिल ऑर्गन ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा करने, तथा मरीज के उपचार में सर्वोत्तम नतीजों के साथ उन्हें नई ज़िंदगी देने के लिए जाना जाता है। इस देश के उन गिने-चुने अस्पतालों में से एक है, जहां हार्ट, लंग्स, लिवर, किडनी और बोन-मैरो जैसे कई तरह के ऑर्गन ट्रांसप्लांट की सुविधाएँ एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। बड़ी संख्या में मरीजों का लिवर ट्रांसप्लांट करने वाला मारेंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, आज पश्चिम भारत में इस उच्च-स्तरीय सर्जरी के लिए सबसे पसंदीदा केंद्र के रूप में उभर कर सामने आया है। अस्पताल में लिवर ट्रांसप्लांट की टीम की कमान डॉ. पुनित सिंगला, क्लिनिकल डायरेक्टर, लिवर ट्रांसप्लांट एवं सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, मारेंगो एशिया हॉस्पिटल्स, संभाल रहे हैं।

शराब का सेवन वास्तव में सबसे बड़ा कारण है जिसकी वजह से ज्यादातर मरीजों को ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है, और इसी वजह से मरीज लिवर से संबंधित बीमारियों के अंतिम चरण में पहुंच जाते हैं। शराब का सेवन करना सेहत के लिए बेहद नुकसानदेह होने के साथ-साथ लिवर की क्षति का एक प्रमुख कारण है। लिवर हमारे शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग है, जो शरीर से टॉक्सिक को निकालने, मेटाबॉलिज्म, और प्रोटीन के निर्माण जैसे कई तरह के काम करता है। लंबे समय तक शराब पीने से लिवर में कई तरह की समस्याएँ हो सकती हैं, जिनमें फैटी लिवर, अल्कोहलिक हेपेटाइटिस, लिवर सिरोसिस जैसे रोग शामिल हैं।

लिवर ट्रांसप्लांट एवं सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के क्लिनिकल डायरेक्टर, डॉ. पुनित सिंगला कहते हैं, शराब का अनियमित तौर पर सेवन करना, लिवर को गंभीर नुकसान होने और बीमारी के अंतिम चरण में पहुंचने की सबसे बड़ी वजह है। फैटी लिवर की बीमारी लिवर को होने वाले नुकसान का शुरुआती है, जिसमें लिवर की कोशिकाओं में फैट यानी वसा जमा होने लगता है। फैटी लिवर को ठीक किया जा सकता है, लेकिन लगातार शराब के सेवन की वजह से उस स्थिति गंभीर हो जाती है और इसे ठीक करना असंभव हो सकता है। इसके बाद मरीज के पास ट्रांसप्लांट के अलावा और कोई भी दूसरा विकल्प नहीं रह जाता है। अत्यधिक शराब के सेवन से होने वाली सूजन के चलते लिवर पूरी तरह खराब हो सकता है। मरीज को पीलिया, पेट दर्द और बुखार हो सकता है, जो लिवर फेल्योर की शुरुआत का संकेत हो सकता है।

वायरल संक्रमण (हेपेटाइटिस बी और सी), नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग (NAFLD), ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस, सिरोसिस और कुछ जेनेटिक कारणों की वजह से भी लिवर को नुकसान हो सकता है। लिवर की बीमारी के अंतिम चरण से जूझ रहे मरीजों के लिए लिवर ट्रांसप्लांट एक जटिल, लेकिन सबसे कारगर उपचार है। इस प्रक्रिया की सफलता कई बातों पर निर्भर है, जिसमें मरीज की सेहत, उपयुक्त डोनर की उपलब्धता और ट्रांसप्लांट के बाद की देखभाल शामिल है।

तीन गांवों में लोगों की सुविधा के लिए होगा फिरनियों का निर्माण

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

ग्रामीणों को बेहतर आने-जाने की सुविधा देने के लिए लगभग 48 लाख रुपये की लागत से पृथला ब्लॉक के तीन गांवों की फिरनियों का निर्माण करवाया जाएगा। फिरनियों के निर्माण के बाद ग्रामीणों के ट्रैक्टर व दूसरे वाहन गांव के एक कोने से दूसरे कोने तक आसानी से आ जा सकेंगे। इसके लिए टेंडर का कार्य पूरा होने के बाद फिरनियों का कार्य जल्द ही पूरा कर दिया जाएगा। पृथला ब्लॉक के अलावलपुर, बघौला व पृथला गांवों

में फिरनियों के निर्माण को उच्च अधिकारियों से मंजूरी मिलने के बाद इन गांवों में जल्द ही निर्माण जल्द ही पूरा करवा दिया जाएगा। इन गांवों में कई जगह पर कच्ची फिरनियां थीं, इसके फिरनियों में लगे खरंजे टूट गए थे। जिसकी वजह से ग्रामीणों को आने-जाने में दिक्कत का सामना करना पड़ता था। लोगों की इस समस्या का समाधान करने के लिए पंचायती विभाग ब्लॉक पृथला ने इन गांवों की फिरनियों को सीमेंटेड बनाने के लिए प्रपोजल बनाकर उच्च अधिकारियों को भेजा था। पंचकूला से प्रपोजल के पास होने पर इन गांवों की फिरनियों को ब्लॉक टाइल्स से बनाने के लिए टेंडर पास हो गए हैं।

अब इन गांवों की फिरनियों का पक्का करने का कार्य मार्च 2024 तक पूरा हो जाएगा। जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में सुविधा रहे। गांवों की फिरनियां टूट जाने से वहां पर गढ्ढे बन गए थे। इस वजह से ग्रामीणों के ट्रैक्टर, बुग्गी, कार आदि आने-जाने में दिक्कत होती थी। कई बार तो रास्ते खराब होने से वाहनों को घरों से दूर ही खड़ा करना पड़ता था। परंतु अब फिरनियों के निर्माण के बाद ग्रामीण अपने घरों तक आसानी से पहुंच सकेंगे।

गांवों की फिरनियां ब्लॉक टाइल्स से बनने के बाद ग्रामीणों को आने-जाने में सुविधा रहेगी।

-जगबीर, ग्रामीण

गांवों में फिरनियों के ब्लॉक टाइल्स से बनने के बाद लोगों के ट्रैक्टर व दूसरे वाहन आसानी से गुजर सकेंगे।

-राजेश कुमारी, ग्रामीण

पृथला ब्लॉक के तीन गांवों की फिरनियों के निर्माण के लिए टेंडर हो चुके हैं। जल्द ही इन गांवों में फिरनियों का निर्माण पूरा करवा दिया जाएगा। जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में सुविधा रहे।

-संजय कुमार, कनिष्ठ अभियंता, पंचायती राज

किताबों से दूर रहकर सोशल मीडिया की तरफ बढ़ रहे हैं लोग : एसके तोमर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में जश्न-ए-फरीदाबाद-3 का आयोजन

फरीदाबाद साहित्यिक एवं सांस्कृतिक केंद्र की ओर से जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में दो दिवसीय साहित्यिक और सांस्कृतिक उत्सव का तीसरा संस्करण जश्न-ए-फरीदाबाद-3 का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में जेसी बोस के कुलपति प्रो. एसके तोमर ने लोगों की किताबों से होती दूरी के बारे में अपनी राय रखी। प्राचीन सांस्कृतिक मूल्यों की वर्तमान प्रासंगिकता विषय पर अपने विचार रखते हुए उन्होंने बताया कि आज लोग किताबों से दूर और मिथ्या से भरे सोशल मीडिया से जुड़ते जा रहे हैं। कुलपति ने कहा कि रामायण, महाभारत हमें आदर्श जीवन यापन का महत्व बताने के लिए काफी है। जीवा इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष डॉ. ऋषिपाल ने बताया कि भारत में 2600 वर्ष पूर्व से चिकित्सा विधि उन्नत रही है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी संस्कृति बचाने की जरूरत है। एफएलसीसी के अध्यक्ष विनोद मलिक ने कहा कि तीन साल कोरोना महामारी के अंतराल के बाद सांस्कृतिक एवं संस्कृति के संगम जश्न-ए-फरीदाबाद-3 का यह आयोजन किया जा रहा है। संस्था का उद्देश्य साहित्य और संस्कृति की समृद्ध विरासत और साहित्य-संस्कृति प्रेमियों को करीब लाना है।एफएलसीसी के अध्यक्ष विनोद मलिक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवीन सूद, उपाध्यक्ष ऋषिपाल चौहान, महासचिव एमएल नंदवानी, कोषाध्यक्ष जगदीप मैनी व सासंस्कृतिक सचिव वसु मित्र सत्यार्थी ने मुख्य अतिथि और उपस्थित साहित्य और कला प्रेमियों का स्वागत किया। आमंत्रित अतिथि शंभु नाथ शुक्ला ने प्राचीन सांस्कृतिक मूल्यों की वर्तमान प्रासंगिकता विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि आज लोग किताबों से दूर और मिथ्य तथ्यों से भरे इंटरनेट मीडिया से जुड़ते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप समाज में पारिवारिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है। प्रो. एसके तोमर ने अपने संबोधन में एफएलसीसी की इस तरह के आयोजन के लिए सराहना करते हुए कहा कि इसके माध्यम से एक आदर्श समाज स्थापित करने में सहयोग मिलेगा। इस मौके पर अभिषेक देशवाल द्वारा निर्देशित, देश भक्ति से भरपूर लाइट और साउंड नाटक आजादी का अमृत महोत्सव को समर्पित मैं हूं भारत का सफल और प्रभावी मंचन हुआ।

पंचायत व ग्रामसभा सदस्यों को अधिकार और कर्तव्य की जानकारी दी

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

हरियाणा ग्राम विकास संस्थान नीलोखेड़ी व राज्य पंचायत संस्थान केंद्र नीलोखेड़ी की ओर से ग्राम पंचायत विकास योजना पर चल रहे दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्राम पंचायत गदपुरी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता गांव के सरपंच नीरज ने की।

गदपुरी पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में ग्राम सभा के सदस्यों व विभिन्न गांव के जनप्रतिनिधियों ने गांव के विकास योजना पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। संस्थान से एसपीआरसी प्लानिंग एक्सपर्ट नीलम चिकारा, असिस्टेंट प्रोफेसर कमलदीप सांगवान, एसीईओ युधिष्ठिर, जिला परिषद डीपीएम भारती वशिष्ठ, पीओ पंचायती राज शिव शंकर, प्रशिक्षक संदीप कुमार व नियाज मोहम्मद ने सतत विकास के संकल्प गरीबी मुक्त बेहतर आजीविका वाली ग्राम पंचायत, स्वस्थ बाल हितैषी पंचायत, पर्याप्त जल युक्त पंचायत, स्वच्छ और हरित पंचायत, आत्मनिर्भर और बुनियादी संरचना वाली पंचायत, सामाजिक रूप से संरक्षित पंचायत, सुशासित पंचायत पर विस्तार से जानकारी दी।

इसके साथ ही केंद्र व राज्य सरकार के वित्त आयोग की बारीकियों पर विस्तार से चर्चा की गई। पंचायत सदस्यों व ग्रामसभा सदस्यों को उनके अधिकार और कर्तव्य के बारे में विस्तार से जानकारी देने के साथ-साथ ग्रामवासियों को ग्रामसभा में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

पेपर बेस नैनो सेंसर जांचेगा मिट्टी की आर्द्रता

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जमीन को उपजाऊ बनाने के लिए मिट्टी में कितनी आर्द्रता की जरूरत होती है, ताकि फसल को बेहतर हो सके। मिट्टी की आर्द्रता के कारण फसल को नुकसान से बचाया जा सकता है। आर्द्रता जांच कागज के एक टुकड़े (पेपर बेस नैनो सेंसर) के माध्यम से करने के लिए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. सोनिया बंसल ने अपनी टीम के साथ शोध करने में जुटी हैं। उनका दावा है कि शोध को एक वर्ष में पूरा कर लिया जाएगा। वहीं, वायुमंडल में आर्द्रता की जांच का शोध पूरा कर लिया गया है।

पेपर बेस नैनो सेंसर तैयार किया जा रहा है। पेपर के ऊपर एक विशेष प्रकार का खाका तैयार किया जा रहा है। इस पर इलेक्ट्रोड, जिंक, सिल्वर सहित कई अन्य रासायनिक पदार्थ का प्रयोग किया जा रहा है। उसे सॉफ्टवेयर के माध्यम से कंप्यूटर में अपलोड कर दिया जाता है। उसे कंप्यूटर प्रिंटर के माध्यम से प्रिंट लेकर आर्द्रता की जांच की जा सकती है। एक विशेष प्रकार का पेपर का प्रयोग किया जा रहा है, जिसकी लागत 50 पैसे से भी कम आती है। मिट्टी में रखने के बाद जल्दी गलता नहीं है। डॉ. सोनिया का कहना है कि जांच के दौरान कई चीजों को ध्यान में रखने की जरूरत होती है।

मिट्टी की गुणवत्ता को तय समय में मापा जा सकता है। इसके माध्यम से मिट्टी की आर्द्रता जांच कर यह बताया जा सकता है कि किसी भी जमीन को उपजाऊ बनाने के लिए कितनी पानी की जरूरत है। आर्द्रता के कारण अक्सर फसल खराब हो जाती है, इसे तैयार होने के बाद फसल को खराब होने से बचाया जा सकता है। हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की ओर से शोध की स्वीकृति दी गई है। हवा, पानी और मिट्टी की आर्द्रता को चार वर्ष में शोध कर रिपोर्ट तैयार करना है। डॉ. सोनिया ने बताया कि हवा व पानी की आर्द्रता की जांच पूरी हो चुकी है। मिट्टी की आर्द्रता को जांच करने के लिए शोध जारी है। उसे एक वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

जनता के उत्थान के लिए क्रियान्वित कीं अनेक कल्याणकारी योजनाएं : प्रवीण डागर

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

विधायक हथीन प्रवीण डागर ने कहा कि भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने के लिए हर नागरिक की भागीदारी बहुत ही जरूरी है। हमें देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करना होगा। नागरिक होने के नाते देश की एकता को सुदृढ़ करना और रक्षा करने वालों का सम्मान करना हम सबका फर्ज है।

विधायक प्रवीण डागर शनिवार को गांव दहलाका में विकसित भारत संकल्प यात्रा के पहुंचने पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के माध्यम से युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार व अन्य स्कीमों की जानकारी दी जा रही है। केंद्र व प्रदेश सरकार ने पिछले नौ वर्षों के दौरान जनता के उत्थान के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को क्रियान्वित किया है। आज देश का हर परिवार व नागरिक इन योजनाओं का लाभ उठा रहा है। इसी कड़ी में गांव पारौली में विकसित भारत संकल्प यात्रा के

दौरान उज्जवला योजना की दो पात्र महिलाओं को गैस चूल्हे वितरित किए गए।

विधायक प्रवीण डागर ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रव्यापी आउटरीच पहल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समावेशी विकास की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के उत्थान और अंत्योदय को हासिल करने के लिए कई अनूठी योजनाएं शुरु की हैं और ऐतिहासिक निर्णय लिए है। इस संकल्प यात्रा में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों तथा योजनाओं के लाभार्थियों के विचारों को सभी के साथ सांझा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को भी स्क्रीन पर प्रदर्शित किया जा रहा है। इस अवसर पर कृषि विभाग की तरफ से दीदी ड्रोन की प्रदर्शनी भी की गई, जिसका विधायक प्रवीण डागर ने अवलोकन किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतियोगिताओं के विजेता स्कूली बच्चों और उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को पुरस्कृत किया गया।

दहलाका व पारौली में विकसित भारत सकल्प यात्रा के पहुंचने पर ग्रामीणों ने किया स्वागत

विधायक ने गांव में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत लगाए गए विभिन्न विभागों की स्टालों का अवलोकन किया और मौजूद लोगों को हमारा संकल्प विकसित भारत की शपथ भी दिलाई। विधायक ने इस मौके पर लोगों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही अधिकारियों को निर्देशित कर उनका निपटान भी किया। ग्रामीणों ने विधायक प्रवीण डागर व अन्य गणमान्य अतिथियों का फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर बीडीपीओ नरेश कुमार, उप सिविल सर्जन डॉ. रामेश्वरी, दहलाका गांव के सरपंच रंजीत सिंह, पारौली गांव के सरपंच सतीश, किन्नी, दलीप, मनोज, हुकम सिंह, इब्राहिम, कमाल, सुखराम सहित महिलाएं व ग्रामीण मौजूद रहे।

गांवों के श्मशान घाटों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

शिवधाम योजना के तहत पृथला ब्लॉक के 37 गांवों के श्मशान घाटों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इस योजना पर करोड़ों की लागत आएगी। योजना पर अमल के बाद लोगों को सभी श्मशान घाटों में सभी सुविधाएं मौके पर ही उपलब्ध होंगी। योजना पर पृथला ब्लॉक के श्मशान घाटों के नवीनिकरण पर लगभग चार करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे।

ब्लॉक में पड़ने वाले गांवों के श्मशान घाटों तक रास्तों को ब्लॉक टाइल्स से पक्का किया जाएगा। इसके अलावा सभी श्मशान घाट व कब्रिस्तानों की चारदीवारी की जाएगी। श्मशान घाटों में पानी के प्रबंध के लिए हैडपंप और सबमरसिबल पंप लगाए जाएंगे, टीन शेड्स भी डलवाई जाएंगी। जिससे बरसात के समय लोगों को कठिनाई नहीं हो। इसके अलावा श्मशान घाटों में लोगों के बैठने के लिए कुर्सियां आदि भी डलवाई जाएंगी। श्मशान घाटों में पौधारोपण भी करवाया जाएगा। जिससे वहां पर वातावरण साफ-सुधरा व स्वच्छ रहेगा। शिव धाम योजना को मार्च 2024 तक पूरा कर लिया जाएगा। इस योजना के पूरा होने से श्मशान पर आने-जाने में लोगों को कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। अब तक श्मशानों के लिए कई जगह पक्के रास्ते नहीं होने से कई बार लोगों के पैरों में कांटे आदि चुभ जाते थे। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

इन गांवों को मिलेगा फायदा : इस योजना से पृथला ब्लॉक के पृथला, अलावलपुर, बघौला, मीरापुर, ततारपुर, सोफ्ता, सिंकदरपुर, सहराला, पातली खुर्द, नंगला भीकू, मीरापुर, मंदपुरी, जटौला, मांदकौल, कुरारा साहपुर, घाघोट, कलवाका, ककड़ीपुर, गोपीखेड़ा, गदपुरी, खजूरका, कटेसरा, जनौली, डूंडसा, दूधौला, बढ़राम, असावटी, जलाहका आदि गांवों में निर्माण अमरपुर, गदपुरी, सिंकदरपुर, कार्य होंगे।

पृथला ब्लॉक के गांवों के श्मशान घाटों में सरकार की तरफ से मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इससे ग्रामीण श्मशान आराम से आ जा सकेंगे।

-ओमबीर, ग्रामीण

पृथला ब्लॉक के सभी गांवों के शमशानों के लिए रास्तों को पक्का, चारदिवारी आदि करवाई जाएगी। जिससे ग्रामीणों को सुविधा रह सके।

-दीलबीर सिंह, ग्रामीण

शिवधाम योजना के तहत पृथला ब्लॉक के सभी 37 गांवों में श्मशान घाटों से लोगों के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।

-संजय कुमार, कनिष्ठ अभियंता, पंचायती राज, पृथला ब्लॉक

नाले का कार्य पूरा, सीवर ओवरफ्लो की समस्या से मिलेगी निजात

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शहर के मोहना रोड से गुजरने वाला प्रमुख नाले का कार्य पूरा हो गया है। इस नाले का कार्य पूरा होने से लोगों को अब सीवर ओवरफ्लो की समस्या से जूझना नहीं पड़ेगा। वहीं नाले के निर्माण के दौरान तोड़ी गई पुलिया व रास्ते के रैंप का कार्य भी शुरू कर दिया गया है।

शहर के कल्पना चावला सिटी पार्क से लेकर बाईपास तक करीब 3.1 किलोमीटर लंबे नाले का जीर्णोद्धार का काम वर्ष 2019 में शुरू हुआ था। जिसको दो साल में पूरा करना था, लेकिन निर्माण कार्य साल 2023 में पूरा हो गया है। नाले के निर्माण कार्य पर 10.13 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

कार्य के दौरान जगह जगह बनी हुई पुलिया के रैंप को तोड़ दिया गया। जिससे लोगों को नाले के दूसरी ओर जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। नाले की एक ओर मोहना रोड बनी हुई है। वहीं दूसरी ओर छोटी बड़ी दुकानें बनी हुई है। इसके अलावा कुछ जगहों पर कॉलोनी व सेक्टर में जाने के रास्ते भी बने हुए हैं। दुकानें व सेक्टरों में जाने के लिए नाले के ऊपर पुलिया का निर्माण किया हुआ था। लेकिन नाले के निर्माण के दौरान सभी पुलिया को तोड़ दिया गया। जिसके बाद लोगों ने अपने स्तर पर अस्थाई पुलिया का बनाया। जिससे वाहनों व लोगों को गुजरने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

केबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने नगर निगम को आदेश दिए कि नाले के ऊपर जिस भी जगह पर पुलिया का निर्माण किया गया था, उसको तुरंत प्रभाव से दुरुस्त करके रैंप को बनाया जाए। शनिवार को मोहना रोड पर बने नाले की कई पुलिया के रैंप का कार्य शुरु कर दिया गया। जिससे अब लोगों को निकलने में किसी प्रकार से कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन नौ दिसंबर को

पलवल। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव कुनाल गर्ग ने बताया कि नौ दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन करके अधिक से अधिक केसों के निपटाने का पूरा प्रयास किया जाएगा। सीजेएम कुनाल गर्ग ने बताया कि पलवल, होडल व हथीन में आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में केसों के निपटान के लिए विभिन्न सात बैंचों का गठन किया गया है। बैंच में न्यायाधीश तथा सदस्य अधिवक्ता को शामिल किया गया है। अधिक से अधिक लंबित व प्री-लेटिगेटिव केसों को लोक अदालत में निपटाना लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य है। सीजेएम ने बताया कि नौ दिसंबर को पलवल, होडल व हथीन में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक संबंधी मामले, मनी रिकवरी केस, लेबर डिस्प्यूट, बिजली व पानी बिल के संबंधी मामले, आपराधिक, वैवाहिक तथा अन्य दावे संबंधी केसों का निपटान किया जाएगा।

बैंक अधिकारी बनकर कारोबारी के खाते से निकाले छह लाख

फरीदाबाद। बैंक अधिकारी बनकर कुछ ठगों ने एक कारोबारी से संपर्क किया और धोखे से बैंक के चेक ले गए। अगले दिन चेक के माध्यम से कारोबारी के खाते से करीब छह लाख रुपये निकाल लिए। सारन थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जवाहर कॉलोनी निवासी सतीश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका कारोबार है। पत्नी भी एक फर्म चलाती हैं। दिल्ली और फरीदाबाद के तीन अलग-अलग बैंकों में उनका खाता है। दिवाली के कुछ दिनों बाद उनके मोबाइल पर एक अंजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को एक बैंक अधिकारी बताते हुए बैंक खाते की लिमिट बढ़ाने का ऑफर दिया। आरोपी ने कहा कि लिमिट बढ़ने के बाद 18 से 20 लाख रुपये तक जमा-निकासी आसानी से कर सकते हैं। पीड़ित ठग के बिछाए जाल में फंस गया और लिमिट बढ़ाने के लिए हां कर दी। पीड़ित ने ठग के फोन पर बैंक की स्टेटमेंट व अन्य जानकारी भेज दी। आरोपी ने कहा कि इसके लिए सिक्योरिटी के नाम पर हस्ताक्षर किए तीन खाली चेक देने होंगे। मोहित खन्ना नाम का व्यक्ति उनके घर आया और चेक ले गया। आरोपी ने चेक के माध्यम से दो बैंक खाते से करीब छह लाख रुपये निकाल लिए। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

बातों में फंसाकर महिला से सोने की चूड़ी ठगी

फरीदाबाद। सोना पहनकर घूमने वालों की सरकार सर्वे करा रही है। यह कहकर ठगों ने एक महिला से सोने की चूड़ी उतरवा ली और बातों में उलझाकर फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। सेक्टर-31 निवासी प्रमिला कत्याल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 27 नवंबर को वह अपने घर के पास गेट नंबर चार के पास खड़ी थीं। इस दौरान बाइक पर सवार होकर दो युवक आए और कहा कि सरकार एक सर्वे करा रही है, जिसमें ये देखा जा रहा है कि कौन-कौन व्यक्ति सोने की जेवरात पहनकर सड़क पर चलते हैं। महिला को झांसे में लेकर आरोपियों ने उसके हाथ में पहनी सोने की चूड़ी उतरवा ली। आरोपियों ने चूड़ी एक कागज में लपेटकर वापस दे दी और ध्यान से रखने को कहा। कुछ समय बाद महिला ने कागज खोलकर देखा तो अंदर असली की जगह नकली सोने की चूड़ी थी। सेक्टर-31 थाना पुलिस ने मामला दर्जकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

आप नेता संतोष यादव ने पुलिस का आभार जताया

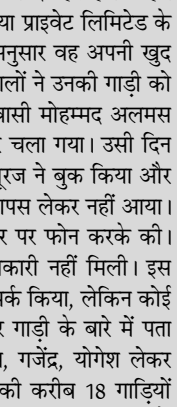

फरीदाबाद। आप नेता संतोष यादव ने कोतवाली थाने और उच्च पुलिस अधिकारियों का बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए आभार जताया और कहा कि वासी हो या प्रवासी सबकी मदद के लिए हमारी टीम तैयार है और क्षेत्र में गुंडागर्दी करने वालों से आर पार की लड़ाई है। इस मौके पर कमलकांत ने बताया कि जब जिम गया तो सुबह ही बदमाश जिम से उठाकर गाड़ी में ले गए और मारपीट कर सोने की चेन छीन ले गए तथा 15 लाख की फिरौती मांगी न देने की सूरत में परिवार को जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने मदद करने वाले सभी समाजसेवी और पुलिस का आभार जता अपील की कि जल्दी से जल्दी आरोपी को पकड़ा जाए। इन बदमाशों पर पहले से भी दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं और बदमाशी इनका पेशा बन गया है।

पलवल में मिला आठ वर्षीय बच्ची का शव

पलवल। चांदहट थाना क्षेत्र में रहीमपुर खादर गांव के निकट यमुना नदी में एक सात-आठ वर्षीय बच्ची का शव बरामद हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। वहीं, पुलिस बच्ची की शिनाख्त में जुट गई है। चांदहट थाना प्रभारी कैलाशचंद के अनुसार उन्हें सूचना मिली कि रहीमपुर गांव के निकट यमुना में एक बच्ची का शव पड़ा हुआ है। वह सूचना मिलते ही अपनी टीम को लेकर मौके पर पहुंचे तो वहां एक बच्ची यमुना में पड़ी हुई थी। बच्ची की उम्र करीब सात-आठ वर्ष है और बच्ची पूरी तरह से अपाहिज है। बच्ची को रस्सी द्वारा पत्थरों से बांधकर किसी ने यमुना में डाला हुआ था। पुलिस ने बच्ची के शव को यमुना से निकालकर जिला नागरिक अस्पताल भिजवा दिया, जहां पोस्टमार्टम के बाद पहचान के लिए रखवा दिया है।

फर्जी कागजात के आधार पर गाड़ी लेकर हुए फरार

फरीदाबाद। ऑनलाइन गाड़ी बुक करने के बाद मालिक को गाड़ी वापस नहीं करने का मामला सामने आया है। सभी आरोपियों ने योजना बनाकर धोखाधड़ी व फर्जी कागजात तैयार करके गाड़ी को लेकर फरार हो गए। थाना आदर्श नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हरि विहार निवासी रुपेश कुमार ने बताया कि उसने जूमकार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ ऑनलाइन एग्रीमेंट किया हुआ है। एग्रीमेंट के अनुसार वह अपनी खुद की गाड़ी को किराये पर देते हैं। पहली बार जूमकार वालों ने उनकी गाड़ी को 21 नवंबर की सुबह आठ बजे किराए पर जयपुर निवासी मोहम्मद अलमस को दी थी। वह गाड़ी शाम को छह बजे वापिस देकर चला गया। उसी दिन रात को दोबारा उनकी गाड़ी को नई दिल्ली निवासी सूरज ने बुक किया और लेकर चला गया। 24 नवंबर तक उनकी गाड़ी सूरज वापस लेकर नहीं आया। जिसकी शिकायत जूमकार के कस्टमर केयर के नम्बर पर फोन करके की। उसके बावजूद भी उनकी गाड़ी के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। इस समस्या को लेकर कई बार कंपनी से मेल के जरिए संपर्क किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। जिसके बाद उन्होंने अपने स्तर पर गाड़ी के बारे में पता किया, तो उनको पता चला कि गाड़ी अलमस, उदय, गजेंद्र, योगेश लेकर चले गए। आरोप है कि सभी आरोपियों ने जूमकार की करीब 18 गाड़ियों को इसी तरीके से चोरी करके ले गए। उन सभी गाड़ियों को चोरी करने के बाद जयपुर, अजमेर, जोधपुर फर्जी दस्तावेज को बनाकर बेच देते हैं।

अशोका एंक्लेव में लगाया चिकित्सा शिविर

फरीदाबाद। आरडब्ल्यूए अशोका एंक्लेव पार्ट-3 के सहयोग से अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान दिल्ली के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। समय सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक आरडब्ल्यूए अशोका एंक्लेव-3 के कार्यालय परिसर में सभी प्रकार की बीमारियों की निशुल्क जांच की गई और निशुल्क दवाएं वितरित की गईं। करीब 237 लोगों का पंजीकरण किया गया। जितेंद्र यादव और मुकेश मलिक अध्यक्ष आरडब्ल्यूए अशोका एंक्लेव पार्ट-3 ने डॉक्टर्स का स्वागत किया। इस अवसर पर रोहताश, मुकेश गुप्ता, एचके ठाकुर, कुलदीप खोसला, अश्वनी खोसला, श्रुति मलिक समन्वयक, एके पंडित भी इस मेगा आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित थे।

जलवायु परिवर्तन
कॉप 28

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आयोजित कॉप 28 ने विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों की सहायता का मार्ग खोला है। संयुक्त अरब अमीरात-यूएई के दुबई में दुनिया भर के नेता विश्व जलवायु कार्य सम्मेलन-कॉप 28 में भाग ले रहे हैं जिसकी शुरुआत 30 नवंबर से हुई थी। यह सम्मेलन राज्यों व सरकार प्रमुखों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। इसमें वे प्रमुख जलवायु संबंधी निर्णयों को स्पष्ट कार्रवाई व विश्वसनीय योजना में बदलने के संकेत देते हैं। शेख मुहम्मद बिन जायद अल नाहयान, संयुक्त राष्ट्रसंघ महासचिव एंटोनियो गुटरेस तथा राजा चार्ल्स-तृतीय ने उद्घाटन समारोह में अपनी बात रखी। 12 दिनों तक दुनिया भर के नेता जलवायु परिवर्तन की विभीषिका पर चर्चा करेंगे क्योंकि अब तक हुई प्रगति के साथ भावी चुनौतियों पर चर्चा करना महत्वपूर्ण है। कॉप 28 के प्रमुख नतीजे और जलवायु परिवर्तन के लिए उठाए जाने वाले कदम बहुत शानदार नहीं हैं, पर कुछ प्रगति जरूर हुई है। कॉप 28 के पहले दिन सभी पक्षों ने एकजुट होकर 'लॉस एंड डैमेज फंड' को सक्रिय बनाने तथा इसके लिए धन जुटाने पर सहमति जताई। अनेक देशों ने फंड में धन देने की घोषणा की और यह धनराशि लगभग 300 मिलियन डालर तक पहुंच गई। सम्मेलन में देशों ने पेरिस समझौते के लक्ष्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पुन: रेखांकित की। विभिन्न पक्षों ने ग्लोबल वार्मिंग को पूर्व-औद्योगिक काल से 2 डिग्री सेंटीग्रेड अधिक की सीमा में रखने तथा इसे 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड की सीमा में लाने की प्रतिबद्धता प्रकट की। यह प्रतिबद्धता जलवायु परिवर्तन के सर्वाधिक गंभीर प्रभावों से बचने के लिए जरूरी है।

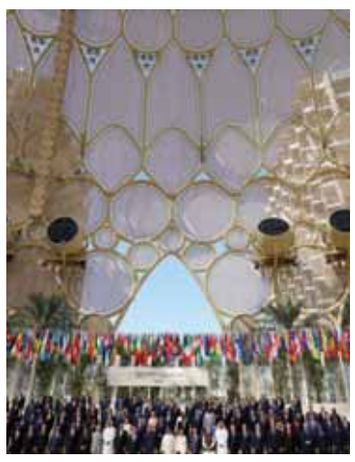

सौभाग्य से विकसित व विकासशील देशों ने जलवायु परिवर्तन पर नियंत्रण की आवश्यकता समझी है। सुनिश्चित फंडिंग के साथ अनेक योजनायें अब क्रियान्वित की जा सकती हैं जिनसे कार्बन उत्सर्जन घटाने में काफी सहायता मिलेगी। इनमें ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन घटाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य, नवीकरणीय ऊर्जा क्षमताओं में वृद्धि तथा टिकाऊ विकास को प्रोत्साहन शामिल हैं। इस सम्मेलन को 'जलवायु कार्रवाई' में फंडिंग के लिए याद किया जाएगा जिसे पहले ही दिन सुनिश्चित किया गया। विकसित देशों ने विकासशील देशों की ज्यादा वित्तीय सहायता का आश्वासन दिया ताकि वे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपट सकें और स्वयं को कम-कार्बन वाली अर्थव्यवस्थाओं में बदल सकें। वित्तीय प्रतिबद्धताओं का उद्देश्य विकसित और विकासशील देशों के बीच खाई कम कर साझा जिम्मेदारी स्वीकार करना है। सम्मेलन ने खोज तथा तकनीक हस्तांतरण पर जोर दिया है। चूंकि, कॉप 28 ने प्रकृति आधारित समाधानों के महत्व पर जोर दिया है, इसलिए इसमें वनों, आर्द्र भूमि तथा अन्य परिस्थितिकी तंत्रों की भूमिका पर ध्यान दिया गया जो जलवायु परिवर्तन के प्रति मजबूती पैदा कर सकते हैं। भूमि के टिकाऊ प्रयोग तथा संरक्षण व्यवहारों को प्रोत्साहित करने की पहलें शुरू की गई हैं। हालांकि, कॉप 28 ने थोड़ी प्रगति की है, पर इसके समक्ष चुनौतियां बनी हुई हैं। कॉप 28 को अपनी समाप्ति तक कुछ महत्वपूर्ण परिणाम अवश्य प्राप्त करने चाहिए। यह केवल पर्यावरण का मुद्दा न होकर अनेक विकासशील देशों के जीवन का सवाल भी है क्योंकि समुद्रों का जलस्तर बढ़ने या सूखे और बाढ़ के कारण उनकी कृषि व्यवस्था पूरी तरह नष्ट हो सकती है। जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए फौरन कार्रवाई करना जरूरी हो गया है, नहीं तो हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा।

म्यांमार में जन-विद्रोह की सफलता

म्यांमार में वर्तमान जन-विद्रोह की लगातार बढ़ती सफलता से एक बार फिर स्पष्ट हो गया है कि वहां सैनिक शासन अंतत: समाप्त होगा। भारत को ऐसे में चीन का प्रभाव सीमित करने के लिए विकल्पों पर विचार करना चाहिए।

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक, द पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

म्यांमार में सैनिक शासन के खिलाफ वर्तमान जन-विद्रोह लगातार तेज होता जा रहा है। प्रतिरोधी समूहों के गठबंधन की आक्रामक कार्रवाई 27 अक्टूबर को सवेरे शुरू हुई थी जिसने म्यांमार के सत्तारूढ़ सैनिक शासकों को गंभीर मुसीबत में डाल दिया है। सैनिक शासन के मीडिया मुखपत्र 'ग्लोबल न्यू लाइट आफ म्यांमार' में प्रकाशित रिपोर्टों से वहां की भयावह स्थितियों का पता चलता है। हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट में बताया गया है कि कार्यकारी राष्ट्रपति मिंट स्वे ने हाल ही में म्यांमार की रक्षा परिषद को बताया कि देश एक संकटपूर्ण स्थिति में है। यदि सेना प्रभावी रूप से विद्रोही समूहों के खिलफ कार्रवाई करने में विफल रहती है तो देश विभाजित हो सकता है। विद्रोह समूह लगातार हमले कर रहे हैं जो व्यापक जन-प्रतिरोध का हिस्सा है। यह आक्रामक कार्रवाई 'द थ्री ब्रदरहुड एलायंस' या संक्षेप में ब्रदरहुड एलायंस द्वारा शुरू की गई है। इसमें नस्ली राखीन सशस्त्र समूह, अराकान सेना-एए, तथा पालुंग की सशस्त्र शाखा नेशनल लिबरेशन आर्मी-टीएनएलए शामिल हैं। 'पालुंग' वास्तव में तांग नस्ली अल्पसंख्यक समूह का बर्मी नाम है। इसके साथ ही एलायंस में म्यांमार नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस आर्मी-एमएनडीएए भी शामिल है जो उत्तरी शान राज्य के कोकांग विशेष क्षेत्र में सक्रिय है।

ब्रदरहुड एलायंस की सेना ने विद्रोह में महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की हैं। उसने उत्तरी शान, काचिन और राखीन राज्यों में तथा सागैंग व मांडले क्षेत्रों के पहाड़ी क्षेत्रों में अनेक सैनिक अड्डों पर कब्जा कर लिया है। वेबसाइट 'द इरावडी' के अनुसार, सेना के खिलाफ अनेक विद्रोही समूह सक्रिय हैं। इनमें पीपुल्स डिफेंस फोर्स-पीडीएफ, विपक्षी नेशनल यूनिटी सरकार-एनयूजी की सैनिक शाखा, करेनी नेशनलिटीज़ डिफेंस फोर्स-केएनडीएफ तथा देश के एक सर्वाधिक शक्तिशाली हथियारबंद नस्ली संगठन द काचिन इंडिपेंडेंस आर्मी-केआईए शामिल है। केआईए ब्रदरहुड एलायंस की सशस्त्र सैनिक गतिविधियों का समन्वय करती है। ब्रदरहुड एलायंस ने सैनिक शासन के 224 अड्डों तथा उत्तरी शान राज्य में 7 कस्बों पर कब्जा कर लिया है। ब्रदरहुड एलायंस के कब्जे वाले क्षेत्रों में प्रमुख म्यांमार-चीन व्यापार मार्ग पर स्थिति कई रणनीतिक केन्द्र भी शामिल हैं। काचिन इंडिपेंडेंस आर्मी-केआईए तथा एलायंस के प्रतिरोधी बलों का अब चिन शिउ हा पर पूरा नियंत्रण है जो चीनी सीमा पर महत्वपूर्ण व्यापार केन्द्र है। इसके साथ ही एक अन्य रणनीतिक कस्ब सेनी पर उनका कब्जा है। इसके साथ ही शिउ हा व्यापार मार्गों के जुड़ने वाले स्थानों पर स्थित लाशियो-मूस व लाशियो चिन पर उनका कब्जा है।

इसके अलावा चीन सीमा पर मूस कस्बे में एक व्यापार गेट किन सान क्यात पर भी कब्जा करने में वे सफल हुए हैं। चिन नेशनल आर्मी तथा अन्य चिन प्रतिरोधी समूहों ने भारतीय सीमा पर स्थित फाला कस्बे में रेह खा डा पर कब्जा कर लिया है। सैगांग क्षेत्र में खंपात तथा चिन राज्य में रिखवादर और लाईडेनपी पर भी सैनिक शासक के विद्रोहियों ने कब्जा कर लिया है। सैनिक शासन के खिलाफ विद्रोहियों ने आपरेशन 1027 शुरू किया है। इस आपरेशन से समन्वय करते हुए करेनी सेना, करेनी नेशनल पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट-केएनपीएलएफ, केएनडीएफ व पीडीएफ ने संयुक्त रूप से एक और आक्रामक अभियान-आपरेशन 11 शुरू किया है। 11 नवंबर को सैनिक शासक के 20 से अधिक अड्डों पर कब्जा करने के बाद विद्रोहियों ने क्या राज्य की चौकियों, लोइका व डेमोसो कस्बों तथा दखिणी शान राज्य के निकटवर्ती पेकोन कस्बे पर भी कब्जा कर लिया है। उन्होंने लेशियो-चिन शा हा रोड पर स्थिति रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कुनलोंग कस्बे पर भी कब्जा कर लिया है। इसे कोकांग क्षेत्र का प्रवेशद्वार माना जाता है। प्रतिरोधी समूहों ने म्यांमार के अनेक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मार्गों पर आवागमन बंद करने में सफलता पाई है। इनमें शान राज्य से गुजरने वाले मांडले-लेशियो मूस व मांडले-लेशियो-चिन शा हा सड़कें शामिल हैं। सैनिक शासक के खिलाफ सक्रिय विद्रोही समूहों का चीन की सीमा पर स्थिति अनेक व्यापार मार्गों पर भी कब्जा हो गया है।

म्यांमार की सेना को वैसे तो 'टटमाडा' कहा जाता था, पर अब इसे 'सिट-टैट' कहना ज्यादा उचित होगा क्योंकि यह विद्रोहियों का वर्तमान सैनिक अभियान शुरू होने के बाद से लगातार रक्षात्मक रूप से पीछे हट रही है। म्यांमार की जनता तथा सशस्त्र बलों के शक्तिशाली विद्रोह के कारण सरकारी सेना में सैनिक हतोत्साहित हैं और उनमें से काफी लगातार सेना छोड़ कर भाग रहे हैं। 4 मई, 2023 को ये मायो हेन ने कहा कि 'वर्तमान समय में सेना में लगभग 150,000 कर्मचारी हैं जिनमें से लगभग 70,000 युद्ध में भाग लेने वाले सैनिक हैं। सेना के कम से कम 21,000 सैनिक विभिन्न सैनिक कार्रवाइयों में हताहत हुए हैं, सेना छोड़ कर भाग गए हैं या विद्रोह शुरू होने के बाद विद्रोही सैनिक बलों के साथ शामिल हो गए हैं। इतने कम सैनिकों के कारण म्यांमार की सरकारी सेना या सिट-टैट बहुत मुश्किल से स्वयं को लड़ाकू बल बनाए रखने का प्रयास कर रही है। ऐसे में वह सरकार के रूप में पूर्णत: निष्प्रभावी हो गई है।'

इस रिपोर्ट को 'युनाइटेड स्टेट इंस्टीट्यूट फार पीस' ने महत्वपूर्ण स्थान दिया है। म्यांमार के सैनिक शासन की कतारों में भी मतभेद और असंतोष व्यापक रूप से फैल रहा है। इन मतभेदों के चलते अनेक तीन-सितारा जनरलों को हटा दिया गया है। सरकारी सेना में शामिल अनेक युवा सैनिक अधिकारी इस बात से बहुत अप्रसन्न व असंतुष्ट हैं कि लगभग पूरा देश उनके खिलाफ उठ खड़ा हुआ है। ये मायो हेन की रिपोर्ट व्यापक रूप से प्रसारित होने के बाद तथा खासकर वर्तमान विद्रोही आपरेशन तेज होने के पश्चात म्यांमार की सरकारी सेना में हताहतों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। खबरों के अनुसार, सैनिक शासकों की सेना के सैकड़ों सैनिक मारे जा चुके हैं। हालांकि, सैनिक शासक हताहत सैनिकों के बारे में विश्वसनीय आंकड़े नहीं देते हैं, लेकिन अनेक तथ्यों से इसका खुलासा होता है। 99वीं लाइट इन्फैंट्री डिवीजन के कमांडर कर्नल आंग क्या ल्विन मारे गए थे। इसी प्रकार 2021 में विद्रोह शुरू होने के फौरन बार फर्स्ट डिवीजनल कमांडर भी मारे गए थे। हाल ही में एक ड्रोन हमले में सिट-टैट के लाइलेनपी अड्डे पर मारे गए मेजर सो विन हित्के का मामला महत्वपूर्ण है जो सेकेन्ड-इन-कमांड थे। वर्तमान समय में सैनिक शासक के खिलाफ स्थितियां तेजी से बदल रही हैं।

हालांकि, उसके पास अनेक टैंक, बख्तरबंद गाड़ियां, तोपखाना और वायुसेना है, लेकिन नस्ली बलों के प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में टैंकों की तैनाती बहुत कठिन है। घने जंगलों वाले पहाड़ी क्षेत्रों, गहरे नालों और खड़ी ढलानों के कारण ये क्षेत्र छापामार युद्ध के लिए आदर्श हैं। यह भी स्पष्ट है कि भारी हथियारों और प्रशिक्षित तोपखाने के समर्थन के बावजूद हवाईहमलों और तोपखानों से युद्ध नहीं जीते जा सकते हैं। यदि ऐसा होता तो अमेरिका वियतनाम पर विजय प्राप्त कर लेता। म्यांमार में तेजी से बदलती स्थितियों से अब पूर्णत: स्पष्ट हो गया है कि सैनिक शासक का स्थान इतिहास के कूड़ेदान में है। भले ही यह फौरन संभव न हो, पर अनेक लोगों की सोच से बहुत जल्दी होगा। ऐसे में भारत को अपने विकल्पों पर विचार करना चाहिए।

बीजिंग का नस्ली लड़ाकुओं से निकट संबंध है और कुछ लोगों को संदेह है कि चीन ही म्यांमार में सैनिक शासन के खिलाफ विद्रोह को हवा दे रहा है। ऐसे में म्यांमार में चीन का प्रभाव सीमित करना होगा। पूर्वोत्तर में भारत की सुरक्षा चिन्तायें गंभीर हैं और प्रमुखत: इसी कारण उसने म्यांमार में सैनिक शासक के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखे थे। भारत की सीमा से सटे म्यांमार के अनेक क्षेत्रों में नस्ली विद्रोही समूह लगातार शक्तिशाली होते जा रहे हैं। इनके दबाव में भारत में म्यांमार के अनेक सरकारी सैनिकों के आने की खबरें भी प्रकाशित हुई हैं जिनको वापस भेज दिया गया था। ऐसे में भारत को एनयूजी के साथ निकट सहयोग करने तथा नस्ली बलों से संबंध बनाने के प्रयास करने चाहिए।

आवारा कुत्तों के लिए 'आपरेशन फिरकी'

सरकार को कुत्तों की नसबंदी के लिए सस्ते, गैर-सर्जिकल विकल्प तलाशने के लिए अनुसंधान का समर्थन करना चाहिए

जगदीश कौर
(लेखिका, सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ हैं)

वर्ष 2021 की एक धुंध भरी सर्दियों की सुबह, मैं दक्षिण दिल्ली कॉलोनी में अपने आवास के फ्रंट-लेन पार्किंग क्षेत्र में एक हंगामे की ओर आकर्षित हुआ। रात में कहीं से एक मादा कुत्ता आ गया और उसने बच्चा पैदा कर दिया। आस-पास के लोग मां को खाना खिलाने और परिवार को कड़ाके की ठंड के मौसम में आराम पहुंचाने के लिए सभी साधनों के साथ दिखाई दिए।

माता ने समीपवर्ती क्षेत्र को ही अपना स्थायी निवास स्थान बना लिया। वह बहुत डरी हुई आवारा थी और खाने के पास भी तभी आती थी जब उसे पूरा यकीन हो जाता था कि आसपास कोई नहीं है। उसकी तेज चाल को देखते हुए मैंने उसका नाम फिरकी रखा और वह हर जगह इसी नाम से जानी जाती है। छह पिल्लों में से एक को तेज रफ्तार कार ने कुचल दिया और दूसरा बाइक से घायल हो गया। उचित समय पर, हमने पांच पिल्लों को गोद लेने की व्यवस्था की।

आगे प्रजनन रोकने के लिए फिरकी की नसबंदी कराने की कोशिशें शुरू हो गईं। उसके नाम के अनुरूप, उसे पकड़ना एक कठिन काम था। एमसीडी से बार-बार अनुरोध करने के बाद, वे चौथे प्रयास में उसे पकड़ने में सफल रहे। एक बड़ी राहत की सांस ली जो ज्यादा समय तक नहीं टिकी क्योंकि 3 दिनों के बाद उसे यह बहाना बनाकर वापस छोड़ दिया गया कि उसका रक्त परीक्षण असामान्य था। वह खोया हुआ अवसर था क्योंकि वह अभी भी स्वतंत्र है, दूसरे और तीसरे बच्चे में से तीन जीवित कुत्तों के साथ तीन और बच्चों को जन्म देने में कामयाब रही। हम कड़ी मेहनत से दूसरे कूड़े को नसबंदी के लिए उठाने में कामयाब रहे और कुछ महीनों के बाद पता चला कि उन्हें भी बिना किसी सर्जरी (अज्ञात कारणों से) के बिना वापस छोड़ दिया गया था।

फिरकी समय के साथ होशियार हो गई है, वह दिन में अपने परिवार के साथ बड़े नाले

में छिपती है और केवल सुबह और रात में भोजन के लिए बाहर आती है। अतिउत्साही निवासियों ने आस-पास के दर्जनों आवारा जानवरों के लिए कुत्तों को खाना खिलाने की व्यवस्था की है और यह भी सुनिश्चित किया है कि उन्हें अपने घरों से ही भोजन मिलता रहे। दक्षिणी दिल्ली एमसीडी कार्यालय में बार-बार कॉल और दौरे, पशुचिकित्सक से व्यक्तिगत अनुरोध, वरिष्ठ एमसीडी अधिकारियों को टैग करने वाले सोशल मीडिया पोस्ट और आरडब्ल्यूए को संदेश फिरकी को पकड़ने में सफल नहीं हुए। कई बार, जब हम फ़िरकी को घेरने और एमसीडी टीम को सूचित करने में कामयाब रहे, तो उनका दृष्टिकोण बहुत ही आकस्मिक और दयनीय था जिसके परिणामस्वरूप प्रयास विफल हो गए।

एक निजी पशुचिकित्सक की सलाह पर, मैं उसे बेहोश करने में कामयाब रहा लेकिन प्रयास फिर से विफल रहा। मेरी हताशा और लाचारी की कोई सीमा नहीं थी, यहां तक कि उसे पकड़ने के लिए 10,000 रुपये के इनाम की घोषणा भी कर दी गई। इसके बाद कुत्ते पकड़ने वालों, कॉलोनी के गार्डों, कचरा बीनने वालों, सफाईकर्मियों और कुछ गैर सरकारी संगठनों ने पकड़ने का प्रयास किया लेकिन फिरकी हर प्रयास से बच गया। हमने आस-पास के क्षेत्र में नर कुत्तों की भी नसबंदी करवाई, लेकिन वहां हमेशा कोई न कोई कुत्ता रहता था, जो संभोग करता था, जिसके परिणामस्वरूप एक नया कूड़ा पैदा होता था। तो, गली के आवारा कुत्तों से मुक्त हिस्से से, अब हमारे पास हर जगह सात कुत्ते हैं, जो रात भर वाहनों का पीछा करते हैं और भौंकते हैं।

भारत में स्थानिक रेबीज की उच्च घटनाओं में मानव बस्तियों के बीच बिना टीकाकरण वाले फ्री-रोमिंग कुत्तों (एफआरडी) या सड़क कुत्तों की उपस्थिति एक प्रमुख योगदानकर्ता है। सुबह की सैर करने वालों, साइकिल चालकों और दोपहिया सवारों का पीछा करने वाले आवारा कुत्तों के कारण अनगिनत मौकों पर निर्दोष व्यक्तियों को गंभीर चोटें आई हैं और उनकी मौत हुई है। भारत में राष्ट्रीय रेबीज़ नियंत्रण कार्यक्रम एक दशक से अधिक समय से कार्यान्वयनाधीन है। 2030 तक भारत से कुत्तों की मध्यस्थता से रेबीज उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना विभिन्न हितधारकों द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित की जा रही है। दुनिया भर में सफल रेबीज़ नियंत्रण कार्यक्रम लागू किए गए हैं, जो दर्शाता है कि उन्मूलन तकनीकी रूप से संभव है। पश्चिमी यूरोप, कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और कुछ लैटिन अमेरिकी देशों से कुत्ते-मध्यस्थ रेबीज़ को समाप्त कर दिया गया है। यहां तक कि उप-सहारा अफ्रीका और एशिया के क्षेत्रों जैसे कम आय वाले देश भी बड़े पैमाने पर कुत्ते टीकाकरण रणनीति द्वारा बोझ को काफी कम करने में सक्षम हैं। गैर-सर्जिकल तरीके अतीत में मौजूद रहे हैं, हालांकि, संबंधित हितधारकों के बीच इच्छाशक्ति और समन्वय की कमी, अनुसंधान की कमी, लागत-प्रभावशीलता और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार सहित अन्य कारणों से उन्हें व्यापक रूप से नहीं अपनाया गया है।

संबंधित भागीदार एजेंसियों के बीच स्वामित्व और बेहतर समन्वय सहित अधिक ठोस प्रयासों की आवश्यकता है। इसके अलावा, सरकार को कुत्ते की नसबंदी के लिए सस्ते, गैर-सर्जिकल विकल्प तलाशने के लिए अनुसंधान का समर्थन करना चाहिए। आरडब्ल्यूए को अधिक संवेदनशील होना चाहिए और आवारा कुत्तों की गिनती की निगरानी और एंटी-रेबीज टीकाकरण में मदद करनी चाहिए।

आप की बात

यूएनएलएफ से समझौता

मणिपुर राज्य में सक्रिय सबसे पुराने अलगाववादी संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट के भारत सरकार के साथ हुए समझौते से इस अलगाववादी संगठन के बहाने भारत को परेशान करने वाले चीन को एक बड़ा झटका माना जा रहा है। चीन के साथ करीबी संबंधों के कारण यूएनएलएफ का घोषित उद्देश्य मणिपुर को भारत से अलग करके उसमें म्यांमार के कबोब घाटी को शामिल करना था। यूएनएलएफ का पूर्वोत्तर राज्यों के कई अलगाववादी संगठनों के साथ काफी करीबी संबंध रहा है। नक्सलियों को हथियार सप्लाई के भी इन संगठनों पर आरोप लगाते रहे हैं। यूएनएलएफ संगठन के जरिए भारत के अलगाववादी संगठनों को चीन की मदद पहुंचाने की बात भी हमेशा ही कही जाती रही है। इसी तरह एक अन्य अलगाववादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन आफ मणिपुर के जरिए भी चीन नक्सलियों को हथियार सप्लाई करता रहा है। यूएनएलएफ के साथ शांति समझौते के बाद अब पूरे पूर्वोत्तर भारत में स्थाई शांति स्थापित होने तथा अलगाववाद पूरी तरह समाप्त होने की उम्मीद है। इस समझौते से यहां स्थित अन्य उग्रवादी गुटों पर भी हिंसा का रास्ता छोड़ने का दबाव बनेगा। यह समझौता मणिपुर समेत पूरे भारत में शांति का आधार बनेगा।

– **एमएम राजावत,** शाजापुर

भारत की आर्थिक प्रगति

जब रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-हमास युद्ध के चलते दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं डगमगा रही है, ऐसे में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7 प्रतिशत से ऊपर होना हर्ष की बात है। यह रेटिंग एजेंसी क्रिसिल व स्वयं रिजर्व बैंक के अनुमानों से अधिक है। भारत में जीएसटी से कर संग्रह भी रिकार्ड स्तर पर बना हुआ है। इन आंकड़ों के साथ भारत दुनिया की सबसे तेज प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। इसके बावजूद आर्थिक असमानता बनी हुई है तथा अनेक आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार, निम्न मध्यम वर्ग को इस वृद्धि का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। खुशी की बात है कि मुफ्त राशन योजना आदि से सबसे गरीब वर्ग का तो ध्यान रखा जा रहा है। मगर उससे ठीक ऊपर वाले स्तर पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। निम्न मध्यम वर्ग के लिए भी राहतें देने वाली व्यवस्था होनी चाहिए। इसके साथ ही कम से कम नौकरीपेशा वर्ग अपनी टैक्स जिम्मेदारियां पूरी करता है। उम्मीद करनी चाहिए कि मोदी सरकार के अंतिम बजट में करदाताओं समेत निम्न मध्य वर्ग को देश की आर्थिक प्रगति के लाभ पहुचांने की दिशा में समुचित कदम जरूर उठाए जाएंगे।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

स्वागत योग्य कदम

निसंदेह यह एक स्वागत योग्य कदम है की सरकार ने 81.35 करोड़ गरीब लोगों के लिए अगले 5 वर्षों के लिए हर महीने मुफ्त पांच किलो खाद्यान देने का निर्णय लिया है। यह भी प्रशंशनीय है कि वन कार्ड वन नेशन स्कीम के तहत गरीब जनता देश के किसी भी कोने से अपना राशन ले सकती है। यह स्थिति प्रवासी कामगारों के लिए बहुत अच्छी है। सरकार को इसके साथ ही देश के गरीब किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रेरित करना चाहिए ताकि दो हेक्टर से कम जमीन वाले 80 प्रतिशत किसान लाभान्वित हों। इसके अलावा देश के अधिकाधिक युवाओं को ऐसा कौशल प्रशिक्षण दिया जाए जिससे वह आत्मनिर्भर हो सके या उसे नौकरी मिल सके। मोदी सरकार ने अपनी सभी जन-कल्याणकारी योजनायें सभी लोगों तक पहुंचाने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। इसमें राजनेताओं व सरकारी तंत्र का व्यापकतम उपयोग करने का इरादा है। देखना होगा कि यह विकसित भारत अभियान वास्तव में कितने लोगों तक केन्द्र व राज्यों की सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा पाता है।

– **बाल गोविंद,** नोएडा

वायु प्रदूषण का मुद्दा

सभी जानते हैं कि धर्म, जाति, दाल-रोटी से लेकर फ्री गैस, बिजली व मोबाइल से लेकर जनता को खुश करने के अनेक मुद्दे हाल ही में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावो के केंद्र में रहे। लेकिन जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा जिसके बिना जीवन असंभव है, यानी कि साफ हवा की चर्चा किसी भी राजनीतिक दल की रैली अथवा वक्तव्य में नहीं दिखी, जबकि सालों से समाचार पत्रों और समाचार चैनलों के माध्यम से प्रदूषण की खबरें चर्चा में बनी रहती है। प्रदूषण का स्तर खतरनाक रूप से बढ़ रहा है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष 21 लाख 80 हजार लोगो को वायु प्रदूषण के कारण अपना जीवन गंवाना पड़ता है। अगर हम आने वाली नस्लों को स्वस्थ और दीर्घजीवी देखना चाहते है तो वायु प्रदूषण के प्रति सर्वप्रथम प्रत्येक नागरिक को जागरूक होना होगा। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को न केवल पर्यावरण को चुनावी मुद्दा बनाना होगा, बल्कि सत्ता में आने के बाद पर्यावरण संरक्षण की दिशा में समुचित कार्रवाई भी सुनिश्चित करनी होगी।

– **सुनील,** मेरठ

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

अधिकार से अधिक कर्तव्य महत्वपूर्ण: मुख्यमंत्री

● सीएम योगी ने 242 सहायक बोरिंग टेक्नीशियन को दिया नियुक्ति पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नियुक्ति पत्र पाने वालों के लिए अवसर हैए लेकिन हमें जिम्मेदारियां भी समझनी होगी। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि अधिकार की बात हर कोई करता है, लेकिन कर्तव्य के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। अधिकार से अधिक कर्तव्य महत्वपूर्ण है, कर्तव्य का निर्वहन करेंगे तो अधिकार सुरक्षित हो जाएगा। जब समाज अधिकारों की बात करता है और कर्तव्यों की बात नहीं करता तो वह स्वयं को धोखा देता है। कर्तव्य किया तो बिना सिफारिश बिना भेदभाव आपका चयन हुआ। पारदर्शी प्रक्रिया के तहत राज्य में साढ़े छह वर्ष में छह लाख लोगों को नौकरी मिली। सीएम ने कहा कि हमारा परिश्रम ही सबसे बड़ा सर्टिफिकेट है। परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए आपको यूपी के सर्वांगीण विकास में योगदान देना चाहिए। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा आयोग द्वारा चयनित 242 सहायक बोरिंग टेक्नीशियन को रविवार को लोकभवन में नियुक्ति पत्र वितरण करते हुए कहीं। सीएम ने नवचयनितों को पीएम मोदी के पंच प्रण की भी याद दिलाई।

2017 के पहले यूपी में नौकरी नहीं थी और बाहर छंटनी होती थी

सीएम ने कहा कि बेहतर कानून व्यवस्था, केंद्र प्रदेश सरकार की योजनाओं व स्वत: रोजगार के जरिए करोड़ों लोगों को रोजगार से जोड़ने में सफलता पाई। हमारी मंशा है कि युवाओं के साथ भेदभाव न हो। जिन्हें विकास अच्छा नहीं लगताए वे हर मुद्दे का राजनीतिकरण करने का प्रयास करते हैं। ऐसे लोग नहीं चाहते कि विकास की प्रक्रिया में यूपी को आगे बढ़ा सकें। 2017 के पहले जिस राज्य को अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में होना चाहिए, वह पिछड़ता गया। उस समय देश में यूपी छठवें स्थान पर था। यूपी के नौजवान यहां नौकरी नहीं पाते थे और बाहर जाने पर यूपी का होने के कारण छंटनी हो जाती थी, लेकिन आज युवा व नागरिक सम्मानजनक व्यवहार पाते हैं। अब तो पारदर्शी तरीके से नौकरी, रोजगार व स्वरोजगार भी है।

विरासत में हमें समृद्ध जल संपदा मिली इसके संरक्षण का दायित्व हमारा

सीएम ने चयनित बोरिंग टेक्नीशियन से कहा कि सिर्फ ट्यूबवेल ऑन ऑफ करना ही हमारी जिम्मेदारी नहीं है। यहां पर्याप्त जल संसाधन है। हमारे पास भूजल और सरफेस वाटर भी है तो सदानीरा नदियां भी हैं। इसने यूपी की धरा को उर्वरा भूमि के रूप में स्थापित करने में मदद की है। यूपी में 70 फीसदी सिंचाई भूजल से होती है। शेष 30 फीसदी सिंचाई के लिए नहरें आदि बिछाई हैं। 80 फीसदी आबादी को भूगर्भीय जल से पेयजल की आपूर्ति करते हैं। यूपी औद्योगिकीकरण के नए युग में प्रवेश कर रहा है। उद्योगों में 85 फीसदी भूगर्भीय जल की आपूर्ति होती है। प्रकृति व परमात्मा ने हमें अमूल्य निधि दी है। विरासत में हमें समृद्ध जल संपदा मिलीए लेकिन इसके संरक्षण का दायित्व हमारा होना चाहिए। एक ओर पेयजलए सिंचाई व उद्योगों के लिए जलापूर्ति करनी है, लेकिन पानी के एक.एक बूंद का संरक्षण भी करना है। सीएम ने कहा कि जल के बिना जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। यूपी जैसे राज्य में वर्षा देर से आने पर भी हम खेतीबाड़ी कर लेते हैं। मॉनसून विलंब से आने पर भी धान की बिठौनी समय से प्रारंभ हो गई। अधिकांश क्षेत्रों में किसानों को संकट नहीं उठाना पड़ा। ट्यूबवेलए नहरों में पानीए बिजली आदि की सुविधा थीए लेकिन हर राज्य के पास ऐसा सौभाग्य नहीं है। आजादी के समय यूपी में छह करोड़ लोग रहते थेए लेकिन आज आबादी 25 करोड़ हो गई है। जल के संरक्षण की उचित व्यवस्था न होने से प्रदूषण की समस्या खड़ी हुई। उद्योगों की लंबी फेहरिस्त है। जल संरक्षण के लिए अमृत सरोवरए चेकडैम बनाने व अटल भूजल योजना के तहत अनेक कार्यक्रम भी हुए। सीएम ने आह्वान किया प्रदेश के अतिदोहित जनपदों व विकासखंडों को सामान्य के रूप में बदल सकें। क्रिटिकल को सेमीक्रिटिकलए डार्क को सामान्य जनपदों में लेकर आना है। इस अवसर पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद, मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र, नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव, सचिव डॉ. बलकार सिंह आदि मौजूद रहे।

सीएम के हाथों 10 नवचयनितों को मिले नियुक्ति पत्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 10 नवचयनितों मुकेश कुमार सिंह, अनिल कुमार, सनोज यादव, सौरभ कुमार वर्मा, दीक्षा गुप्ता, शुभम दीक्षित, प्रियंका सैनी, सचिन कुमार, विमल राजवंशी, मो इमरान को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। सीएम ने कहा कि 2022 में दूसरी बार डबल इंजन की सरकार आई तो भी युवाओं के लिए रोजगार की बहार लाई। उन्होंने बताया कि जेई ;सिंचाई व जलसंसाधनद्ध के 1438 अभ्यर्थीए उप्र लोकसेवा आयोग के द्वारा प्रवक्ता व सहायक अध्यापकों के 436 पद, 271 खंड विकास अधिकारीए 49 उपजिलाधिकारी, 110 नायब तहसीलदार, 31277 सहायक अध्यापक बेसिक शिक्षा, 160 डिप्टी कलेक्टर, बीएसए, प्रवक्ता, समीक्षा अधिकारी व गन्ना पर्यवेक्षक की नियुक्ति हुई। 267 नायब तहसीलदारए प्रवक्ता व सहायक अध्यापक की नियुक्ति प्रक्रिया को पूरा किया गया। 332 आबकारी सिपाहियों की नियुक्ति हुई। 1354 स्टाफ नर्स, 431 वरिष्ठ प्राविधिक सहायक कृषि सेवा, 9055 सब इंस्पेक्टर सिविल, पीएसी, प्लाटून कमांडर व अग्निशमन अधिकारी, 2021 के चयनित 496 पीसीएस अफसरों को नियुक्ति पत्र दिया गया। विभिन्न विभागों के नवचयनित 795 अधिकारी, 7182 एएनएमए 1148 उप व सहायक उपनिरीक्षकों की भर्ती हुई। सीएम ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिपए एशियन गेम्सद्ध में पदक लाने वाले खिलाड़ियों को भी नियुक्ति पत्र दिया गया। पहली बार यूपी पुलिस में 277 आरक्षियों व दूसरी बार में 333 खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र दिया गया। 510 समीक्षा अधिकारीए 400 समीक्षा अधिकारीए कार्यशाला अनुदेशक व कनिष्ठ सहायकए 1573 एएनएम स्वास्थ्य कार्यकत्री, 240 कनिष्ठ सहायक व 293 होम्योपैथिक फार्मासिस्ट की भर्ती प्रक्रिया को कुशलता पूर्वक संपन्न किया।

दिव्यांगो के लिए सरकार चला रही कई योजनाएं: भूपेन्द्र

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी दिव्यांग प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश की बैठक रविवार को प्रदेश कार्यालय लखनऊ में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी ओम प्रकाश श्रीवास्तव, मुख्य रूप से उपस्थित रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि नर सेवा नारायण सेवा के मूलमंत्र को सिद्धान्त बनाकर कार्य करते हुए भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश में कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा दिव्यांगो को लेकर चलायी जाने वाली प्रत्येक योजनाओं से ज्यादा से ज्यादा दिव्यांगो को लाभ मिले। इसके लिए योजना पूर्वक कार्य करना होगा। भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने कहा कि हर दिव्यांग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में आज स्वाभिमान के साथ समाज में सजग प्रहरी बनकर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा स्वामी विवेकानन्द ने समाज का आवाहन करते हुए कहा था कि मेरे जैसा 10 लोग मिल जाये राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचा सकते है। प्रदेश भर में सरकारी योजनाओं का लाभ दिव्यांगो को दिलाने के लिए सभी को प्रयास करने चाहिए। प्रदेश संयोजक डा. उत्तम ओझा ने कहा कि संगठनात्मक दृष्टि से सभी 6 क्षेत्रों की बैठक दिसम्बर माह में शीघ्र सम्पन्न होगी। प्रदेश की बैठक का संचालन भाजपा प्रदेश संयोजक डा. उत्तम ओझा ने किया। भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ की प्रदेशीय बैठक में भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक अभिषेक त्रिवेदी, हीरालाल सरोज, अवनीश प्रजापति, डा. अनुपम जैन, डा. राजेश सिंह, मुकेश मिश्रा, डा. सीमा यादव, अजय शर्मा, लवली मिश्रा सहित सभी 6 क्षेत्र कानपुर, काशी, अवध, गोरखपुर, पश्चिम तथा ब्रज आदि के जिलो के लोग मौजूद रहे।

● भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित

दिव्यांगजनों को जब भी अवसर मिला उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है: सीएम योगी

● दिव्यांगजनों की पेंशन को 300 से बढ़ाकर हमने 1000 रुपए किया: सीएम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दिव्यांगजनों को जब भी अवसर मिला उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। ऋषि अष्टावक्र, मध्यकालीन संत सुकरात, वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग और जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य इसके उदाहरण हैं। चीन में संपन्न हुए पैरा एशियाई खेलों को ही देखें तो हमारे पैरा खिलाड़ियों ने 111 मेडल जीते हैं। उन्होंने कहा कि सामान्य नागरिक तुलना में दिव्यांगजनों का प्रदर्शन हमेशा बेहतरीन रहता है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनियाभर के दिव्यांगजनों को सम्मान देने के लिए उन्हें विकलांग की जगह एक नया शब्द दिव्यांग दिया।

सीएम योगी ने रविवार को डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के अटल ऑडिटोरियम आयोजित विश्व दिव्यांग दिवस के कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2016 में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम देश में लागू किया था। उसी कड़ी में राज्य सरकार के द्वारा भी इस अधिनियम को पूर्ण रूप से अंगीकार किया गया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने दिव्यांगजन कल्याण से जुड़ी हुई योजनाओं की धनराशि में वृद्धि की है। पहले दिव्यांगजनों को 300 रुपए प्रतिमाह पेंशन की सुविधा मिलती है। वर्तमान में इसे बढ़ाकर हमने 1000 रुपए मासिक कर दिया है। आज प्रदेश के लगभग 10 लाख दिव्यांगजन इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि 2016-17 के बजट में प्रदेश के दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए मात्र 312 करोड़ रुपए का प्रावधान था। वर्तमान में हमारी सरकार ने इसे बढ़ाकर 1120 करोड़ रुपए कर दिया है। कुष्ठ रोग से जो ग्रसित दिव्यांगजनों को पहले ढाई हजार रुपए की पेंशन मिलती थी। इसे बढ़ाकर हमने तीन हजार रुपए कर दिया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022-23 में प्रदेश के अंदर कुल 305000 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपकरण वितरण की कार्रवाई को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया गया है। साथ ही प्रदेश की सभी 80 लोकसभा क्षेत्रों में 8000 मोटराइज्ड ट्राई साइकिल का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों की यात्रा के लिए राज्य सरकार प्रतिवर्ष 40 करोड रुपए परिवहन विभाग को दे रही है। साथ ही 4342 दिव्यांगजनों को शादी प्रोत्साहन की राशि उपलब्ध करवाई गई है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के अंदर दिव्यांगजनों की चिकित्सा अनुदान राशि को अब 10000 रुपए कर दिया गया है। हमारी सरकार कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी के तहत 6 लाख रुपए तक की धनराशि उपलब्ध करवा रही है। 2023-24 के बजट में इसके लिए 60 करोड़ 48 लाख रुपए आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मानसिक दिव्यांगजन के लिए पूरे प्रदेश में पहले मेरठए बरेली और गोरखपुर को मिलाकर कुल तीन राजकीय आश्रय गृह थे। वर्तमान में हमारी सरकार ने 6 नवीन केंद्रों की स्थापना की कार्रवाई को आगे बढ़ाया है। सीएम योगी ने कहा कि दिव्यांगजनों को उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा में अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए डॉक्टर शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के संचालन के साथ ही साथ प्रभु श्री राम की पावन तपो भूमि चित्रकूट में भी जगतगुरु दिव्यांग विश्वविद्यालय को राज्य विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दी जा चुकी है। उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य हैए जहां दिव्यांगजनों के लिए दो विश्वविद्यालय संचालित हैं।

राज्यस्तरीय पुरस्कार का किया वितरण

कार्यक्रम में सीएम योगी ने सामाजिक संस्थाओं एवं विशेष विद्यालयों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने दिव्यांगजन सशक्तीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं, नियोक्ताओं, सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारियों को राज्य स्तरीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया। इसके अलावा सीएम योगी ने कार्यक्रम में दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण भी वितरित किए। साथ ही उन्होंने विशेष विद्यालयों के मेधावी छात्र.छात्राओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण के राज्य मंत्रीए स्वतंत्र प्रभार नरेन्द्र कश्यपए मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रए प्रमुख सचिव दिव्यांगजन सशक्तीकरण सुभाष चंद्र शर्मा, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आर केपी सिंहए अध्यापकए छात्र छात्राएं और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद कांग्रेस मुख्यालय में पसरा सन्नाटा।

सपा ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती 'अधिवक्ता दिवस' के रूप में मनाई

लखनऊ। सपा मुख्यालय में रविवार को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती समाजवादी पार्टी द्वारा 'अधिवक्ता दिवस' के रूप में सादगी से मनाई गई। सपा के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल तथा समाजवादी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कन्हैया पाल, समाजवादी अधिवक्ता सभा के प्रदेश अध्यक्ष सिकन्दर यादव आदि ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। यह भी संकल्प लिया गया कि उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में संविधान को बचाने के लिए लोकतांत्रिक भूमिका का निष्ठापूर्वक पूरी ताकत से निर्वहन करेंगे।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के रूप में देश की आजादी के लिए गांधी के नेतृत्व में संघर्ष किया था। उन्होंने आजादी के बाद संविधान निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वे संविधान सभा के अध्यक्ष थे। वक्ताओं का कहना था कि लोकतंत्र में अराजकता को कोई स्थान नहीं है। 2024 के लोकसभा चुनाव में कानून का राज रहे यह देश की एकता के लिए आवश्यक है। जैसे आजादी के आंदोलन में अधिवक्ताओं की अग्रणी भूमिका थी वैसे ही स्वतंत्र भारत में सामाजिक न्याय, संविधान और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई में भी अधिवक्ताओं की भूमिका अहम होनी चाहिए। संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद, लोकतंत्र और पंथनिरपेक्षता के मूल्यों पर भाजपा सरकार द्वारा किये जा रहे कुठाराघात को रोकने का दायित्व निभाना है। संघर्ष में अधिवक्ताओं की भूमिका निर्णायक होती है। अधिवक्ताओं से समाज को भरोसा है कि वे कोर्ट के बाहर और कोर्ट में न्याय दिलाएंगे। सामाजिक और आर्थिक विषमता की के विरुद्ध वे भी संकल्पित है। अरविन्द कुमार सिंह पूर्व सांसद, प्रेम प्रकाश वर्मा, विकास यादव सहित अधिवक्ता उमेश प्रताप, संदीप कुमार, सिराज अहमद खां, विंध्यवासिनी कुमार, सर्वेश कुमार, नरेन्द्र कुमार वर्मा, मोनू सिंह यादव, केकेश्रीवास्तव, संतोष भारती, राम सेवक यादव दिलीप पाठक, सुरेश यादव आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

चुनाव परिणामों का कांग्रेस के कार्यक्रमों पर कोई असर नही: अजय राय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

चार राज्यों के विधान सभा परिणाम घोषित होने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने चारो राज्यों के जनादेश को स्वीकार करते हुए तेलंगाना की जनता को कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और कार्यप्रणाली को आगे बढ़ाने के लिए धन्यवाद दिया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इन राज्यों के परिणाम का उत्तर प्रदेश के कार्यकर्ताओं, नेताओं, नीतियों और कार्यक्रमों पर कोई असर नही पड़ेगा। इन परिणामों से यह स्पष्ट हो चुका है कि भाजपा को पूरे देश में अगर कोई पराजित कर सकता है तो वह कांग्रेस पार्टी ही है। तेलंगाना में जीत के साथ 3 अन्य राज्यों में औसतन 40 प्रतिशत से अधिक मत देकर जनता ने हमपर विश्वास जताया है। रविवार को जर्रार हुसैन प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रगतिशील समाजवादी पार्टी, आफताब आलम और मंसूर भाई के नेतृत्व में लगभग 200 नये लोगों ने कांग्रेस पार्टी के विचारों मे आस्था रखते हुए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता लिए। उन्होंने कहा कि 5 दिसम्बर को अपने नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों के साथ पूर्व निर्धारित बैठक को पूरे उत्साह और उर्जा के साथ करेंगे। हम 2024 के आम चुनावों में पूरी ताकत के साथ लड़ते हुएए भाजपा की तानाशाही सरकार को उखाड़ फेकेंगे।

भारतीय संस्कृति और परंपरा के पक्षधर थे भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद: सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारत रत्न और देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर याद किया। सीएम योगी ने उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए प्रदेशवासियों की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मेयर सुषमा खर्कवालए भाजपा नेता अविनाश त्रिवेदीए महेंद्र नाथ सिंह आदि मौजूद थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत रत्न डॉण् राजेंद्र प्रसाद महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। वह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में आजादी के आंदोलन में एक अनुयायी के रूप में शामिल हुए और पूरे आंदोलन को पग.पग पर अपना नेतृत्व प्रदान किया। वहीं स्वतंत्र भारत के लिए डॉण् राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में ही संविधान का निर्माण किया गया। वह देश की आजादी की लड़ाई के अग्रिम योद्धा के साथ स्वतंत्र भारत की व्यवस्था के भी सूत्रधार थे। उनके इन कार्यों के चलते वे आज भी स्मरणीय हैं। तत्कालीन सरकार के विरोध के बावजूद सोमनाथ मंदिर के पुनरोद्धार कार्यक्रम में भाग लिया। इतना ही नहीं प्रयागराज और कुंभ उनके हृदय में बसता था। वह भारतीय संस्कृति और परंपरा के प्रबल पक्षधर थे। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के मूल्यों और आदर्शों को अपने जीवन में अंगीकार करते हुए आजीवन उन संकल्पों के साथ आगे बढ़े।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जनता ने जताया विश्वास : स्वाती सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था। तमाम एक्जिटपोल और चुनाव पूर्व अनुमानों को झुठलाते हुए भाजपा ने यहां जीत दर्ज की है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लोगों के विश्वास को जताता है। ये बातें भाजपा नेता और पूर्व मंत्री स्वाती सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि भाजपा कभी चुनाव की दृष्टि से जनसेवा नहीं करती है। यह सतत हर वक्त जनता की सेवा में लगी रहती है। आज जनता भाजपा के सेवा भाव और राष्ट्र सेवा की भावना को समझ चुकी है। कांग्रेस और दूसरी पार्टियां सिर्फ चुनावी दृष्टि से जनता को छलने के लिए चुनाव में जाती हैं। अब जनता छलने वाली नहीं रह गयी है। स्वाती सिंह ने कहा कि कांग्रेस स्वहित के लिए देश को भी बेचने का काम कर सकती है। आतंकवादियों के साथ भी देने में उसको गुरेज नहीं होता। कांग्रेस से जुड़े अधिवक्ता आतंकवादियों को बचाने के लिए मुकदमा लड़ते हैं। इन सब बातों से जनता वाकिफ है। वह समझ चुकी है कि भाजपा ही देश की तरक्की के लिए काम कर सकती है। इस कारण जनता ने भाजपा का साथ दिया है।

तीन राज्यों में मिली जीत पर भाजपा मुख्यालय में मना जश्न

● ढोल नगाड़े की धुन पर झूमे कार्यकर्ता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली प्रचंड जीत से उत्साहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय पर जीत का जश्न मनाया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी व प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह की मौजूदगी में पार्टी कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी और जमकर आतिशबाजी कर ढोल-नगाडों की थाप पर गगन भेदी नारों के साथ जीत का जश्न मनाया। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला, अनूप गुप्ता, राम प्रताप सिंह, सुभाष यदुवंश, प्रदेश मंत्री अमित बाल्मीकि, मीना चौबे, शंकर लोधी, शिवभूषण सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, कार्यालय प्रभारी भारत दीक्षित, कार्यालय सहप्रभारी चौधरी लक्ष्मण सिंह, अतुल अवस्थी, महानगर अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में राजस्थानए मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक विजय को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी पर जनता की बढ़ी हुई विश्वसनीयता का परिणाम बताया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी की ऐतिहासिक विजय के लिए सभी कर्मठशील पार्टी पदाधिकारियों, ऊर्जावान कार्यकर्ताओं और देवतुल्य मतदाताओं का हार्दिक अभिनंदन और आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ की जनता का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रखर नेतृत्व पर अटूट विश्वास का प्रमाण है तथा भारतीय जनता पार्टी की जनसेवा और गरीब कल्याण की प्रभावशाली नीतियों पर जनता की मुहर है।

हरद्वाही पहुंचा पीएम की गारंटी वाला योजना रथ

● केंद्रीय मंत्री ने दिलाया विकसित भारत का संकल्प

लखीमपुर खीरी। रविवार को नोडल अधिकारी बीडीओ जयेश कुमार सिंह की अगुवाई में विकसित भारत संकल्प यात्रा तहसील व ब्लाक निघासन के ग्राम हरद्वाही पहुंची, जहां ग्रामवासियों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का जोरदार स्वागत किया। यात्रा के पहुंचने पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी ने एएसपी नेपाल सिंहए एसडीएम अश्वनी कुमार सिंह, सीओ राजेश कुमार, बीडीओ जयेश कुमार सिंह, भाजपा नेता कनक पाल सिंह राणा, ग्राम प्रधान सर्वेश वर्मा संग दीप जलाकर किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी ने कहा कि देश पीएम के नेतृत्व में 2047 तक विकसित भारत बनाने को लेकर चल पड़ा है। देश को आगे बढ़ाने का संकल्प ले। कामों को पूरी क्षमता और ईमानदारी से परिणाम देते हुए करें। इससे पूरी दुनिया में भारत की जय जयकार होगी। लोगों की जीवन जीने की सामान्य जरूरत को पूरा करने, उनके जीवन अच्छा और सुविधाजनक बनाने के लिए सरकार ने सभी जरूरी सहूलियतों को उपलब्ध कराया। आज लखीमपुर का एक भी ऐसा गांव नहीं जहां बिजली ना पहुंची हो। सारे गांव को पक्की सड़कों से जोड़ा गया। गांव के अंदर गलियों और नालियों का निर्माण होने के साथ.साथ जिले में 06 लाख से ज्यादा शौचालय बनाए गए। 2014 के बाद केंद्र में मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने से अबतक आने वाले परिवर्तन गिनाए। लोगों की ज़रूरतें पूरी हुई उनकी सुविधा बढ़ी है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा यह यात्रा आपके गांव में जानकारी देने के साथ.साथ जानकारी लेने भी आई हैं। पीएम का संकल्प है कि देश विकसित हो। यह लक्ष्य तब तक नहीं पूरा होगा। जब तक कि देश के हर नागरिक की सहभागिता नहीं होगी। जब हर व्यक्ति इससे जुड़ेगा और तय करेगा कि हमें अपने देश को विकसित बनाना है। यह यात्रा देश के हर गांव तक पहुंचेगी। ग्राम वासियों को इस यात्रा का न केवल स्वागत करना होगा बल्कि लाभ भी लेना होगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से हर व्यक्ति की ज़रूरतें पूरी होगी। इस अमृत काल में महिलाओं का सशक्तिकरण, युवाओं की उपयोगिता, जरूरतमंदों की ज़रूरतें पूरी करना, किसानों के जीवन में परिवर्तन लाना। इन लक्ष्यों के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। तभी देश दुनिया में प्रतिष्ठितए सम्मानितए विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा। कार्यक्रम के अंत में एसडीएम अश्वनी कुमार सिंह ने विकसित भारत संकल्प यात्रा की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता बताते हुए कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक लाभार्थी तक पहुंचे, जिसे साकार करने में यह यात्रा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री समेत ग्रामीणों का आभार ज्ञापित किया। इससे पहले केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को हित पत्र भी प्रदान किया।

विवाहिता को पेट्रोल डालकर जलाया इलाज के दौरान मौत

बरेली। शाहजहांपुर के थाना गढ़िया रंगीन गांव ठिरिया रतन निवासी सुरेश ने अपनी बेटी रेनू शर्मा की शादी 1 मई 2023 को जिला बदायूं के थाना दातागंज गांव गढ़ा निवासी नेमचंद के पुत्र विपिन के साथ शादी की थी पिता सुरेश का आरोप है शादी में स्प्लेंडर मोटरसाइकिल दी थी विपिन 2 महीने के बाद बुलेट मोटरसाइकिल की मांग करने लगा बुलेट बाइक मांग पूरी नहीं कर पाने के कारण रेनू शर्मा को प्रताड़ित करते थे 26 नवंबर को पति विपिन, ससुर, सास और जिठानी ने पेट्रोल डालकर रेनू शर्मा के आग लगा दी उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया शुक्रवार 1 दिसंबर को उसकी मौत हो गई। मृतका के पति विपिन का कहना है की रेनू शर्मा कुछ समय से मानसिक रोगी हो गई थी उन पर कुछ हवा का चक्कर था जिस कारण घर में कुछ दिन पहले भी साड़ियों में आग लगा दी थी विपिन ने रेनू शर्मा के मायके पिता सुरेश को इस बात की सूचना दी।

एक सीएचसी व तीन पीएचसी का सीएमओ ने किया औचक निरीक्षण

● लैब पर शाम 4 बजे तक सैंपल कलेक्शन के दिए निर्देश ● आयुष्मान मेले और मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले की जमीनी हकीकत जानने के लिए सीएमओ ने किया औचक निरीक्षण

लखीमपुर खीरी। सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता द्वारा रविवार को एक सीएचसी च व तीन पीएचसी का औचक निरीक्षण किया गया। लैब में शाम 4 बजे तक जांच करने के निर्देश दिए। वहीं स्टाफको कैंम्पस में रुकने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष्मान मेले और मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले के अंतर्गत यह औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के क्रम में सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने बताया कि रविवार को उन्होंने एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित तीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पीएचसी रंजीतगंज और पीएचसी सिसैय्या को दर्शाने वाले साइन बोर्ड को रोड पर लगाने के निर्देश दिए। स्टाफ को अपने तैनाती स्थल पर ही रहने के निर्देश दिए और उन्होंने इस दौरान चिकित्सा सेवाओं को और अधिक बेहतर करने के लिए स्टाफ को निर्देशित किया। सैंपल कलेक्शन के लिए शाम 4 बजे तक लैब खोलने के निर्देश दिए। सीएचसी अधीक्षक धौरहरा को सीएचसी के अंतर्गत आने वाली तीनों पीएचसी की हर महीने में विजिट करने के निर्देश दिए। साथ ही आयुष्मान गोल्डन कार्ड के वेरिफिक्रेशन और लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड जल्द से जल्द लक्ष्य के सापेक्ष बनाने के निर्देश दिए हैं। सीएचसी धौरहरा पर चल रहा आयुष्मान मेला निरीक्षण के दौरान सभी सेवाएं देता हुआ मिला, इसी तरह मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के अंतर्गत चल रहे हैं। वह अपनी सभी सेवाएं दे रहे हैं। मरीज को स्वास्थ्य विभाग और अधिक बेहतर सेवाएं देने का प्रयास शासन की मंशा के अनुरूप कर रहा है।

भाजपा की जीत पर जश्न पालिका अध्यक्ष ने बांटी मिठाई

गोलागोकर्णनाथ। सेमीफाइनल कहे जाने वाले चुनाव को हमने दो तिहाई बहुमत से विपक्ष को करारा जवाब दिया नपा अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू राजस्थान, मप्र व छत्तीसगढ़ चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। प्रधानमंत्री की गारंटी है एभरोसा है, विश्वास है और सबको साथ लेकर चलने के सिद्धांत ने भाजपा को यह जीत दिलाई है। इसकी खुशी में भाजपा गोला के कार्यकर्ताओं ने सदर चौराहे पर ऐतिहासिक जीत की खुशी में मिठाई खिलाकर एवं आतिशबाजी कर खुशी मनाई। चेयरमैन विजय शुक्ला रिंकू, जिला उपाध्यक्ष विनोद वर्मा, नगर अध्यक्ष शत्रोहन मिश्रा, युवा नेता धर्मेन्द्र गिरि मोंटी, मण्डल अध्यक्ष कुम्भी रविन्द्र कटियार, हरद्वार बाजपेयी, विधानसभा संयोजक अवधेश मिश्रा, नगर उपाध्यक्ष राजन साहनी, कमलेश पाण्डेय, नगर मंत्री धीरज बाजपेयी, नगर कोषाध्यक्ष विमलेश वर्मा, सरताज खान, अजीत पाण्डेय, कपिल भारती, किशन सोनी, विकास मिश्रा व कुनाल गिरि सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व राष्ट्रपति के जन्मदिन पर बार सभागार में मनाया अधिवक्ता दिवस

● 1992 के पांच अधिवक्ताओं को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित ● विशिष्ट अतिथि अशुमान मैसी ने बार को दी एक लाख की राशि ● अधिवक्ताओं के मान सम्मान पर कमी आच नहीं आने दूंगा लोकेंद्र प्रताप सिंह

मोहम्मदी खीरी। देश के प्रथम राष्ट्रपति बाबू राजेंद्र प्रसाद के जन्मदिन के अवसर पर बार एसो. के श्रीराम सभागार में अधिवक्ता सभा का आयोजन किया गया एजिसमें मुख्य अतिथित के रूप में दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री लोकेंद्र प्रताप सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में अंशुमान मैसी एतहसीलदार नीलम तिवारी, पुलिस उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह और प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता बार अध्यक्ष आलोक कुमार सिंह ने की एसभी ने पूर्व राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण किया। वही अधिवक्ताओं ने आए हुए मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियो को बैच लगाकर स्वागत किया एउसके उपरांत 1992 बैच के पांच अधिवक्ताओं को दर्जा राज्य मंत्री लोकेंद्र प्रताप सिंह और बार अध्यक्ष ने प्रशस्ति पत्र और शाल उढाकर सम्मानित किया।

सम्मानित किए गए अधिवक्ताओं में स्वदेश रस्तोगी, वीरेंद्र पाल सिंह, भूपेश श्रीवास्तव, अजय वर्मा और सुरेश चंद पांडे रहे, दर्जा राज्य मंत्री लोकेंद्र प्रताप सिंह ने इस कार्यक्रम की भूरिभूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि यह अधिवक्ता दिवस महत्वपूर्ण दिवसों में से एक है देश के स्वतंत्रता दिलाने में अधिवक्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान है, आज भी अधिवक्ता समाज को नया दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मैं विधायक बाद में हूं पहले मैं एक अधिवक्ता हूं आपके मान सम्मान में कभी कोई समझौता न किया है न भविष्य मे करूंगा, हमेशा आपके बीच मौजूद रहकर जनता की सेवा करता रहूंगा। वहीं बार अध्यक्ष आलोक कुमार सिंह व महामंत्री लालता प्रसाद ने आए हुए सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और आभार व्यक्त किया विशिष्ट अतिथि अंशुमान मैसी ने बार एसोसिएशन मोहम्मदी को। 1 लाख विकास कार्य के करने के लिए दिए, कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व अध्यक्ष प्रदुमन मिश्रा, आदित्य प्रकाश सिंह, वीरेंद्र नाथ गुप्ता, कैलाश चंद त्रिवेदी, मोहम्मद हसन नकवी, मोहम्मद हाशिम, प्रशांत मिश्रा, प्रदीप त्रिवेदी, कुलदीप सिंह, तौफीफ खा, ने भी संबोधित किया, कार्यक्रम में सभी अधिवक्ता मौजूद रहे, कार्यक्रम का संचालन रमाकांत द्विवेदी ने किया

क्विक न्यूज

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर पर्यावरण गतिविधि द्वारा किया गया पौधारोपण

बरेली। राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के उपलक्ष में पर्यावरण गतिविधि महानगर द्वारा पौधा रोपण किया गया पार्क में जिसमें फलदार वृक्ष लगाए गए जिसमें बेलपत्र, आंवला, अमरूद के पौधे लगाए गए फूलों के भी पौधे लगाए गए गुड़हल, कनेर, गुलाब आदि के पौधे बच्चों के द्वारा लगवाए गए और बच्चों को प्रदूषण नियंत्रण के विषय में समझाया गया आने वाले समय में प्रदूषण से रोकथाम के लिए बच्चों को भी प्रयास करने हैं इस दिशा में छोटे बच्चों के द्वारा पौधे लगवाए गए और उन्हें उन पौधों को देखभाल करने के लिए बताया गया आसपास के ही बच्चों और महिलाओं से उनको देखरेख करने व पानी देने के लिए आग्रह किया प्रदूषण नियंत्रण में पौधों का अधिक महत्व है यह हमें आक्सीजन प्रदान करते हैं ऑक्सीजन हमारे जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है यह कोरोना काल में सभी को समझ आ चुका है प्रदूषण नियंत्रण में प्लास्टिक की पॉलिथीन को बंद करके एक ईको फ्रेंडली सामान बनाने का आग्रह किया गया व ईकोब्रेक कैसे बनाई जाती है यह भी बताया गया सभी अपने घरों में यूज होने वाली प्लास्टिक की पॉलिथीन को एक बोतल में बंद करके एक ईकोब्रेक बनाएं ऐसा सभी से आग्रह किया गया गतिविधि में महानगर नारी शक्ति प्रमुख रचना सक्सेना ,रिचा शर्मा, नीतू गुप्ता , गुड़िया, सोना, सारांश देव,अंकित उपस्थित रहे।

चौकी इंचार्ज पर दुष्कर्म पीड़िता से अश्लील बातें करना का आरोप

बरेली। दुष्कर्म पीड़िता ने जगतपुर चौकी इंचार्ज पर अश्लील बातें करने का आरोप लगाया और मुकदमा वापस न लेने पर जेल भिजवाने की धमकी दी चौकी इंचार्ज ने आरोपो को झूठा बताया मामले की शिकायत एसएसपी ऑफिस में की गई। बारादरी क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाली दुष्कर्म पीड़िता ने एसएसपी कार्यालय में शिकायती पत्र देते हुए बताया कि 30 अक्टूबर को उसने जावेद के विरुद्ध दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था इसकी जांच जगतपुर चौकी पुलिस कर रही है इंचार्ज जगतपुर और एक सिपाही रोज रात को सात बजे उसको चौकी बुलाकर बिठा लेते है और तरह तरह की अश्लील बातें करते हैं जिससे वह मानिसक रूप से परेशान हो गई चुकी है उसने बताया कि पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद से आरोपी के घर दबिश नहीं दी जबकि उन्हें रोज पूछताछ के लिए बुलाकर अश्लील बातें की जाती है रोज चौकी पर बुलाने से मोहल्ले वाले उन्हें शक की नजर से देखने लगे है जब उन्होंने रोज रोज चौकी आने से इनकार कर दिया तो मुकदमे में समझौता न करने पर जेल भिजवाने की धमकी दी गई उन्होंने आरोपी को गिरफ्तार करने और पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करने की मांग की वही चौकी इंचार्ज बलवीर सिंह ने बताया कि दुष्कर्म पीड़िता नक्शा बनवाने में मदद नहीं कर रही है पूछताछ में ठीक जबाव भी नहीं दे पा रही है उन पर लगाए गए आरोप गलत है।

डीएफए बलिया ने जीता फुटबाल टूर्नामेंट

सिंगाही खीरी। सिंगाही की सरजमीं पर नौ दिन से खेले जा रहे महारानी सुरथ कुमारी स्टेट फुटबाल टूर्नामेंट के फाइनल पर डीएफए बलिया ने जीत कर टूर्नामेंट के कप पर कब्जा कर लिया। विजेता टीम को गृहराज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी ने विजेता टीम को 31 हजार रुपये की नगद राशि व ट्राफी वितरण किया वार्ड नं पांच के सभासद राहूल गुप्ता की तरफसे स्वर्गीय जगन्नाथ गुप्ता की स्मृति में एक ट्राफी विजेता टीम को दी गई। इसके अलावा चल वैजंती ट्राफी डॉ एमआर सेठी, प्रदीप पुरवारए राजेश गुप्ता के द्वारा निर्धारित दी गई। इस मौक पर सांसद पुत्र अभिमन्यु मिश्र, एसडीएम अश्विन कुमार, क्षेत्राधिकारी राकेश कुमार, चेयरमैन मोहम्मद कय्यूम, प्रदीप पुरवारए संजय जैनए डॉ रवि पंत, रमा शाहए प्रहलाद भार्गव, रमन जायसवाल, मुनीफ़शेख, सहित सभी सिंगाही के खेल मैदान के चारो पाटी पर एक पैर से खडे दर्शक लाखो की तादात में टूर्नामेंट का आनंद लिया ।

बाइक सवारों ने हादसे के बाद पुलिसकर्मी को पीटा

बरेली। हादसे के बाद बाइक सवार और उसके साथियों ने पुलिसकर्मी को पीट दिया घायल पुलिसकर्मी ने विरोध किया तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए पुलिस ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही शुरु कर दी। सीबीगंज थाना क्षेत्र के शिवनगर कॉलोनी में किराए पर रहने वाले पुलिसकर्मी चेतन शर्मा ने बताया कि वह पुलिस लाइन में तैनात है वह बुधवार को शिवनगर कॉलोनी से दवाई और खाना लेने के लिए सीबीगंज जा रहे थे खलीलपुर तिराहे के पास लापरवाही से चला रहे दो बाइक सवारों ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी जिससे वह गिर गए विरोध करने पर बाइक सवार और उसके स्कूटी सवार साथी ने गाली गलौच करते हुए बीच सड़क मारना पीटना करना शुरू कर दिया जिससे वह घायल हो गया भीड़ को देखकर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए चेतन शर्मा ने बताया कि वह आरोपियों को नहीं जानते।

28वां उत्तरायणी मेला 13,14 और 15 जनवरी को, 120 स्टाल हुए बुक

बरेली। उत्तरायणी जनकल्याण समिति पंजीकृत बरेली के मेला प्रबंधकारिणी एवम कार्यकारणी पदाधिकारियों की वैठक उत्तरायणी भवन सिविल लाइन्स में अध्यक्ष अमित पंत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। संचालन महामंत्री मनोज पांडेय द्वारा किया गया। इस बार भी उत्तरायणी मेला 13 , 14 और 15 जनवरी 2024 को बरेली क्लब मैदान मे देव भूमि उत्तराखंड की झलक दिखाने को तैयार है। जिसकी तैयारियां जोर शोर से शुरू हो चुकी है। महामंत्री मनोज पांडेय ने आज जनसम्पर्क के लिए टीमो का गठन कर दिया है।

टीमें अतिशीघ्र ही उत्तराखंड के दौरों पर जाएंगी। मेला प्रभारी भूपाल बिष्ट ने बताया कि इस बार अभी तक 130 स्टाल बुक हो चुके है। जो कि दूर दराज क्षेत्र से आ रहे हैं। सांस्कृतिक प्रभारी पुरन दानू ने बताया कि इस बार लोकल उभरते हुए कलाकारों को ज्यादा मौका दिया जाएगा। टीमो से संपर्क लगभग हो चुका है। स्मारिका प्रभारी चंदन नेगी ने बताया कि इस बार की स्मारिका कुछ अलग होगी। वो अपने कार्य मे जुट चुके हैं। कोषाध्यक्ष कमलेश बिष्ट ने आज रसीदों का वितरण किया। मीडिया प्रभारी रमेश शर्मा ने बताया कि इस बार सारे पेमेंट समिति बार कोड से मंगवा रही है। इस बार का 28 वा मेला दिव्य ओर भव्य होगा। जिसमें पूरा सहयोग मीडिया का भी होगा। इस बार पहली बार टेंडर प्रक्रिया अपनाई गई। जो सफल रही।अंत मे अध्यक्ष अमित पंत ने सभी जनो को सहयोग करने के लिए दिल की गहराइयो से धन्यबाद दिया और आज की सफल बैठक को समापन करने की घोषणा की। आज की बैठक को सफल बनाने मे वरिष्ठ सचिव विनोद जोशी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश पांडेय, रामेस्वर पांडेय, तारा जोशी आदि का विशेष सहयोग रहा।

पौधारोपण कर राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को याद किया

बरेली। अन्तर्राष्ट्रीय कायस्थ परिवार के तत्वावधान में भारत के प्रथम राष्ट्रपति एवं भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 139 वीं जयंती बरेली सिटी शमशान भूमि पर पौधारोपण एवं विचार गोष्ठी आयोजित कर मनाई गई। जिसकी अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य आर.के. सक्सेना ने की। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उपमेंद्र सक्सेना एडवोकेट रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. राजेंद्र प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण से किया गया गोष्ठी को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उपमेन्द्र सक्सेना एडवोकेट ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभी जाति-धर्मों का सम्मान करने वाले महान व्यक्ति थे। वह लगातार दो बार भारत के राष्ट्रपति रहे और महात्मा गांधी के साथ स्वतंत्रता आंदोलन में उन्होंने अहम भूमिका अदा की जिसके लिए उन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा। भारत के संविधान सभा के अध्यक्ष रहे । ऐसे महान व्यक्ति ने बरेली सिटी शमशान भूमि में चंदन का पेड़ लगाया था जो संरक्षण के अभाव में चोरी हो गया था उन्हीं से प्रेरणा लेकर विगत् वर्ष की भांति इस वर्ष भी उनकी जयंती पर हम बेल, नीम, आम, जामुन, नींबू आदि पौधे लगाकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें शत् शत् नमन करते हैं।

प्रदेश प्रवक्ता योगेश जौहरी ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी सादगी व योग्यता की मिसाल थे। देश के युवाओं को डॉ. राजेंद्र प्रसाद के आदर्शो को अपनाना चाहिए।कार्यक्रम अध्यक्ष आर.के. सक्सेना ने कहा कि हमारे कायस्थ कुल में जन्मे डॉ. राजेंद्र प्रसाद गौरवशाली कायस्थ थे उन्होंने पूरे कुल के साथ ही देश का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर प्रदेश सचिव अतुल सक्सेना, समीर बिसरिया एडवोकेट, योगेश जौहरी शंकर स्वरूप सक्सेना, संजय सक्सेना एवं अनुज सक्सेना आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन जगदीश निमिष ने किया।

मतदाता पुनरीक्षण के तहत बूथों पर तैनात रहे बीएलओ

● डीएम ने किया बूथों का निरीक्षण, युवाओं में दिखा उत्साह

संवाददाता। गुरसहायगंज (कन्नौज)

जीटी रोड स्थित प्राथमिक विद्यालय में निरीक्षण करते डीएम।

शासन के निर्देश पर लोकसभा चुनाव से पूर्व नगर के सभी बूथों पर मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत सूची में नए मतदाता जोड़ने एवं बोट बनवाने से वंचित मतदाताओं को सूची में शामिल करने के लिए फार्म भरवा कर बूथो पर तैनात बीएलओ के पास जमा करवाए गए। इस दौरान डीएम ने बूथों का औचक निरीक्षण कर मौजूद बीएलओ से सभी फार्म के बारे में पूछताछ की।

रविवार को नगर के जीटी रोड स्थित प्राथमिक विद्यालय में जिलाधिकारी सुभ्रांत कुमार शुक्ला नें पहुचकर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होनें मौजूद बीएओ से नये मतदाताओं सहित फार्म संख्या 6,7,8 की जानकारी ली। वहीं मोहल्ला गांधी नगर स्थित रैन बसेरा, मदन मोहन मालवीय इण्टर कॉलेज, नगर के तिर्वा रोड स्थित सरोजनी देवी बालिका इंटर कॉलेज, रामगंज स्थित गोमती देवी इंटर कॉलेज, गोपाल नगर स्थित जूनियर हाई स्कूल, सब्जी मंडी स्थित कन्या प्राथमिक विद्यालय सहित सभी बूथों पर नवीन मतदाता सहित मतदाता सूची से वंचित चल रहे लोगों ने मतदाता सूची में नाम सम्मिलित कराने के लिए बूथों पर बीएलओ को फार्म संख्या 6,7,8 भरकर जमा किए गए। इस दौरान युवा सपा नेता मकबूल अहमद नें कहा कि देश के सशक्त लोकतंत्र एवं स्वच्छ सरकार चुननें के लिये युवा अपना बोट अवश्य बनबायें।

साइकिल चला रही बच्ची को टैंकर ने कुचला

बरेली। साइकिल चला रही सात साल की बच्ची को बीएल एग्रो के तेज रफ्तार टैंकर ने कुचल दिया उसकी मौके पर ही मौत हो गई पुलिस ने मृतका के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर टैंकर और चालक को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।भुता थाना क्षेत्र के ग्राम शेखापुर निवासी अवनीश कुमार ने बताया कि वह 20 साल से सीबीगंज परसाखेड़ा के रोड नंबर तीन पर एक फैक्ट्री में चौकीदारी करते है और परिवार के साथ फैक्ट्री परिसर में बने आवास में रहते है उनकी सात साल की बेटी माही वर्कशाप के आगे साइकिल चला रही थी इसी दौरान अचानक रामपुर बरेली रोड की ओर से रोड नंबर तीन पर बीएल एग्रो के टैंकर का चालक तेजी और लापरवाही से चलाता हुआ आया और उनकी बेटी को कुचल दिया जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई और उसकी साइकिल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई दुर्घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई घटना की पुलिस ने टैंकर चालक को हिरासत और वाहन को कब्जे में लेकर बच्ची केशव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और कार्रवाई शुरू कर दी।

रेलवे लाइन पर मिला युवक का शव

बरेली। एक युवक का शव रेलवे लाइन पर पड़ा मिला शिनाख्त न होने पर पुलिस ने उसे अज्ञात में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया परिवार वालों ने पीएम हाउस पहुंच कर उसकी शिनाख्त कर ली, संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने की आशंका जताई। सीबीगंज थाना क्षेत्र के निवासी 25 वर्षीय मौसीन पुत्र मंजूर खां एक निजी अस्पताल में काम करता था गुरुवार रात को उसका शव महेशपुर गांव के पास रेलवे लाइन पर पड़ा मिला लोगों ने शव को देखा और पुलिस को सूचना दे दी, उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी तब पुलिस ने रात साढ़े नौ बजे शव को अज्ञात के रूप में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया उधर बेटा घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी रात भर तलाश करने के बाद जानकारी मिली कि एक युवक ट्रेन से कटकर मौत हो गई वह पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे जहां मंजूर खां ने शव की शिनाख्त कर ली घर वालों ने बताया कि अस्पताल दूसरी दिशा में है उन्हें नहीं पता कि बेटा वहां कैसे पहुंचा और कोई साथ या अकेला था।

भाजपा की प्रचण्ड जीत पर भाजपाइयों ने मनाया जश्न

● पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष ने मिष्ठान वितरित किया खुशी का इजहार

संवाददाता। गुरसहायगंज (कन्नौज)

भाजपा की जीत पर मिष्ठान वितरित करते राजीव ठाकुर।

छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत पर भाजपाइयों में हर्ष की लहर दौड़ गई। नगर के अलग-अलग स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी छुड़ाकर व मिष्ठान वितरित कर खुशी का इजहार किया।

बुधवार को जैसे ही देश के तीन राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में भाजपा के पक्ष में प्रचण्ड जनादेश आने पर नगर के मोहल्ला रामगंज स्थित पूर्व राज्य मंत्री अर्चना पांडेय के कार्यालय पर पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष राजीव ठाकुर ने सभासद निर्मल श्रीवास्तव सहित दर्जनों समर्थकों के साथ खुशी का इजहार करते हुए जमकर आतिशबाजी छुड़ाई और एक दूसरे को मिष्ठान खिलाकर जीत का जश्न मनाया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा की उपलब्धियां नीतियां व सिद्धांत जीत का आधार बने हैं। उधर नगर के रेलवे रोड पर चेयरमैन प्रतिनिधि मयंक गुप्ता, भाजपा पिछडा मोर्चा महामंत्री विनय वर्मा, संजीव गुप्ता उर्फसंजू, जीटी रोड पर भाजपा क्षेत्रीय मंत्री देवेंद्र देव ने समर्थकों के साथ आतिशबाजी छुड़ाकर मिष्ठान वितरित किया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर राहुल राठौर, रानू ठाकुर, आंचल गुप्ता, अमन कठेरिया, अजय दीक्षित, सुधांशु गुप्ता उर्फ मोनू, मनोज गुप्ता, सिवा गुप्ता आदि मौजूद रहे।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीतः पटेल

संवाददाता। चित्रकूट

●तीन राज्यों में भाजपा की प्रचंड जीत पर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान की विधानसभा में प्रचंड बहुमत के साथ हुई जीत पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। बांदा-चित्रकूट सांसद आर के सिंह पटेल ने पार्टी जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल को का मुंह मीठा करा भाजपा की ऐतिहासिक जीत की बधाई दी।

वहीं भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष विकास मिश्रा के नेतृत्व में मुख्यालय के धनुष चौराहा पर भाजपा की प्रचंड जीत का जश्न मनाया गया। भाजपा की जीत पर सांसद श्री पटेल ने कहा कि पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व एवं भाजपा सरकार की गरीब कल्याण की योजनाओं के दम पर तीन राज्यों में पार्टी की प्रंचड जीत हुई है। आगामी लोकसभा चुनाव में भी ऐतिहासिक जीत हासिल कर भाजपा पीएम मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र में सरकार बनायेगी।

इस मौके पर सांसद श्री पटेल ने कहा कि मध्य प्रदेश,राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को मिली प्रंचड जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व एवं बीजेपी की विचारधारा और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। उन्होने कहा कि मोदी सरकार की गरीब कल्याण को समर्पित योजनाओं ने जनता के जीवन में बदलाव लाया है। इसके अलावा वैश्विक परिदृश्य पर पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है। लोकसभा चुनाव-2024 के सेमीफाइनल माने जा रहे मध्य प्रदेश समेत पांच राज्यों के चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत से भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट में भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है।

तीन राज्यों में भाजपा की जीत पर पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

उरई, जालौन। हाल ही में देश के पांच राज्यों में हुये विधानसभा चुनावों में तीन महत्वपूर्ण प्रदेशों में भाजपा की प्रचंड जीत पर भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित ने समर्थकों के साथ पार्टी की जीत का जश्न मनाते हुये कहा कि निश्चित रूप से देश की जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों को स्वीकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भी भाजपा तीसरी बार केंद्र में सरकार बनायेगी। यह संकेत पांच राज्यों में हुये विधानसभा चुनाव में वहां की जनता ने दे दिया है। जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित के नेतृत्व में भाजपा कार्यालय उरई पर मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ तीनों प्रदेश में प्रचंड जीत का जश्न मनाया गया जिसमें भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर गोले दागकर अपनी खुशी का इजहार किया।

भाजपाईयों ने मनाया तीन राज्यों में मिली विजय का जश्न

फतेहपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल के नेतृत्व में राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में ऐतिहासिक जीत को लेकर विजय जश्न मनाया गया। पदाधिकारियों ने एक दूसरे को मिष्ठान खिलाकर विजयश्री का जश्न मनाया। पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ता ढोल ताशा के बीच गगनभेदी आतिशबाजी करवाते हुए जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं पार्टी की नीतियों समेत राष्ट्रीय अध्यक्ष को देते हुए 2024 के लोकसभा चुनाव हेतु शुभ संकेत बताया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

जगदगुरु रामभद्राचार्य ने वनवासी राम के मंदिर निर्माण को किया भूमि पूजन

संवाददाता। चित्रकूट

जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय चित्रकूट के सुरम्य परिसर में विश्वविद्यालय के जीवन पर्यंत कुलाधिपति जगद्गुरु रामभद्राचार्य द्वारा विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर वनवासी राम के मंदिर निर्माण हेतु भूमि पूजन किया। साथ में श्रीतुलसी पीठ के उत्तराधिकारी आचार्य रामचन्द्र दास, कुलपति, कुलसचिव, सहित सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रविवार को विश्वविद्यालय में आयोजित विश्व दिव्यांग दिवस समारोह के अवसर पर पद्म विभूषण से सम्मानित कुलाधिपति जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज, कुलाधिपति के निजी सचिव आर पी मिश्रा, युवराज आचार्य रामचन्द्र दास, कुलपति प्रो0 शिशिर कुमार पांडेय, कुलसचिव मधुरेंद पर्वत ने कार्यक्रम का मा सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण,व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर कुलपति प्रो शिशिर कुमार पांडेय ने मंचस्थ अतिथियों का स्वागत, अभिनंदन किया। इसके बाद सरस्वती वंदना संगीत विभाग की प्रभारी डॉ ज्योति ने किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कुलाधिपति जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि मै आप सभी दिव्यांग भाई, बहनों को विश्व दिव्यांग दिवस की हार्दिक बधाई शुभकामनाए प्रेषित करता हूं। मेरा यह विश्वविद्यालय अब राज्य सरकार के अधीन हो गया है लेकिन मेरा पुरा साधिकार जीवन पर्यन्त कुलाधिपति रहेगा।कार्यक्रम के दौरान पूर्व में आयोजित हुई प्रतियोगिताओ में प्रथम , द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र जीवन पर्यन्त कुलाधिपति राघवीयो जगद्गुरु स्वामी श्रीरामभद्राचार्य आरपी मिश्रा, निजी सचिव कुलाधिपति, कुलपति प्रो शिशिर पांडेय व कुलसचिव मधुरेंद पर्वत ने दिये।

डॉक्टरों ने 14 वर्षीय किशोर की सांस नली में फंसा कांटेदार फल निकाला

उरई, जालौन। एक 14 वर्षीय बच्चें की सांस की नली में कांटेदार फल फंस गया। उसे सांस लेने में काफी दिक्कत होने लगी। परिजन उसे लेकर शनिवार को रात में राजकीय मेडिकल उरई में पहुंचे। यहां डॉक्टरों की टीम ने उसकी सफल ऑपरेशन कर एक नई जिंदगी मिली। प्राचार्य डॉ आर के मौर्य के मार्गदर्शन में सुदृढ़ हुई इमरजेन्सी सुविधाओं के चलते जिले में पहली बार सांस की नली से फंसे काटेदार फल को ऑपरेशन के दौरान निकाला गया।

शनिवार को 2 दिसम्बर को 14 वर्षीय दीपू निवासी ग्राम शेखपुर जिला जालौन ने आवाज गायब होने व गले में भयानक दर्द होने के बाद मेडिकल कालेज में नाक, कान, गला विभाग डॉ नम्रता द्विवेदी को दिखाया था। दो दिन पूर्व बच्चे ने अकस्मात एक कांटेदार फल निगल लिया था। मरीज को तत्काल मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया व उसकी सभी जांचें की गयी। बच्चे के गले की दूरबीन द्वारा जांच की गयी। जिसमें वह फल सांस की नली में फंसा हुआ पाया गया। बताया कि ऑपरेशन करीब एक घंटा चला। बच्चे की सांस नली छोटी होने की वजह से कठिनाई थी, मगर आपरेशन सफल रहा।

बड़े धूमधाम से मनाया गया अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस

उरई, जालौन। जीआईसी ग्राउण्ड उरई में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस को बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी भीमजी उपाध्याय ने दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती पूजन के साथ किया गया। अतिथियों के स्वागत के लिये कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बंगरा की लो विजन दिव्यांग बच्चियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके उपरांत यूपीएस पीपरी के दिव्यांग छात्र श्याममोहन द्वारा लगन तुसे लगा बैठे जैसे मधुर भजन ने सबका मन मोह लिया। जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे द्वारा दृष्टि दिव्यांग सूरज कुमार को उनके मनमोहक प्रस्तुति से मन मुग्ध होकर पुरस्कृत करते हुए कहा कि दिव्यांग बच्चों की खेलकूंद प्रतियोगिताओं का आयोजन इसी प्रकार से समय-समय पर कराये जाने चाहिये ताकि दिव्यांग बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा को उभारने का मंच मिल सके।

मानव जीवन के लिये प्रेरणादायी हैं भगवान की लीलाएंः शिवम

संवाददाता। जालौन, उरई

भगवान की लीलाएं मानव जीवन के लिए प्रेरणादायक हैं। भगवान कृष्ण ने बचपन में अनेक लीलाएं की। बाल कृष्ण सभी का मन मोह लिया करते थे। यह बात कथा वाचक पंडित शिवम शास्त्री ने रूरा मल्लू में आयोजित नौ कुंडीय श्रीराम महायज्ञ व भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ में उपस्थित श्रोताओं के समक्ष कही।

क्षेत्रीय ग्राम रूरा मल्लू में आयोजित नौ कुंडीय श्रीराम महायज्ञ व श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथा की अमृत वर्षा करते हुए पंडित शिवम नगाइच ने कहा कि भगवान कृष्ण ने बचपन में अनेक लीलाएं की। बाल कृष्ण सभी का मन मोह लिया करते थे। नटखट स्वभाव के चलते यशोदा मां के पास उनकी हर रोज शिकायत आती थी। मां उन्हें कहती थी कि प्रतिदिन तुम माखन चुरा के खाया करते हो, तो वह तुरंत मुंह खोलकर मां को दिखा दिया करते थे कि मैंने माखन नहीं खाया। भगवान श्रीकृष्ण के विवाह प्रसंग को सुनाते हुए बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का प्रथम विवाह रुक्मिणी के साथ हुआ था। कृष्ण भगवान ने रुक्मिणी का हरण करके उनसे विवाह किया था।

उन्होंने कहा कि रुक्मिणी स्वयं साक्षात लक्ष्मी है और वह नारायण से दूर रह ही नहीं सकती। जब कोई लक्ष्मी नारायण को पूजता है या उनकी सेवा करता है तो उन्हें भगवान की कृपा स्वत: ही प्राप्त हो जाती है।

एसपी ने सड़कों पर पैदल मार्च कर की सुरक्षा पर चर्चा

जालौन, उरई। लोगों को सुरक्षा का अहसास दिलाने के लिए पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने नगर की सड़कों पर पैदल मार्च किया और लोगों से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूछताछ की। पुलिस अधीक्षक डॉ. ईराज राजा के नेतृत्व में कोतवाली व चौकी पुलिस ने नगर की सड़कों पर पैदल मार्च निकाला। नगर की सड़कों पर उतरी पुलिस को देखकर लोगों को पता चला कि पुलिस उनकी सुरक्षा के लिए सड़कों पर नजर आ रही है तो लोगों को सुरक्षा का अहसास हुआ।

क्विक न्यूज

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार मां-बेटे की मौत

फतेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के मवई गांव की मोड़ के समीप बीती रात तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार को टक्कर मार दिया। जिसमें बाइक पर सवार चालक की मां की मौके पर मौत हो गई। उपचार के लिए कानपुर ले जाते समय चालक बेटे की भी मौत हो गई। जिससे विवाह के घर में खुशियां एक पल में ही बर्बाद हो गई। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के बसोहनी गाँव निवासी राम औतार का 27 वर्षीय पुत्र महेंद्र पाल अपनी 50 वर्षीय मां निर्मला देवी को बाइक पर सवार शहर से वापस अपने घर जा रहा था। जब वह थाना क्षेत्र के मवई गांव की मोड़ पर पहुंचा तभी तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे मां निर्मला देवी की मौके पर मौत हो गई। वही बाइक चालक पुत्र महेंद्र पाल गम्भीर रूप से घायल हो गया। रास्ते में महेंद्र पाल की भी मौत हो गई।

पिकअप चालक को पीट दो लाख नकदी लूटी

खागा/फतेहपुर। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के पश्चिमी बाईपास संग्रामपुर सानी मोड़ पर साइड न देने का आरोप लगा कर चालक को ओवरटेक करते हुए हाईवे पर रोककर लोहे की राड़ से पीटा और दो लाख दस हजार नकदी लूटकर फरार हो गए। पिटाई में घायल पिकअप चालक रामभवन का आरोप है कि सुअर बिक्री का पैसा लूट लिया गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे हरदों सीएचसी भेजा जहां से जिला अस्पताल रफर किया गया। जानकारी के अनुसार शहर क्षेत्र के राधानगर में रहने वाला रामभवन पिकअप चालक है। शनिवार की सुबह वह सुअर लाद कर कौशांबी जिले के मंझनपुर करारी बाजार गया था। शाम चार बजे के लगभग वह वापस शहर जा रहा था। कटोघन टोल प्लाजा के पास साइड देने को लेकर उसका पीछे से आ रहे पिकअप चालक से बीच हाइवे पर गाड़ी सटाकर रोक लिया। गंभीर से घायल पीड़ित का कहना है कि उसने डायल 112 को फोन किया, लेकिन फोन रिसीव नहीं किया गया। उसने बताया कि टोल प्लाजा से निकलने के बाद संग्रामपुर सानी मोड़ में पिकअप से पीछा कर रहे तीन लुटेरों ने ओवरटेक करके उसके आगे गाड़ी खड़ी कर दिया और पीड़ित को पीटने लगे। पिटाई से घायल चालक रामभवन ने बताया कि पीछे से आए दूसरे पिकअप चालक ने लोहे की राड से उसके पैर में प्रहार कर दिया। घायल चालक रामभवन की मानें तो उसने घटना वाले दिन ही जब घटना में प्रयुक्त पिकअप का नंबर फोटो व उसके चालक का फोटो पुलिस को दे दिया था। इसके बाद पुलिस का गाड़ी और आरोपियों को न पकड़ना गंभीर सवाल खड़े करता है।

जयपुरिया स्कूल द्वारा आयोजित करियर काउंसेलिंग सत्र में विद्यार्थियों को दिया सफलता का मूल मंत्र

संवाददाता। फतेहपुर

मलवां स्थित सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल की ओर से शहर के पटेलनगर स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल प्रेक्षागृह में कैरियर काउंसलिंग सत्र का सफल आयोजन किया गया। जिसमें प्रसिद्ध संस्था सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार ने विद्यार्थियों को सफलता के मंत्र प्रदान किए।

कुमार ने विद्यार्थियों को सफलता के चार मंत्र बताये। जबरदस्त प्रयास, सकारात्मक सोंच, निरंतर मेहनत व अत्यधिक धैर्य। उन्होने कहा कि अपने अनुभव के आधार पर वह विश्वास के साथ कह सकते हैं कि यदि कोई इन सूत्रों का पालन करता है तो उसे अपना लक्ष्य हासिल करने से कोई नहीं रोक सकता। विद्यार्थियों से खचाखच भरे प्रेक्षागृह में उनके सवालों का जवाब देते हुए आनंद कुमार ने कहा कि हम केवल आपका मार्गदर्शन कर सकते हैं लेकिन कड़ी मेहनत करनी होगी। यदि विद्यार्थी में मेहनत व अपने लक्ष्य प्राप्त करने का जुनून है तो गरीबी और आर्थिक स्थिति उसकी सफलता की राह में रोड़ा नहीं बन सकती। मनोवैज्ञानिक दीपक भाटिया और तुषार आनंद गुप्त ने भी बच्चों को संबोधित करते हुए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जब तक आप चीजों के बारे में अलग तरह से नहीं सोचेंगे तब तक आप कुछ अलग नहीं कर पाएंगे। जिदंगी को बेहतर बनाने के लिए अपने दिमाग को रचरात्मक विचारों की खुराक देते रहें।

शिल्प महोत्सव का प्रबंधक ने किया उद्घाटन

फतेहपुर। शिल्प महोत्सव का समाजसेवी व मेला प्रबंधन श्रीवास्तव द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच उद्घाटन किया गया। इस दौरान मेला प्रबंधक अनुज श्रीवास्तव ने बताया कि फतेहपुर शिल्प महोत्सव में केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा लघु उद्योगों को बढ़ावा दिए जाने व लोकल फार वोकल नीति के तहत मेले का आयोजन किया जा रहा है। एक से बीस दिसंबर तक चलने वाले इस मेले में विभिन्न जनपदों के प्रतिष्ठित हस्त निर्मित कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जनपदों के उत्पाद लोगो लिये उपलब्ध होंगे।

आरवीएस के वार्षिक खेल दिवस में विद्यार्थी सम्मानित

फतेहपुर। शहर के बांदा सागर मार्ग स्थित आरवीएस इंटरनेशनल स्कूल में एनुवल स्पोर्ट्स डे में सम्पन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। प्रबंधन के सचिव भरत सिंह एवं निदेशक शत्रुघ्न सिंह ने प्रतियोगिता के समापन के उपरांत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त समस्त प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। छोटे बच्चों में लड़कों की टेडी रेस में अफान खान प्रथम, ऋषभ द्वितीय व कायरव शिवहरे तृतीय, बालिकाओं में वान्या वर्मा, उम्मे हरम व जैनब फातिमा ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के चेयरमैन बिंदा सिंह एवं एकेडेमिक डाइरेक्टर वीशा मोहिन्द्रा ने अपने प्रेषित संदेश में समस्त बच्चों को बधाई व आशीर्वाद देकर उत्साहवर्धन किया।

टीसी गांव में विकसित भारत संकल्प यात्रा का हुआ आयोजन

फतेहपुर। हसवा ब्लॉक के ग्राम टीसी व रहिमापुर मिचकी में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। इससे पूर्व जिले की सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने नेशनल हाईवे एकारी मोड़ टीसी मार्ग शहाबुदीन तक सात किलोमीटर सड़क का उद्घाटन किया। तत्पश्चात टीसी कंपोजिट विधालय में विकसित भारत संकल्प यात्रा की गोष्ठी आयोजित हुई। केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, पूर्व जिलाध्यक्ष आशीष मिश्रा एवं हसवा ब्लॉक प्रमुख के अलावा प्रधान राहुल मिश्रा ने फूलों की माला पहनाकर प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने मां सरस्वती दीप प्रज्ज्वलित किया। विधालय के बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। संस्कृति कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। केंद्रीय मंत्री ने छात्र और छात्राओं को फूलों की माला पहनाकर कहा कि मन लगा कर पढ़ो ताकि देश में नाम रोशन हो सकें। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम संकल्प दिलाते हैं कि संपूर्ण भारत को विकसित देश बनाया जायेगा। सरकार की सभी योजनाओं का पूरा करने संकल्प लिया है। शहर शहर और गाव गांव का विकास किया जायेगा। हसवा प्रमुख विकास पासवान ने कहा कि जब गांव गांव के किसान और मजदूर मजबूत होगा तो शहर का विकास भी बढ़ेगा। भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष आशीष मिश्रा ने सरकार की योजनाओं की लोगों जानकारी दिया। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास और मुख्यमंत्री आवास के 10 लाभार्थियों को आवास की चाबी बांटने के बाद छह लोगों को किसान सम्मान प्रमाण पत्र वितरण किया। और केंद्रीय मंत्री ने प्रियंका देवी, संध्या देवी दोनों गर्भवती महिलाओं की गोद भराई करते हुए जानवी देवी, संध्या देवी दोनों बच्चों को खीर खिलाया और दुलार भी किया।

ट्राली चोरी गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। थाना राजेपुर पुलिस द्वारा ट्राली चोरी करने वाले अन्तर्जनपदीय गिरोह के 2 अभियुक्तों को 2 ट्रैक्टर की ट्राली कीमत करीब 3,40,000 रुपये व घटना में प्रयुक्त 1 ट्रैक्टर सहित गिरफ्तार किया। थाना राजेपुर पुलिस द्वारा थाना राजेपुर में दर्ज रिपोर्ट से सम्बन्धित चोरी हुयी ट्रैक्टर की 2 अदद ट्राली सहित अभियुक्त अंकित राजपूत व हरीराम को गिरफ्तार किया गया। घटना में प्रयुक्त ट्रैक्टर बिना नम्बर पावर ट्रैक यूरो 47 सुपर मैक्स बरामद किया गया । बरामद की गयी 2 ट्रैक्टर की ट्रालियां जिनमें। 1 ट्राली दिनांक 28/01/2023 को तथा दूसरी ट्राली दिनांक 26 नवंबर को थाना राजेपुर क्षेत्र के गांव चित्रकूट से चोरी किया गया था।

चंद्रयान सहित बच्चों ने प्रस्तुत किए आकर्षक मॉडल

कायमगंज, फर्रुखाबाद। नगर के पटवनगली स्थित एनके एकेडमी स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी एवं इंडिया फूड फेस्टिवल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष मोनिका यादव ने फीता काट कर किया। विज्ञान प्रदर्शनी में छात्र छात्राओ ने चंद्रयान.3 मांडल, सोलर पैनल, वाटर क्यूरीफिकेशन, रेन वाटर डिटेक्टर सोलर,आदि मॉडल प्रदर्शित किये। क्लिप्स कार्वन, फिल्टरेशन, फाउंडेशन समेत आधा सैकड़ा से अधिक मांडल प्रदर्शित किये।

पेज एक का शेष

पूरी चमक...

प्रदेश में, उसके बाद राजस्थान और छत्तीसगढ़ में थी। चौहान ने कांग्रेस के अभिनेता से नेता बने विक्रम मस्तल को 1,04,974 वोटों के अंतर से हराकर छठी बार बुधनी सीट से जीत हासिल की। एमपी के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले चौहान ने पहली बार 1990 में बुधनी विधानसभा सीट से जीत हासिल की थी। 2006 में उपचुनाव जीतने और 2008, 2013 और 2018 में सीट बरकरार रखने से पहले, चौहान 1991, 1996, 1998 में 1999 और 2004 तक विदिशा से लोकसभा सांसद भी थे। दिसंबर 2018 से मार्च 2020 तक के 18 महीनों को छोड़ दिया जाए तो 2003 से मध्य प्रदेश की सत्ता पर काबिज भाजपा ने सत्ता विरोधी लहर को मात देने के लिए एक रणनीति तैयार की थी। भगवा पार्टी के परंपरागत समर्थकों के साथ मोदी ने विभिन्न वर्गों के वोटरों तक अपनी पहुंच बनाई जिसमें महिलाएं, युवा, आदिवासी शामिल थे। पार्टी ने 14 वरिष्ठ नेताओं को 14 जिलों में नियुक्त करने की रणनीति तैयार की, जहां उन्होंने स्थानीय पदाधिकारियों के साथ-साथ नगर निगमों और पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। उन्होंने 50 से अधिक बैठकें आयोजित कीं, जिनमें चौहान ने पार्टी कार्यकर्ताओं की शिकायतें और सुझाव सुने। विशेष रूप से भाजपा ने स्पष्ट रूप से सत्ता विरोधी लहर को मात देने के लिए राज्य के किसी भी नेता को अपने सीएम चेहरे के रूप में पेश नहीं किया और पार्टी के चुनाव चिन्ह 'कमल' के लिए वोट मांगे। सत्तारूढ़ भाजपा ने मध्य प्रदेश में कांग्रेस पर जोरदार जीत के साथ सत्ता बरकरार रखी। खबर को अंतिम रूप देने के भाजपा के आंकड़े आगे बढ़ रहे थे। चुनाव आयोग के अनुसार, शाम 7 बजे तक भाजपा 77 सीटें जीत चुकी थी और 87 पर आगे चल रही थी, जबकि कांग्रेस 19 सीटें जीत चुकी थी और 46 विधानसभा क्षेत्रों में आगे थी। मध्य प्रदेश में प्रभावशाली 77.82 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जिसमें लगभग 76.02 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने मतदान किया।

छत्तीसगढ़ में...

नाम से लोकलुभावन वादे किए हैं। इनमें प्रति एकड़ 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल धान की खरीद और 'महतारी वंदन योजना' के तहत विवाहित महिलाओं को 12,000 रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता शामिल है। सात और 17 नवंबर को दो चरणों में हुए राज्य विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी छत्तीसगढ़ में विभाजित थी, लेकिन उसने सीएम भूपेश बघेल के मुख्य प्रतिद्वंद्वी राज्य मंत्री टीएस सिंह देव को इस साल जून में उपमुख्यमंत्री बनाकर मतभेदों को कम करने की कोशिश की। दूसरी ओर भाजपा सीएम पद के लिए स्पष्ट उम्मीदवार के बिना ही चुनाव में उतरी। 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा के सत्ता में आने के 15 साल के सफर को खत्म कर दिया था और भूपेश बघेल सीएम बने थे। छत्तीसगढ़ ही नहीं, मध्य प्रदेश में कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच पांच साल से चल रही तकरार और अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच खुली जुबानी जंग उन बड़े कारकों में से एक थी, जो कांग्रेस के खिलाफ गए, जबकि भाजपा ने अपनी विचारधारा पर अधिक ध्यान केंद्रित किया और उसकेराज्य द्वारा घोषणाओं के रूप में अनुकूल योजनाएं लाई। विधानसभा चुनावों के नतीजे कांग्रेस और बड़े विपक्षी गुट के लिए एक कड़वे सबक के रूप में आए हैं, जिन्हें अब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा से मुकाबला करने के लिए अपने चुनावी पटकथा को फिर से लिखना होगा।

राजस्थान का...

को हुआ। गहलोत ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना और चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना सहित पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई सभी योजनाओं को अगली सरकार द्वारा आगे बढ़ाया जाना चाहिए। मौजूदा विधानसभा में सत्तारूढ़ कांग्रेस के 107, भाजपा के 70 और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपीटी) के तीन विधायक हैं। इसके अलावा, सीपीआई (एम) और भारतीय ट्राइबल पार्टी (बीटीपी) के पास दो-दो सीटें और आरएलडी के पास एक सीट है। निवर्तमान विधानसभा में 13 निर्दलीय हैं और दो सीटें (उदयपुर और करणपुर) खाली हैं। राजे ने कहा कि लोगों ने कांग्रेस के 'कुशासन' को खारिज कर दिया है और उनकी पार्टी के 'सुराज' (सुशासन) को स्वीकार कर लिया है। झालरापाटन विधानसभा क्षेत्र से 53,193 वोटों के अंतर से जीत हासिल करने वाले पूर्व सीएम ने कहा कि आसन्न जीत ने एक मौका भी दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 में लोकसभा चुनाव के बाद लोगों की सेवा करेंगे। पार्टी के बहुमत का आंकड़ा पार करते ही भाजपा के राष्ट्रीय और राज्य मुख्यालय में जश्न मनाया गया। महिला कार्यकर्ताओं के समूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जयकारे में नारे लगाये। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनका 'जादू' खत्म हो गया है। 'जादू ख़त्म हो गया है और राजस्थान जादूगर के जादू से बाहर आ गया है। लोगों ने महिलाओं के सम्मान और गरीबों के कल्याण के लिए वोट किया है।' गहलोत के पिता जादू के शो करते थे और सीएम पहले भी कह चुके हैं कि उन्होंने कुछ में मदद की थी। राजस्थान विधानसभा चुनाव लड़ने वाले सात भाजपा सांसदों में से चार ने अपनी-अपनी सीटें जीत लीं, जबकि तीन अन्य चुनाव हार गए। भाजपा के लोकसभा सांसद दीया कुमारी (विद्याधर नगर), राज्यवर्धन राठौड़ (झोटवाड़ा), और बाबा बालक नाथ (तिजारा), और राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा (सवाई माधोपुर) को विजेता घोषित किया गया। नागौर सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के संयोजक हनुमान बेनीवाल भी खिंसवार विधानसभा सीट से आगे चल रहे हैं। विधानसभा चुनाव हारने वाले तीन भाजपा सांसदों में नरेंद्र कुमार (मंडावा सीट), भागीरथ चौधरी (किशनगढ़) और देवजी पटेल (सांचोर) शामिल हैं। देवजी पटेल को भाजपा के बागी जीवा राम चौधरी ने हराया, जिन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। सांचौर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी और मंत्री सुखराम विश्नोई दूसरे स्थान पर रहे। जहां नरेंद्र कुमार को कांग्रेस उम्मीदवार रीता चौधरी ने 18,717 के अंतर से हराया, वहीं भागीरथ चौधरी ने किशनगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में तीसरा स्थान हासिल किया, जहां कांग्रेस उम्मीदवार विकास चौधरी ने जीत हासिल की।

तेलंगाना में...

की बेटी कविता से जुड़े दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले के संबंध में बीआरएस और भाजपा के बीच एक अंतर्निहित समझ के आरोपों ने भाजपा को कमजोर कर दिया, जिससे सत्ता विरोधी वोट कांग्रेस के पक्ष में एकजुट हो गए। पिछले चुनावों के विपरीत, जहां अलग राज्य की भावनाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, इस चुनाव में भावनात्मक मुद्दों ने कोई खास प्रभाव नहीं डाला। 2018 में कांग्रेस और टीडीपी ने गठबंधन बनाया, जिसमें बीआरएस ने टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू पर तेलंगाना विरोधी होने का आरोप लगाया था। हालांकि, टीडीपी ने चल रहे कानूनी मुद्दों और आंध्र प्रदेश में नायडू के कारावास के कारण हालिया तेलंगाना विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया। इसी तरह, अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी की बेटी वाईएस शर्मिला के नेतृत्व वाली वाईएसआर तेलंगाना पार्टी (वाईएसआरटीपी) कांग्रेस को समर्थन देने की घोषणा करते हुए मुकाबले से हट गई। कांग्रेस ने राज्य में परिवर्तन के विषय पर केंद्रित एक मुखर अभियान चलाया, जो 'मार्पु कवली- कांग्रेस रावली' (परिवर्तन होना चाहिए - कांग्रेस आना चाहिए) के नारे में समाहित था, जो प्रभावी रूप से मतदाताओं के बीच गूंज उठा। कांग्रेस प्रभारी के रूप में पार्टी का नेतृत्व करने वाले अनुमुला रेवंत रेड्डी खुद को संभावित मुख्यमंत्री पद प्रमुख दावेदार में से एक हैं। इस 56 वर्षीय नेता ने राज्य के शीर्ष पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की और 4 या 9 दिसंबर को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की। उन्होंने राष्ट्रीय पार्टी के पक्ष में लोगों के जनादेश का स्वागत किया, जबकि बीआरएस ने जीत की हैट्रिक नहीं लगा पाने और अपनी विफलता पर निराशा व्यक्त की। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और केसीआर के बेटे के टी रामा राव ने कहा कि विधानसभा चुनाव परिणाम 'निराशाजनक' रहे, हालांकि वे दुखी नहीं हैं।

इंडिया गठबंधन...

विपक्षी दल अपने दम पर जीतने में असमर्थ है। जद (यू) के प्रवक्ता के सी त्यागी ने कहा कि तीन राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में विधानसभा चुनावों के नतीजे कांग्रेस की हार और भाजपा की जीत हैं, उन्होंने कहा कि चुनावों में विपक्षी दल गायब था। जदयू नेता बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार में कांग्रेस राजद के साथ गठबंधन सरकार में है। उन्होंने भोपाल में विपक्षी गठबंधन की प्रस्तावित रैली को रद्द करने के पार्टी नेतृत्व पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने कभी भी इंडिया गठबंधन में अपने किसी भी सहयोगी को आमंत्रित या परामर्श नहीं किया। चुनाव के लिए उन्होंने कहा, 'इंडिया ब्लॉक को मजबूत करना अब सभी के लिए बहुत जरूरी है। अगर गठबंधन की बैठक कुछ महीने पहले बुलाई जाती तो अच्छा होता।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तिगुना करने के संकल्प से पीछे हटा भारत

भाषा। दुबई

भारत और चीन ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (सीओपी28) में 2030 तक दुनिया की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने के संकल्प पर हस्ताक्षर करने से परहेज किया। हालांकि, भारत ने जी20 की अपनी अध्यक्षता के दौरान इसके लिए प्रतिबद्धता जताई थी। यहां संयुक्त राष्ट्र की जलवायु वार्ता के दौरान, 118 देशों ने 2030 तक वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने की प्रतिबद्धता जताई। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य का उद्देश्य दुनिया के समग्र ऊर्जा उत्पादन में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करना है। संकल्प का समर्थन करने वाले देशों में जापान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चिली, ब्राजील, नाइजीरिया और बारबाडोस शामिल हैं। हालांकि, चीन और भारत ने 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा में तीन गुना वृद्धि के लिए समर्थन व्यक्त किया है, लेकिन उनमें से किसी ने भी शनिवार को औपचारिक रूप से समग्र संकल्प का समर्थन नहीं किया। इस प्रतिबद्धता में जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल में कमी लाने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाना शामिल है। इसमें, कोयला से उत्पादन की जाने वाली बिजली में चरणबद्ध तरीके से कमी लाने और कोयला चालित नए बिजली संयंत्रों के वित्तपोषण को समाप्त करने का आह्वान किया गया। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी का कहना है कि जीवाश्म ईंधन की मांग को कम करने और सदी के अंत तक ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए दुनिया को 2030 तक अपनी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना और ऊर्जा दक्षता की दर को दोगुना करना होगा। वैश्विक ऊर्जा थिंक टैंक एम्बर द्वारा पिछले सप्ताह जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 14वीं राष्ट्रीय बिजली योजना (एनईपी) देश को 2030 तक अपनी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना से अधिक करने की राह पर ले जाती है, लेकिन इसे हासिल करने के लिए नई दिल्ली को 293 अरब अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता होगी। भारत का वर्तमान लक्ष्य 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 500 गीगावॉट स्थापित बिजली क्षमता तक पहुंचना है। भारत के फैसले पर भारतीय विशेषज्ञों की मिलीजुली प्रतिक्रिया आई है।सीनियर एसोसिएट और ई3जी में इंडिया एनर्जी ट्रांजिशन लीड मधुरा जोशी ने 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा को तीन गुना करने और ऊर्जा दक्षता को दोगुना करने के लक्ष्य वाली वैश्विक संकल्प पर हस्ताक्षर नहीं करने के भारत के फैसले पर निराशा व्यक्त की। इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस में दक्षिण एशिया के निदेशक विभूति गर्ग ने जी20 के हिस्से के रूप में नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को तीन गुना करने की भारत की प्रतिबद्धता का उल्लेख किया, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुबई में सीओपी28 में दोहराया था। ऐसे में जब भारत नवीकरणीय ऊर्जा के लिए गंभीर महत्वाकांक्षाएं प्रदर्शित कर रहा, गर्ग ने कोयला के इस्तेमाल को चरणबद्ध तरीके से कम करने पर देश की चुप्पी का जिक्र किया। विश्व संसाधन संस्थान (डब्ल्यूआरआई) भारत में जलवायु की कार्यकारी निदेशक उल्का केलकर ने भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान अपनाए गए नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने के वैश्विक लक्ष्य को रेखांकित किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ऊर्जा दक्षता को स्वच्छ ऊर्जा में बदलाव के एक महत्वपूर्ण घटक के तौर पर रेखांकित किया।

अमेरिकी सिख संगठन ने पौधारोपण पूरा किया

वाशिंगटन। अमेरिका मे सिखों से संबंधित एक पर्यावरण संगठन इकोसिख ने 850 पवित्र वनों में पौधारोपण पूरा कर लिया है तथा दुबई में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (सीओपी28) में इस संबंध में प्रगति को लेकर रिपोर्ट और कार्य योजना प्रस्तुत करेगा। पवित्र वन सामुदायिक रूप से संरक्षित वन को कहा जाता है। स्थानीय आबादी इस तरह के वन का संरक्षण करती है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इकोसिख के वैश्विक अध्यक्ष राजवंत सिंह पारिस्थितिकी की बहाली के लिए एक प्रभावी जलवायु समाधान के रूप में पवित्र वन की पहल का प्रदर्शन करेंगे और सरकारी संगठनों तथा अन्य समूहों के साथ सहयोग की पेशकश करेंगे। उन्हें सीओपी28 के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अदनान जेड अमीन द्वारा शहरी ज्ञान: स्वदेशी ज्ञान और भविष्य के शहरों का शासन नामक एक पैनल को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया है। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक की जयंती पर इकोसिख ने लुधियाना के मध्य में।,313 पेड़ो के साथ अपना 850वां पवित्र वन तैयार किया। इकोसिख दुबई में विभिन्न हितधारकों की बैठक में अपनी प्रगति संबंधी रिपोर्ट और कार्य योजना प्रस्तुत करेगा। दुबई में सीओपी28 के आयोजन के दौरान 60,000-80,000 प्रतिनिधियों तथा 140 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों के शिरकत करने की उम्मीद है। सिंह ने कहा, विनाशकारी बढ़ते तापमान के जवाब में हम सभी को तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है। हम अपने चारो ओर जिन पारिस्थितिकीय आपदाओं का सामना कर रहे हैं, उनका समाधान खोजने के लिए हम किसी संगठन या सरकार का इंतजार नहीं कर सकते। कई समुदाय अपने नियंत्रण से परे कई पर्यावरणीय कारकों के कारण अपनी पैतृक भूमि खो रहे है। जब लोग आपदा से पीड़ित हो तो हम बैठकर नही देख सकते। इकोसिख की स्थापना 2009 में जलवायु परिवर्तन के प्रति सिख समुदाय के कदमों के रूप में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के सहयोग से की गई थी। एक दशक से अधिक समय से इकोसिख भारत मे पर्यावरण के मुद्दों पर काम कर रहा है और अब इसकी कनाडा, ब्रिटेन, आयरलैंड और अमेरिका में शाखाएं है। इकोसिख के वन संयोजक चरण सिंह ने कहा, जलवायु परिवर्तन से लड़ने की हमारी रणनीति केवल उत्सर्जन में कमी पर केंद्रित नही होनी चाहिए। हमें वातावरण से कार्बन हटाना होगा। ए वन उस लक्ष्य को प्राप्त करने का एक प्रभावी तरीका है। इस तरह की सामूहिक कार्वाई से बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने मे मदद मिल सकती है।

सिंगापुर में कपड़ों की चोरी करने की साजिश रचने के आरोप में दो भारतीयों को जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में एक खुदरा स्टोर से एक लाख रुपए से अधिक मूल्य के परिधान चुराने की साजिश रचने के आरोप में दो भारतीय नागरिकों को जेल की सजा सुनाई गई है। ब्रह्मभट्ट कोमल चेतनकुमार (27) और क्रिश्चियन अर्पिता अरविंदभाई (27) को दुकान से कपड़ों की चोरी करने के अपराध में दोषी ठहराया गया है। दोनों ने शुरू में यह दावा किया था कि उनका चोरी करने का कोई इरादा नहीं था, लेकिन बाद में उन्होंने अपराध स्वीकार कर लिया था। दैनिक समाचारपत्र द स्ट्रेट्स टाइम्स की खबर के मुताबिक दोनों को क्रमशः 40 और 45 दिनों की जेल की सजा सुनाई गई है। ए दोनों विद्यार्थी थे और चार अन्य भारतीयों के साथ रह रहे थे। इनलोगों ने अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर दुकान से परिधान चोरी करने की साजिश रची थी। इस साजिश में तीन अन्य भारतीय नागरिक भी शामिल थे, जिनमें से दो ने दुकान से चोरी करने की योजना बनाई और बाकी लोगों को योजना में शामिल कर लिया। इस समूह के चार लोगों को 22 नवंबर को 40 से 65 दिनों तक जेल की सजा सुनाई गई थी।

फिलीपीन में तेज भूकंप से एक महिला की मौत, सुनामी की चेतावनी जारी

मनीला। दक्षिणी फिलीपीन में तेज भूकंप के कारण एक महिला की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। भूकंप के कारण सुनामी की चेतावनी जारी किए जाने के बाद लोग घबराकर अपने घरों से बाहर भागे। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि शनिवार रात आए भूकंप की तीव्रता 7.6 थी और इसका केंद्र 32 किलोमीटर की गहराई में था। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा कि उसे दक्षिणी फिलीपीन और इंडोनेशिया, पलाऊ और मलेशिया के कुछ हिस्सों में सुनामी आने की आशंका है, लेकिन बाद में इसने सुनामी की चेतावनी को वापस ले लिया।फिलीपीन के दावाओ डेल नॉर्ट प्रांत के टैगम शहर के आपदा-शमन प्रमुख शील्डन इसिडोरो ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि भूकंप के चलते शहर में एक गर्भवती महिला की मौत हो गई।

पेरिस में राहगीरों पर हमला करने वाले व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया

पेरिस। फ्रांस की पुलिस ने पेरिस मे शनिवार रात राहगीरों को निशाना बनाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना मे आरोपी ने जर्मनी के एक पर्यटक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी और दो अन्य घायल हुए थे। फ्रांस के गृह मंत्री ने यह जानकारी दी। पुलिस ने 25 वर्षीय फ्रांसीसी व्यक्ति को पकड़ लिया। आरोपी इससे पूर्व भी हिंसक अपराध के लिए चार साल जेल की सजा काट चुका है। फ्रांस के गृह मंत्री गेराल्ड दार्मेनिन ने कहा कि अपनी गिरफ्तारी के बाद उसने विशेष रूप से फलस्तीनी क्षेत्रों में मुसलमानों के मरने पर दुख व्यक्त किया और दावा किया कि फ्रांस एक सहयोगी था। दार्मेनिन ने बताया कि हमलावर ने अल्लाहु अकबर के नारे भी लगाए। दार्मेनिन ने संवाददाताओं से कहा, व्यक्ति दूसरों को मारने के लिए तैयार था। हमलावर चाकू लेकर एक जर्मन जोड़े के पीछे भागा। घटना में उनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद उसने दो अन्य लोगों को हथौड़े से हमला करके घायल कर दिया।

पूर्व राष्ट्रपति को यूक्रेन छोड़ने से रोका गया

कीव। यूक्रेन के पूर्व राष्ट्रपति पेत्रो पोरोशेंको को हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन से प्रस्तावित मुलाकात के लिए यूक्रेन छोड़ने की इजाज़त नहीं दी गई है। यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने शनिवार को यह जानकारी दी। पोरोशेंको ने शुक्रवार को बताया था की कि संसद से देश छोड़ने की अनुमति मिलने के बावजूद उन्हें सीमा से वापस भेज दिया गया। मार्शल लॉ के तहत यूक्रेन में 18 से 60 साल की उम्र के पुरुषों को बिना विशेष अनुमति के देश छोड़ने पर रोक है। पोरोशेंको (58) 2019 का राष्ट्रपति चुनाव, राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की से हार गए थे। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन और पोलैंड के संसदों से मिलने की योजना थी। लेकिन सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने ओर्बन से मिलने पर सहमति जताई थी जिन्होंने पूर्व में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तारीफ की थी और यूरोपीय संघ में शामिल होने की यूक्रेन की कोशिश को समर्थन नहीं दिया था।

इजराइल सेना दक्षिण गाजा की ओर बढ़ी

- और इलाकों को खाली करने का आदेश दिया

भाषा। खान यूनिस

इजराइली सेना ने रविवार को गाजा के दूसरे सबसे बड़े शहर खान यूनिस के अंदर और आसपास के और अधिक इलाकों को खाली करने का आदेश दिया। उत्तरी गाजा में हमले करने के बाद अब इजराइली सेना ने दक्षिण गाजा की ओर रुख कर लिया है। सेना का कहना है कि हमास के कई नेता वहां छिपे हुए हैं। इजराइल के जोरदार हवाई और जमीनी अभियान के केंद्र में रहे खान यूनिस और दक्षिणी शहर रफाह के साथ-साथ उत्तर के कुछ हिस्सों में रात भर और रविवार को ताबड़तोड़ बमबारी होने की सूचना मिली है। दो महीने से जारी युद्ध के शुरुआती दिनों में इजराइली बलों ने नागरिकों को उत्तरी गाजा छोड़ने का आदेश दिया था, जिसके बाद क्षेत्र की 23 लाख आबादी में से कई लोग दक्षिण में फंसे हुए हैं। लड़ाई फिर से शुरू होने के बाद एक और अस्थाई संघर्ष विराम को लेकर वार्ता की उम्मीदें कम हो गई हैं। एक सप्ताह का संघर्ष विराम शुक्रवार को समाप्त हो गया था। इस दौरान गाजा में बंधक बनाए गए दर्जनों इजराइलियों व विदेशी नागरिकों और इजरायल द्वारा कैद किए गए फलस्तीनियों को रिहा किया गया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार रात संबोधन में कहा, हम तब तक युद्ध जारी रखेंगे जब तक कि हम इसके सभी लक्ष्य हासिल नहीं कर लेते। जमीनी कार्वाई के बिना उन लक्ष्यों को हासिल करना असंभव है। रविवार को, इजराइली सेना ने खान यूनिस और उसके आसपास के और इलाकों को खाली करने का निर्देश दिया। स्थानीय निवासियों ने कहा कि इजराइली सेना ने पर्चे बांटकर उन्हें दक्षिण में रफाह या दक्षिण-पश्चिम में एक तटीय क्षेत्र में जाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि पर्चों में लिखा है, खान यूनिस शहर एक खतरनाक युद्ध क्षेत्र है। खान यूनिस के मुख्य अस्पताल में मौजूद रहे एसोसिएटेड प्रेस के एक पत्रकार के अनुसार रविवार सुबह शहर के पूर्वी हिस्से में एक आवासीय इमारत पर इजराइली हमला हुआ, जिसके बाद अस्पताल में कम से कम तीन शव और दर्जनों घायलों को लाया गया।

कीव ने कहा: रूसी सेना ने आत्मसमर्पण कर रहे यूक्रेनी सैनिकों को गोली मार दी

कीव। यूक्रेन के अधिकारियों ने रविवार को रूसी सशस्त्र बलों पर आत्मसमर्पण कर रहे यूक्रेनी सैनिकों को मार डालने का आरोप लगाया। यदि इसकी पुष्टि होती है तो यह युद्ध अपराध माना जाएगा। दरअसल सोशल मीडिया पर एक फुटेज आया है, जिसमें दिख रहा है कि बंकर से निकल रहे दो सैनिकों को बहुत नजदीक से गोली मारी जा रही है। इस धुंधले वीडियो में दिख रहा है कि डर के मारे ए सैनिक बाहर आ रहे है और वे जमीन पर लेट जा रहे है। उनमें एक ने अपने हाथ ऊपर कर रखे है। उसी बीच कुछ रूसी सैनिक सामने आते है एवं उनपर गोलियां चला देते है। तत्काल इस वीडियो की प्रामणिकता और उस समय की परिस्थिति की पुष्टि करना संभव नही है। वैसे यूक्रेन के सैन्य प्रेस कार्यालय ने अपने ऑनलाइन बयान में कहा कि यह फुटेज असली है। उसके कुछ ही घंटे बाद यूक्रेन के महाभियोजक कार्यालय ने रविवार को इसकी आपराधिक जांच शुरू कर दी। अभियोजक कार्यालय ने रविवार को टेलीग्राम अपडेट मे कहा, वीडियो मे नजर आ रहा है कि रूसी सैनिक काफी करीब से यूक्रेन के सशस्त्र बलो के निहत्थे जवानो पर गोलियां चला रहे है, जबकि ए जवान आत्मसमर्पण कर रहे थे। यूक्रेन, उसके पश्चिमी सहयोगी तथा अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने रूस पर फरवरी, 2022 से यूक्रेन मे पूर्ण युद्ध छेड़ने के समय से ही अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन करने का बार-बार आरोप लगाया है।

बम धमाके में चार की मौत के लिए फिलीपीन ने विदेशी आतंकियों को जिम्मेदार बताया

मनीला। फिलीपीन के राष्ट्रपति ने देश के दक्षिण में रविवार को एक बम धमाके के लिए विदेशी आतंकियों को जिम्मेदार ठहराया। इस धमाके में चार कैथोलिक उपासकों की मौत हो गई और दर्जनों अन्य घायल हो गए थे। धमाके की वजह से राजधानी मनीला समेत अन्य जगहों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दक्षिणी मारावी शहर की मिंडानाओं स्टेट यूनिवर्सिटी के जिमनेजियम में एक प्रार्थना में शामिल हुए छात्र और शिक्षक एक संदिग्ध बम धमाके में हताहत हो गए। सरकारी परिसर के सुरक्षा प्रमुख ताहा मंदानगन ने एसोसिएटेड प्रेस को फोन पर यह जानकारी दी। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। क्षेत्रीय सैन्य कमांडर मेजर जनरल गेब्रियल विराय तृतीय ने कहा कि विस्फोट में चार लोग मारे गए, जिनमें तीन महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 50 अन्य को इलाज के लिए दो अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने एक बयान में कहा, मैं मिंडानाओ स्टेट यूनिवर्सिटी में विदेशी आतंकवादियों द्वारा किए गए सबसे जघन्य कृत्य की कठोरतम शब्दों में निंदा करता हूं। निर्दोषों के खिलाफ हिंसा करने वाले चरमपंथियों को हमेशा हमारे समाज के लिए दुश्मन माना जाएगा। मार्कोस ने यह नहीं बताया कि उन्होंने हाई-प्रोफाइल बमबारी के लिए तुरंत विदेशी आतंकवादियों को क्यों दोषी ठहराया। रक्षा सचिव गिल्बर्टो टेओडोरो जूनियर ने बाद में एक संवाददाता सम्मेलन में बिना ज्यादा विवरण दिए बताया कि बमबारी में विदेशी तत्व का एक हाथ होने का मजबूत संकेत है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में दिल का दौरा पड़ने से भारतीय सिख श्रद्धालु की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर में करीब 70 वर्षीय एक भारतीय सिख श्रद्धालु की हृदय दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।अल्पंसख्यकों के धार्मिक स्थलों की देखभाल करने वाले इवैक्यू ट्रस्ट प्रोपर्टी बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि शनिवार शाम को सरदार प्रीतम सिंह ने सीने में दर्द की शिकायत की जिसके बाद उन्हें लाहौर के पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलोजी ले जाया गया लेकिन डॉक्टर उनकी जान नहीं बचा सके।उन्होंने बताया कि सिंह के शव को वाघा बार्डर पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंप दिया गया जहां उनकी पत्नी भी मौजूद थीं।फिलहाल 2,500 से अधिक भारतीय सिख गुरू नानक देव के जयंती समारोह के सिलसिले में पाकिस्तान में हैं।कुछ दिन पहले यहां पुलिस की वर्दी में आए लुटेरों ने एक भारतीय सिख परिवार को लूट लिया था।पुलिस के अनुसार गुरू नानक देव के जयंती समारोह में भाग लेने के लिए भारत से कंवल जीत सिंह और उनके परिवार के सदस्य यहां आए थे और वे बुधवार को गुलबर्ग इलाके में लिबर्टी बाजार गए थे। पुलिस प्रवक्ता एहतेशाम हैदर ने पीटीआई-भाषा से कहा, जब यह सिख परिवार एक दुकान से बाहर आया तब पुलिस वर्दी में आए दो लुटेरों ने उन्हें रोका और बंदूक का भय दिखाकर उनसे नकदी एवं गहने लूट लिए। ंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने पंजाब पुलिस को 48 घंटे के अंदर अपराधियों को पकड़ने का आदेश दिया। लेकिन इस मामले में कोई प्रगति नहीं हुई है।

पेट भरने के लिए कृषि क्षेत्र में नवाचारों की आवश्यकता

भाषा। नोट्रे डेम (अमेरिका),

सीओपी28 : जलवायु रक्षा और बढ़ती आबादी का असर

साल 2023 में पहली बार संयुक्त राष्ट्र के वार्षिक जलवायु सम्मेलन में खाद्य पदार्थों और कृषि को केंद्र में रखा गया और इस पर चर्चा की गई। इस सम्मेलन में एक दिसंबर को 130 से अधिक देशों ने एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए और सभी देशों ने अपनी खाद्य प्रणालियों – उत्पादन से उपभोग तक के सब चरणों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए राष्ट्रीय रणनीतियों का केंद्र बिंदु बनाने की प्रतिबद्धता जताई है। यह घोषणापत्र जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने और कॉर्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए ठोस कार्वाइयों के बारे में नहीं बल्कि यह एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करता है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अत्यधिक गर्मी पड़ने और तूफान के कारण वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृखंला को व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है। अत्यधिक गर्मी और तूफान भी जलवायु परिवर्तन में प्रमुख योगदानकर्ता हैं, जो मानव गतिविधियों से होने वाले सभी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के एक तिहाई के लिए जिम्मेदार है। यही कारण है कि जलवायु को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली चर्चाओं में कृषि नवाचार को तेजी से महत्व दिया जा रहा है। वर्तमान में, कृषि उत्पादन दुनिया के आठ अरब लोगों के लिए पर्याप्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराता है, हालांकि कई लोगों की इस तक पर्याप्त पहुंच नहीं है। लेकिन वर्ष 2050 में दुनिया की 10 अरब की आबादी के लिए भोजन की व्यवस्था करने के लिए कृषि भूमि को 2010 की तुलना में 6,60,000 से बढ़ाकर 12 लाख वर्ग मील तक विस्तारित करने की आवश्यकता होगी। इससे वनों की अधिक कटाई होगी, जो जलवायु परिवर्तन का प्रमुख कारण है। इसके अलावा, पर्याप्त खाद्य पदार्थों का उत्पादन करने के लिए व्यापक रूप से कृत्रिम उर्वरकों का इस्तेमाल भी बढ़ाना होगा, जो जलवायु परिवर्तन की एक वजह है। वैकल्पिक समाधानों के बिना केवल वनों की कटाई और इन प्रथाओं को समाप्त करने से दुनिया की खाद्य आपूर्ति और किसानों की आय में कमी आएगी। सौभाग्य से, कृषि क्षेत्र में ऐसे नवाचार उभर रहे हैं जो खाद्य पदार्थों का उत्पादन बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री माइकल क्रेमर द्वारा स्थापित जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा एवं कृषि के लिए नवाचार आयोग की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक कृषि क्षेत्र में नवाचार के लिए प्राथमिकता वाले सात क्षेत्रों की पहचान की गई है, जो पर्याप्त खाद्य उत्पादन सुनिश्चित करने, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और लाखों लोगों तक खाद्य पदार्थों की पहुंच को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। मैं एक कृषि अर्थशास्त्री और आयोग का कार्यकारी निदेशक हूं। कृषि क्षेत्र में तीन नवाचार विशेष रूप से तेजी से उत्पादन बढ़ाने और आर्थिक रूप से फायदा पहुंचाने की अपनी क्षमता के लिए विशिष्ट हैं।

सटीक –सुलभ मौसम पूर्वानुमान

मौसम संबंधी अप्रत्याशित घटनाओं के कारण फसलें तेजी से कमजोर हो रही है और किसान इस समस्या से निपटने के लिए संघर्ष कर रहे है, इसलिए सटीक मौसम पूर्वानुमान महत्वपूर्ण है। रोपण, सिंचाई, खाद और कटाई के बारे में रणनीतिक निर्णय लेने के लिए किसानों को यह जानने की जरूरत है कि आने वाले और एक निश्चित समय अवधि के दौरान किस प्रकार का मौसम होगा। फिर भी कई निम्न और मध्यम आय वाले देशों में किसानों के लिए सटीक, विस्तृत मौसम पूर्वानुमान तक पहुंच दुर्लभ है। हमारे आकलन से पता चलता है कि मौसम संबंधी आंकड़े एकत्र करने और पूर्वानुमानों को व्यापक रूप से उपलब्ध कराने के लिए प्रौद्योगिकी में निवेश करना - जैसे कि रेडियो, संदेश या व्हाट्सएप्प के माध्यम से - अर्थव्यवस्थाओं के लिए कई गुना फायदेमंद हो सकता है। उदाहरण के लिए, मौसमी मानसून वर्षा के कुल राज्य-स्तरीय पूर्वानुमानों से भारतीय किसानों को बुआई और रोपण के सही समय को जानने में मदद मिलेगी। इससे भारतीय कृषि क्षेत्र को 50 लाख डॉलर खर्च कर तीन अरब डॉलर का लाभ हो सकता है।

क्विक न्यूज

श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त ने की नॉर्दर्न प्रॉविंस की यात्रा

कोलंबो। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त गोपाल बागले ने देश के नॉर्दर्न प्रॉविंस की यात्रा की और विकास के लिए सहयोग बढ़ाकर और विस्तारित आर्थिक साझेदारी के जरिए श्रीलंकाई लोगों के कल्याण को लेकर प्रतिबद्धता जताई। भारतीय उच्चायोग ने शनिवार को एक बयान में बताया कि बागले ने श्रीलंका के उत्तरी प्रांतों में शामिल नॉर्दर्न प्रॉविंस की 29 नवंबर से एक दिसंबर तक यात्रा की। इस दौरान उच्चायोग के अन्य वरिष्ठ राजनयिक भी उनके साथ थे। उच्चायुक्त ने हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली परियोजना को लागू करने की तैयारियों का आकलन करने के लिए जाफना, नैनातिवु, अनालातिवु और डेल्फ्ट के तीन द्वीपों का दौरा किया। भारत सरकार इन द्वीपों के निवासियों की ऊर्जा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुदान के जरिए इस परियोजना में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। बयान में बताया गया कि इस यात्रा ने क्षेत्र के लोगों की प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं के अनुसार विकास सहयोग बढ़ाकर और विस्तारित आर्थिक साझेदारी के माध्यम से नॉर्दर्न प्रॉविंस सहित पूरे श्रीलंका के लोगों के विकास और कल्याण को लेकर भारत की स्थाई प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया। उन्होंने भारत और श्रीलंका के पारस्परिक रूप से सहमत बिंदुओं के बीच नौका सेवाओं के माध्यम से संपर्क सुविधा बहाल करने के लिए जारी प्रयासों के तहत थलाईमन्नार और कांकेसंथुराई यात्री प्रतिष्ठानों का दौरा किया। बयान में कहा गया, प्रतिनिधिमंडल ने श्रीलंका के लोगों के लाभ के लिए भारत-श्रीलंका विकास सहयोग साझेदारी के तहत रेलवे बुनियादी ढांचे के विकास के महत्व को प्रमाणित करते हुए आधुनिक रेल डिब्बों में कोलंबो से मेदावाचिया तक की यात्रा की। इन डिब्बों की आपूर्ति भारत से मिले ऋण के तहत की गई है।

पाक के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित बल्तिस्तान में आतंकी हमले में आठ लोगों की मौत, 26 अन्य घायल

पेशावर। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित बल्तिस्तान क्षेत्र में यात्रियों से भरी एक यात्री बस पर आतंकियों ने गोलीबारी की, जिसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि जब बस गिलगित से रावलपिंडी जा रही थी, तभी चिलास में शाम करीब साढ़े छह बजे आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। अधिकारी ने बताया कि हमले के बाद चालक ने बस पर नियंत्रण खो दिया और यह सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई।चिलास के उपायुक्त आरिफ अहमद ने कहा कि हमले में मारे गए आठ लोगों में से अब तक पांच की पहचान हो चुकी है। उन्होंने बताया कि हमले में 26 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि मृतकों में (पाकिस्तानी) सेना के दो जवान भी शामिल है और विशेष सुरक्षा इकाई का एक कर्मी भी घायल हुआ है। हमले के बाद आतंकी घटना स्थल से से भागने में सफल रहे। हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी भी संगठन ने नहीं ली है।

पीओके के गिलगित बलतिस्तान में बस पर हमले के सिलसिले में छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया

पेशावर। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित बलतिस्तान क्षेत्र में एक बस पर हमले के सिलसिले में रविवार को छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। इस हमले में दो सैनिकों समेत नौ लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने बताया कि गिलगित से रावलपिंडी जा रही बस पर अज्ञात बंदूकधारियों ने शनिवार शाम करीब साढ़े छह बजे चिलास में अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। पुलिस ने बताया कि हमले के बाद चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और बस सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई।पुलिस ने बताया कि हमले में दो सैनिकों समेत नौ लोगों की मौत हो गई और 21 यात्री घायल हो गए। उन्होंने बताया कि हमले के बाद हमलावर भागने में कामयाब रहे। किसी भी समूह या व्यक्ति ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन इस क्षेत्र में आतंकवादियों द्वारा हमलों का इतिहास रहा है। दियामर आयुक्त के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) के हवाले से डॉन अखबार ने रविवार को खबर दी कि अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पीआरओ ताहिर ने कहा, अब तक छह संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि गिलगित बलतिस्तान में प्रवेश और बाहर निकलने के सभी रास्ते बंद कर दिए गए हैं और क्षेत्र में सुरक्षा चाक-चौबंद है। नहीं है।

नेपाल ने संक्रामक रोगों को रोकने के उद्देश्य से यूएसएड के साथ हाथ मिलाया

काठमांडू। नेपाल सरकार और अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) ने उभरते संक्रामक रोगों को रोकने, उनका पता लगाने और उनपर तत्काल से कार्रवाई करने के लिए रविवार को रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। अमेरिकी दूतावास की ओर से जारी एक बयान में बताया गया कि यूएसएड ग्लोबल हेल्थ सेक्योरिटी नामक यह कार्यक्रम वन हेल्थ पहल के माध्यम से लागू की जाएगी। वन हेल्थ पारिस्थितिकी, वन्यजीव, घरेलू जानवरों एवं इंसान के स्वास्थ्य के बीच परस्पर निर्भरता पर आधारित एक समन्वित बहुविषयक पहल है। बयान में कहा गया है कि यूएसएड का ग्लोबल हेल्थ सिक्योरिटी वर्क हाल में कोविड महामारी से उत्पन्न फासले को दूर करने में मदद कर रहा है तथा इसके लिए वह किसी बीमारी के खतरे को महामारी का रूप लेने से पहले उसे रोकने, उसका पता लगाने और उसपर कार्वाई करने के विभिन्न देशों की क्षमता को मजबूत बना रहा है। नेपाल में स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रम के मार्फत यूएसएड स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय को वन हेल्थ मंच एवं निगरानी प्रणाली को मजबूत करने के लिए निधि प्रदान करेगा। यूएसएड विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और खाद्य एवं कृषि संगठन के माध्यम से भी काम करेगा।

पाकिस्तान में नवंबर में आतंक्वादी हमलों में 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी: रिपोर्ट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मे नवंबर महीने मे आतंक्वादी हमलो मे 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और इस महीने देश मे 63 आतंक्वादी हमले हुए। एक थिंक टैंक की रिपोर्ट मे रविवार को यह जानकारी दी गई। डॉन समाचार पत्र ने पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉनफिलक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज (पीआईसीएसएस) थिंक टैंक के आंकड़ो का हवाला देते हुए बताया कि नवंबर मे 63 आतंक्वादी हमलो मे 83 लोगो की मौत हुई, जिनमे सुरक्षा बलो के 37 जवान और 33 आम नागरिक शामिल थे। इस्लामाबाद से संचालित थिंक टैंक के अनुसार, नवंबर मे आतंक्वादी हमलों मे 53 आम नागरिको और सुरक्षा बलो के 36 कर्मियो सहित 89 व्यक्ति घायल हुए। अक्टूबर के आंकड़ो की तुलना मे, नवंबर मे आतंक्वादी हमलो मे 34 प्रतिशत की वृद्धि, मृतक संख्या मे 63 प्रतिशत की वृद्धि और घायल व्यक्तियों की संख्या मे 89 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी सुरक्षा बलो ने नवंबर मे कम से कम 59 आतंक्वादियो को मार गिराया और कम से कम 18 संदिग्ध आतंक्वादियों को गिरफ्तार किया। आंकड़ो के अनुसार, 2023 के पहले 11 महीनों मे 2022 की इसी अवधि की तुलना मे आतंक्वादी हमलो मे 81 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस दौरान घायलो की संख्या मे भी 64 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से नवंबर 2023 तक हुए 599 आतंक्वादी हमलो मे कुल 897 लोगो की मौत हुई और।,241 लोग घायल हुए। पाकिस्तान का अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत आतंक्वादी हमलो से सबसे अधिक प्रभावित हुआ और वहां 51 हमलो मे 54 लोगो की मौत हुई और 81 लोग घायल हुए। बलूचिस्तान प्रांत मे नौ हमले हुए जिनमे 18 लोगो की मौत हुई। इनमे सुरक्षा बलो के 15 जवान और तीन आम नागरिक शामिल थे।

क्या होता है ऑक्युलर सिफलिस संक्रमण, जो कई देशों में पसार रहा है पैर

साउथैंपटन। अमेरिका के मिशिगन मे आंखो से संबंधित ऑक्युलर सिफलिस संक्रमण के काफी मामले सामने आए है। पांच महिलाएं एक ही यौन साथी की वजह से इस संक्रमण की चपेट मे आईं। ऑक्युलर सिफलिस कुल मिलाकर उतना आम नही है, हालांकि संक्रमण के सभी मामलो मे से एक प्रतिशत ऑक्युलर सिफलिस के होने की वजह से ही संभवतः इसकी व्यापकता को कम आंका गया है। ऑक्युलर सिफलिस काफी तेजी से फैलता है। इसके कई रूप होते हैं और शायद इसी वजह से इसका पता लगाना मुश्किल होता है। हालांकि इसका आसानी से इलाज किया जा सकता है। ऑक्युलर सिफलिस का इलाज नही कराने की वजह से यह वर्षो तक बढ़ सकता है, जिसके चलते विभिन्न अंगों को नुकसान हो सकता है। अगर इसका इलाज न किया जाए तो यह त्रासदी का रूप ले सकता है। यह आंख के लगभग हर ऊतक को प्रभावित कर सकता है, जिनमे कॉर्निया, आईरिस, ऑर्बिट, पलकें, रेटिना, ऑप्टिक तंत्रिका और श्वेतपटल शामिल हैं। यह आमतौर पर सूजन के रूप में प्रकट होता है, लेकिन कभी-कभी संक्रमण बहुत सूक्ष्म होता है। यदि सिफलिस का इलाज छोड़ दिया जाए तो अन्य महत्वपूर्ण उपचार योग्य संक्रमण का उपचार भी छूट सकता है। उदाहरण के लिए, एचआईवी संक्रमण सिफलिस के रोगियो मे भी आम है। एचआईवी संक्रमण की वजह से ऑक्युलर सिफलिस तेजी से बढ़ सकता है। नेत्र संबंधी सिफलिस का निदान न होने का मतलब इलाज योग्य बीमारी एचआईवी का निदान न होना भी हो सकता है।

पहले से बेहतर महसूस कर रहा हूं : पोप फ्रांसिस

वेटिकन सिटी। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियो का सामना कर रहे पोप फ्रांसिस लगातार दूसरे रविवार को सेंट पीटर स्क्वायर में जनता के लिए आयोजित होने वाले अपने लोकप्रिय उपस्थिति कार्यक्रम में शामिल नही हुए। लेकिन टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में पोप ने कहा कि वह पहले से बेहतर महसूस कर रहे है, भले ही वह अपने संबोधन की सभी टिप्पणियां जोर से नही पढ़ सके। पोप फ्रांसिस ने वेटिकन होटल से बहुत संक्षिप्त टिप्पणी दी। ईसाईयो के सर्वोच्च धार्मिक गुरु वेटिकन होटल में ही रहा करते हैं। उन्होंने कहा है कि वह संक्रामक ब्रोंकाइटिस (श्वास संबंधी रोग) से पीड़िति है। सेंट पीटर स्क्वायर पर हजारो लोगो ने बाहर लगी विशाल स्क्रीन से उनके शब्दो का अनुसरण किया। उन्होंने कहा कि वह दुबई में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन के कामकाज पर दूर से नजर रख रहे हैं। पोप को सभा को संबोधित करने के लिए शुक्रवार को सीओपी 28 सम्मेलन में जाना था। पोप फ्रांसिस ने कहा, प्रिय भाइयो और बहनो, शुभ दिन।

चुनाव के नतीजे का बाद निराश कांग्रेस के नेता सुरजेवाला, कमलनाथ, दिग्विजय, राज्यपाल को इस्तीफा देते भूपेश बघेल व पत्रकारों को प्रतिक्रिया देते स्टालिन व अन्य

क्विक न्यूज

राजस्थान में आक्या सहित आठ निर्दलीय उम्मीदवार जीते

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव मे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)केचार बागियो सहित कुल आठ निर्दलीय उम्मीदवारो ने जीत दर्ज की है। भाजपा के बागी चंद्रभान आक्या चित्तौड़गढ़ सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे जीते है। भाजपा ने चित्तौड़गढ़ से आक्या का टिकट काटकर पूर्व उपराष्ट्रपति भैरो सिंह शेखावत के दामाद नरपत सिंह राजवी को उम्मीदवार बनाया था। चित्तौड़गढ़ से मौजूदा विधायक आक्या ने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस केसुरेंद्र सिंह को 6,823 वोटो के अंतर से हराया। पांच बार विधायक रहे राजवी तीसरे स्थान पर रहे। भाजपा ने राजवी को उनकी विद्याधर नगर सीट की जगह चित्तौड़गढ़ भेजा था। विद्याधर नगर सीट पर पार्टी ने सांसद दीया कुमारी को उतारा था। भाजपा के बागी रविंद्र सिंह भाटी ने शिव विधानसभा सीट पर कांग्रेस के बागी और निर्दलीय उम्मीदवार फ्तेह खान को 3,950 वोटो के अंतर से हराकर जीत दर्ज की। कांग्रेस प्रत्याशी और मौजूदा विधायक अमीन खान तीसरे स्थान पर रहे। शिव मे भाजपा केस्वरूप सिंह खारा चौथे स्थान पर रहे। इसी तरह डीडवाना सीट पर पूर्व मंत्री यूनुस खान 92,392 वोटो से जीते। यहां कांग्रेस प्रत्याशी चेतन सिंह चौधरी दूसरे और भाजपा के जितेंद्र सिंह तीसरे स्थान पर रहे। यूनुस खान को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का करीबी माना जाता है।

जीतने वाले सांसदों को विधानसभा और संसद सदस्यता में से किसी एक का चयन करना होगाः विशेषज्ञ

नई दिल्ली। राज्यो केविधानसभा चुनाव जीतने वाले कई सांसदो को अगले 14 दिन मे विधानसभा और संसद सदस्यता मे से एक का चयन करना होगा, नही तो वे अपनी संसद सदस्यता खो देगे। एक विशेषज्ञ ने संविधान के प्रावधानो का हवाला देते हुए यह जानकारी दी।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विधानसभा चुनाव मे केंद्रीय मंत्रियो नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रल्हाद सिंह पटेल और फ्गन सिंह कुलस्ते समेत 21 सांसदो को चुनाव मैदान मे उतारा था। भाजपा ने राजस्थान और मध्य प्रदेश मे सात-सात, छत्तीसगढ़ मे चार और तेलंगाना मे तीन सांसदो को विधानसभा चुनाव मे उम्मीदवार बनाया था। भाजपा के 12 सांसद जीत गए है जबकि नौ को हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस ने सांसद ए. रेवंत रेड्डी और उत्तम कुमार रेड्डी को भी मैदान मे उतारा था, दोनो ने तेलंगाना मे जीत हासिल की है। विधानसभा चुनाव जीतने वाले सांसदो को अगले 14 दिन मे इनमे से(विधानसभा सदस्यता और संसद सदस्यता) एक का चयन करना होगा। संविधान विशेषज्ञ एवं लोकसभा के पूर्व महासचिव पी.डी.टी. आचारी ने संविधान के अनुच्छेद 101 के तहत 1950 मे राष्ट्रपति द्वारा जारी एक साथ दो सदनो की सदस्यता का प्रतिषेध संबंधी नियम का हवाला देते हुए कहा, यदि वे ऐसा नही करते है, तो 14 दिन की अवधि समाप्त होने पर वे संसद की सदस्यता खो देगे। हालांकि, वे राज्य विधानसभा केसदस्य बने रह सकते है।

तेलंगाना केचुनाव नतीजे आने के बाद केटीआर ने उड़ाया खुद का मजाक, सोशल मीडिया पर हंसी-मजाक

नई दिल्ली। विधानसभा चुनावो केपरिणाम सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर हंसी-मजाक, कटाक्ष और व्यंग्य का सिलसिला शुरू हो गया। तेलंगाना केनिवर्तमान मुख्यमंत्री केचंद्रशेखर राव के बेटे केटी. रामा राव ने राज्य केचुनाव मे कांग्रेस से अपनी पार्टी बीआरएस की हार के बाद अपनी एक दिन पुरानी पोस्ट साझा करते हुए खुद पर कटाक्ष किया। रामा राव ने एक्स पर पिस्तौल से निशाना साधते हुए अपनी एक तस्वीर पोस्ट की थी और लिखा थाः हट्रिक लोडिंग 3.0। जश्न मनाने केलिए तैयार हो जाइए दोस्तो। जैसे ही यह स्पष्ट हो गया कि तेलंगाना मे कांग्रेस जीत रही है, रामा राव ने अपने ही पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा,निशाना चूक गया। इससे पहले, तेलंगाना कांग्रेस ने एक्स पर पिस्तौल के साथ रामाराव की तस्वीर साझा करते हुए कटाक्ष किया, क्या आप कार के टायरो को निशाना बना रहे थे? मतगणना शुरू होने से पहले अपनी पार्टी की जीत का दावा कर रहे कांग्रेस केमध्य प्रदेश प्रभारी रणदीप सुरजेवाला पर निशाना साधते हुए भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, श्रीमान, कांग्रेस ने कितनी मिठाई बनवाई थी? कृपया उस सब की सूची तैयार करे, भोजन बर्बाद नही होना चाहिए।

कांग्रेस नेता उदित राज ने तीन राज्य केचुनावों में मिली हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावो मे पार्टी की हार का ठीकरा इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर फोड़ते हुए रविवार को कहा कि इस तरह केनतीजो की उम्मीद नही थी।उन्होने एक्स पर कहा, जरूर ईवीएम मे कुछ हुआ है वरना ऐसे नतीजो की उम्मीद नही थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केपूर्व सांसद और कांग्रेस केदलित नेता उदित राज ने कहा, आज केचुनाव परिणाम के बाद लगता है जनतंत्र और संविधान का बचना मुश्किल है। उदित राज की यह प्रतिक्रिया राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के उस बयान के बाद आई है, जिसमे पवार ने कहा था कि उन्हे हैरानी नही होगी अगर विधानसभा चुनाव केनतीजो के बाद विपक्षी गठबंधन इंडिया ईवीएम को जिम्मेदार ठहराने लगे।पवार ने कहा, मुझे हैरानी नही होगी अगर विपक्षी गठबंधन इंडिया के लोग नतीजो केलिए ईवीएम को जिम्मेदार ठहराना शुरू कर दे।

मप्र, राजस्थान, तेलंगाना में एक फीसदी से भी कम मतदाताओं ने नोटा चुनाअ छत्तीसगढ़ में 1.26 फीसदी ने

नई दिल्ली। रविवार को जिन चार राज्यो मे मतगणना हो रही है, उनके आंकड़ो से यह प्रदर्शित होता है कि इनमे से तीन प्रदेशो मे एक प्रतिशत से भी कम मतदाताओ ने हाल मे संपन्न हुए विधानसभा चुनावो मे उपरोक्त मे से कोई नही (नोटा) का विकल्प चुना। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से यह जानकारी मिली। विधानसभा चुनाव पांच राज्यो मे कराए गए है और मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ तथा तेलंगाना मे मतगणना रविवार को हुई, जबकि मिजोरम मे मतगणना सोमवार को होगी। मध्य प्रदेश मे, हुए 77.15 प्रतिशत मतदान मे से 0.98 प्रतिशत मतदाताओ ने नोटा का विकल्प चुना। पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ मे, 1.26 प्रतिशत मतदाताओ ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर नोटा का बटन दबाया। तेलंगाना मे, 0.73 प्रतिशत मतदाताओ ने नोटा का विकल्प चुना। राज्य मे 71.14 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसी तरह, राजस्थान मे 0.96 प्रतिशत मतदाताओ ने नोटा का विकल्प चुना। राज्य मे 74.62 प्रतिशत मतदान हुआ। नोटा विकल्प पर पीटीआई-भाषा से बात करते हुए कंज्यूमर डेटा इंटेलीजेंस कंपनी एविसस माय इंडिया केप्रदीप गुप्ता ने कहा कि नोटा का इस्तेमाल .01 प्रतिशत से लेकर अधिकतम दो प्रतिशत तक किया गया। उन्होने कहा कि यदि कोई नई चीज शुरू की जाती है तो इसकी प्रभावकारिता इसके नतीजे पर निर्भर करती है। उन्होने कहा, मैने सरकार को इस बारे मे पत्र लिखा था कि अगर नोटा को सही मायने मे प्रभावी बनाना है, तो अधिकतम संख्या मे लोगो द्वारा इसका (नोटा का)बटन दबाए जाने पर नोटा को विजेता घोषित किया जाना चाहिए।

मप्र विस चुनावः मोदी और चौहान की लोकप्रियता, बूथ-स्तरीय प्रभावी रणनीति से भाजपा को मिली सफलता

नई दिल्ली। बूथ-स्तरीय प्रभावी रणनीति, मजबूत संगठनात्मक प्रयास और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की लोकप्रियता जैसे प्रमुख कारको की वजह से मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव मे भाजपा के पक्ष मे माहौल बना। पार्टी नेताओ ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान जनता, विशेषकर महिलाओ और युवाओ के बीच मामा के रूप मे बेहद लोकप्रिय है, जबकि एमपी के मन मे मोदी अभियान ने भी राज्य मे भाजपा के लिए समर्थन मजबूत करने मे मदद की। मतगणना के परिणामो और रुझानो के अनुसार, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कांग्रेस पर जोरदार जीत के साथ मध्य प्रदेश मे सत्ता बरकरार रखने की ओर तेजी से बढ़ रही है।पार्टी सूत्रो ने कहा कि चुनाव से पहले भाजपा को जिन चुनौतियो का सामना करना पड़ा, उनमे से एक चुनौती आंतरिक गुटबाजी और कार्यकर्ताओ के हतोत्साहित होने की थी। सूत्रो ने कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ताओ को संगठनात्मक स्तर पर एकजुट होकर प्रयास करने और भाजपा को सत्ता मे फिर से लाने के उद्देश्य के लिए काम करने को कहा गया था। एक सूत्र ने कहा, केंद्रीय नेतृत्व द्वारा राज्य के लिए तैनात किए गए नेताओ ने पार्टी के भीतर विभिन्न समूहो को एक साथ लाने और अपने जबरदस्त संगठनात्मक कौशल से कार्यकर्ताओ को प्रेरित करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक सूत्र ने कहा, राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव (संगठन) शिव प्रकाश सहित केंद्रीय नेतृत्व द्वारा राज्य के लिए तैनात किए गए नेताओ ने पार्टी के भीतर विभिन्न समूहो को एक साथ लाने और अपने जबरदस्त संगठनात्मक कौशल से कार्यकर्ताओ को प्रेरित करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नतीजे दिखाते हैं हिंदी पट्टी में कायम है मोदी का जादू

भाषा। नई दिल्ली

रविवार को आए विधानसभा चुनाव नतीजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील और शासन के मुद्दे पर केंद्रित भारतीय जनता पार्टी की रणनीति का स्पष्ट समर्थन करते नजर आए, जिससे हिंदी पट्टी में फिर से पैठ बनाने की कांग्रेस की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। ऐसे में इस धारणा को भी बल मिला है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में लगातार तीसरी बार सत्ताधारी दल जनता की पहली पसंद बन सकता है। भाजपा ने मुख्यमंत्री पद के लिए किसी चेहरे को आगे न करने की रणनीति अपनाई थी और मोदी सरकार के काम को मुख्य रूप से केंद्र में रखते हुए अभियान चलाया। इसे लेकर हालांकि कुछ हलकों में आशंका भी थी, क्योंकि पांच राज्यों के यह चुनाव कर्नाटक विधानसभा चुनाव के कुछ महीनों बाद हो रहे थे, जहां भाजपा की यह रणनीति कारगर नहीं साबित हुई थी। कर्नाटक में बड़ी जीत ने कांग्रेस की उम्मीदों को हवा दे दी थी कि आखिरकार उसे स्थानीय नेतृत्व और कल्याणकारी योजनाओं के जरिए भाजपा की चुनावी सफलता की काट मिल गई है, लेकिन रविवार के फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि मोदी का जादू अब भी कायम है। भाजपा के घोषणा-पत्र से लेकर प्रचार अभियान तक सबकुछ मोदी के इर्द-गिर्द घूमता नजर आया। घोषणा-पत्र में जहां मोदी की गारंटी का जिक्र था, तो वहीं कल्याण और विकास के वादों को पूरा करने के लिए जनता का समर्थन हासिल करने के लिए मिजोरम को छोड़कर शेष चुनावी राज्यों में प्रधानमंत्री मोदी ने घूम-धूम कर प्रचार किया। चुनाव की घोषणा के बाद उन्होंने राजस्थान और मध्य प्रदेश में 14-14 और छत्तीसगढ़ में पांच रैलियों को संबोधित किया। उन्होंने राजस्थान में दो और मध्य प्रदेश में एक बड़ा रोड शो किया, इसके साथ ही कई रैली स्थलों पर पहुंचने के लिए वह समर्थकों की भीड़ के बीच से होते हुए पहुंचे। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में पार्टी की जीत ने उसके कुछ नेताओं को भी चौंका दिया, क्योंकि ज्यादातर एग्जिट पोल ने पूर्व में कांग्रेस को बढ़त दी थी और बाद में उनके पूर्वानुमान मिले-जुले थे। पार्टी नेताओं ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के साथ मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हुए केंद्रीय नेतृत्व द्वारा तैयार किया गया प्रचार अभियान भी कारगर रहा। भाजपा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाया और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली सरकार के साथ मतदाताओं के कुछ वर्गों में कथित उदासीनता का मुकाबला गहन जमीनी काम और केंद्रीय मंत्रियों सहित कई क्षेत्रीय क्षत्रपों और सांसदों को चुनाव मैदान में उतारकर किया। चौहान हालांकि अपनी सरकार की योजनाओं, विशेषकर लाडली बहना योजना के इर्द-गिर्द अपना अभियान चलाकर और मतदाताओं के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाकर विरोधियों पर बढ़त बनाने में सफल रहे। उन्होंने खुद को लोगों के मामा के रूप में पेश किया और अधिकांश का मानना है कि रणनीति काम कर गई, खासकर एक मिलनसार और आम आदमी की उनकी छवि कांग्रेस के मुख्यमंत्री पद के चेहरे कमलनाथ के विपरीत थी, जिन्हें आलोचकों ने अहंकारी और टीम को साथ लेकर नहीं चलने वाला माना। तीन हिंदी भाषी राज्यों में कांग्रेस की हार से भाजपा को विशेष रूप से खुशी होगी, क्योंकि विपक्षी दल, खासकर उसके नेता राहुल गांधी द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग के मतदाताओं तक पहुंचने के लिए जातिगत जनगणना के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया था। कभी लोकलुभावन वादे करने को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधने वाली भाजपा हालांकि बाद में इस रणनीति पर कांग्रेस को टक्कर देती दिखी और बड़े वादे करने में पीछे नहीं रही।

विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद राहुल गांधी समझ गए होंगे कि पनौती कौन है : विजयवर्गीय

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर रविवार को निशाना साधते हुए कहा कि मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान मे भाजपा की प्रचंड जीत के बाद राहुल गांधी और उनकी पार्टी को शायद समझ मे आ गया होगा कि देश मे पनौती कौन है। गांधी ने क्रिकेट विश्व कप मे भारत की हार के बाद राजस्थान मे अपने चुनावी भाषण के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए पनौती शब्द का इस्तेमाल किया था। भारतीय टीम क्रिकेट विश्वकप मे लगातार 10 मैच मे जीत हासिल करने के बाद फाइनल मुकाबले मे ऑस्ट्रेलिया के हाथो हार गई थी। इस मैच को देखने प्रधानमंत्री भी गए थे। विजयवर्गीय ने प्रधानमंत्री को लेकर गांधी की पनौती वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए इंदौर मे संवाददाताओ से कहा, मैने पहले ही आपसे (मीडिया) कहा था कि जिन लोगो के पास संस्कार नही होते, वे पनौती जैसे शब्दो का इस्तेमाल करते है। जनता ने (मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के) चुनावी नतीजो के जरिए इन लोगो को जवाब दे दिया है। इस देश मे पनौती कौन है, यह बात इस शब्द का इस्तेमाल करने वाले नेता और उनकी पार्टी शायद समझ गई होगी। भाजपा महासचिव ने यह भी कहा कि मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ मे हम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के कारण विधानसभा चुनाव जीते है। हम आने वाले लोकसभा चुनावो मे 400 से ज्यादा सीटे जीतेगे। क्या मध्यप्रदेश मे जीत का श्रेय राज्य सरकार की लाडली बहना योजना को जाता है, इस सवाल पर उन्होने जवाब दिया कि कुछ दरबारी पत्रकारे इस बात को स्थापित करने मे लगे है।

चुनाव परिणाम लोगों के साथ मोदी के अटूट जुड़ाव का सबूत हैः ठाकुर

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को कहा कि तीन राज्यो मे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत लोगो के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अटूट जुड़ाव का साक्ष्य है।सूचना एवं प्रसारण मंत्री ठाकुर ने कहा कि मतदाताओ ने कांग्रेस एवं उसकी गारंटी को पूरी तरह खारिज कर दिया है तथा भाजपा के सुशासन, विकास एवं कल्याणकारी राजनीति पर भरोसा जताया है।उन्होने कहा, ए जीत मोदीजी के नेतृत्व और भाजपा मे लोगो के लगातार बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। यह जनता के अपने प्रिय प्रधानमंत्री और उनकी सुशासन, विकास एवं गरीब कल्याण की राजनीति के साथ अटूट जुड़ाव को दर्शाता है।

लोकसभा चुनाव में भाजपा के हैट्रिक की गारंटीः मोदी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● कहा-ये परिणाम कांग्रेस और उसके घमंडिया गठबंधन के लिए सबक है कि कुछ परिवारवादियों के एक मंच पर आ जाने से देश का भरोसा नहीं जीता जा सकता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों को आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हैट्रिक की गारंटी करार करार दिया और कांग्रेस सहित अन्य सभी विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि चार में से तीन राज्यों में भाजपा की जीत के बाद राष्ट्रीय राजधानी स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि यह नतीजा उन ताकतों को भी चेतावनी है, जो प्रगति और जन कल्याण की राजनीति के खिलाफ खड़े रहते हैं तथा कांग्रेस और उसके साथी विकास का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा, मोदी की गारंटी वाली गाड़ी, देश की सफलता की गारंटी बनेगी, ये भी मोदी की गारंटी है। आपको एक और बात याद रखनी है- जहां दूसरों से उम्मीद खत्म होती है, वहां से मोदी की गारंटी शुरु होती है। मोदी ने आरोप लगाया कि कि केंद्र की विभिन्न योजनाओं का विरोध करने के लिए कांग्रेस और उसके साथी भ्रष्टाचार में लग जाते हैं और गरीबों तक उन्हें पहुंचने में रुकावट डालने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी सभी पार्टियों को आज गरीबों ने चेतावनी दी है कि सुधर जाइए। सुधर जाइए वरना जनता आपको चुन-चुन करके साफ कर देगी। सबक यह भी है कि केंद्र सरकार की गरीब कल्याण की योजनाओं और उनके लिए भेजे जा रहे फंड के बीच में आने की कोशिश मत करो। जो बीच में आएगा, जनता उसे हटा देगी। कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए प्रधानमंत्री ने लोकतंत्र के हित में उसे सलाह दी की वह ऐसी राजनीति ना करे, जो देश विरोधी ताकतों को बल दे, देश को बांटने की चाह रखने वालों को मजबूती दे और देश को कमजोर करने वाले विचारों को गति दे। भारत माता की जय के नारे के साथ अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए मोदी ने चुनावी नतीजों को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व करार दिया और कहा कि ये चुनाव नतीजे घमंडिया गठबंधन के लिए भी बहुत बड़ा सबक हैं। उन्होंने कहा, सबक ये है कि सिर्फ कुछ परिवारवादियों के मंच पर एक साथ आ जाने से देश का भरोसा नहीं जीता जा सकता। देश की जनता का दिल जीतने के लिए राष्ट्रसेवा का जो जज्बा होना चाहिए, वो घमंडिया गठबंधन में नहीं है। गाली-गलौज, निराशा और नकारात्मकता फैलाने वाले इस घमंडिया गठबंधन को मीडिया की हेडलाइंस में जगह मिल सकती है, लेकिन जनता के दिल में स्थान नहीं दिला सकता। उन्होंने कहा, आज की इस हैट्रिक ने 2024 की हैट्रिक गारंटी दे दी है। ज्ञात हो कि 2024 में लोकसभा के चुनाव होने हैं। मोदी ने कहा कि आज के जनादेश ने यह भी साबित किया है कि भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और परिवारवाद को लेकर देश के हर नागरिक के दिल में जीरो टॉलरेंस बन रही है। उन्होंने कहा, आज देश को लगता है कि इन तीन बुराइयों को खत्म करने में अगर कोई प्रभावी है, तो वह भाजपा ही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध जो अभियान छेड़ रखा है, उसे भारी जन समर्थन मिल रहा है और यह उन दलों व नेताओं को मतदाताओं की ओर से साफ चेतावनी है, जो भ्रष्टाचारियों के साथ खड़े होने में जरा भी शर्म का अनुभव नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, उन लोगों को देश की जनता ने आज साफ-साफ संदेश दे दिया है। ऐसे लोग भांति-भांति के तर्कों से भ्रष्टाचारियों को कवच देते हैं। ऐसे लोग जो भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करने वाली जांच एजेंसियों को बदनाम करने में दिन-रात जुटे हुए हैं, वह समझ जाएं कि यह चुनाव नतीजे भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का भी जन समर्थन है। मोदी ने कहा कि आज सबका साथ, सबका विकास की भावना, विकसित भारत के आह्वान, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प, वंचितों को वरीयता के विचार और भारत के विकास के लिए राज्यों के विकास के सोच की जीत हुई है। उन्होंने कहा, आज ईमानदारी, पारदर्शिता और सुशासन की जीत हुई है। सभी चुनावी राज्यों के मतदाताओं के प्रति आभार प्रकट करते हुए मोदी ने कहा कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के लोगों ने भाजपा पर भरपूर विश्वास दिखाया है, तो तेलंगाना में भी भाजपा के प्रति समर्थन लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इन चुनावों में भाजपा ने मतदाताओं से जो वादे किए हैं, उन्हें शत-प्रतिशत पूरा करेगी। उन्होंने कहा, यह मोदी की गारंटी है। मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी। प्रधानमंत्री ने कहा कि तीनों राज्यों में महिलाओं, युवाओं, किसानों और गरीबों ने बढ़-चढ़कर भाजपा को समर्थन दिया है। उन्होंने विपक्षी दलों खासकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इस चुनाव में देश को जातियों में बांटने की बहुत कोशिश हुई। उन्होंने कहा, लेकिन मैं लगातार कहता रहा हूं कि मेरे लिए देश में चार जातियां ही सबसे बड़ी जातियां हैं। मैं जब इन जातियों की बात करता हूं, तो इसमें हमारी नारी शक्ति, हमारी युवा शक्ति, हमारे किसान और हमारे गरीब परिवार हैं। इन चार जातियों को सशक्त करने से ही देश सशक्त होने वाला है।

सनातन के दुश्मनों ने खुद को नष्ट कर लियाः विहिप

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने तीन राज्यो मे कांग्रेस को मिली चुनावी हार के बाद रविवार को कहा कि जो लोग सनातन धर्म को नष्ट करने निकले थे, उन्होने खुद को नष्ट कर लिया।विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने विपक्षी गठबंधन इंडिया के स्पष्ट संदर्भ मे एक्स पर एक पोस्ट मे कहा, जो लोग सनातन को नष्ट करने निकले थे, उन्हे आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ा...उउ आशा है मतो के लिए भटके और तुष्टीकरण मे फंसे इन लोगो को अब सनातन की ताकत समझ आएगी?

तेलंगाना विधानसभा चुनाव में जनसेना पार्टी के आठों प्रत्याशियों की जमानत जब्त

हैदराबाद। अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण की अगुवाई वाली जनसेना पार्टी ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव मे आठ सीटो पर उम्मीदवार उतारे थे और सभी सीटो पर उसके प्रत्याशियो की जमानत जब्त हो गई। केवल कुकटपल्ले विधानसभा क्षेत्र मे वह कुछ मुकाबले मे दिखी लेकिन वहां भी वह तीसरे स्थान पर रही।पार्टी ने कुकटपल्ले, खम्मम, कोठागुडुम, वरया, अश्वरावपेटा, कोडाड, नागरकुरुनुल और तंदूर सीट पर विधानसभा चुनाव लड़ा था।उसने अपने राजग सहयोगी भाजपा के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ा था। अभिनेता कल्याण तेलंगाना के मतदाताओ पर अपना जादू नही चला पाए।

तेलंगाना चुनावः केसीआर मंत्रिमंडल के छह मंत्री हारे, विस अध्यक्ष जीते

भाषा। हैदराबाद

तेलंगाना विधानसभा चुनाव में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के छह मंत्रियों को भी हार का सामना करना पड़ा।पराजित मंत्री एंबेली दयाकर राव, पुव्वाडा अजय कुमार, इंद्रकरण रेड्डी, श्रीनिवास गौड, कोप्पुला ईश्वर और एस निरंजन रेड्डी हैं। विधानसभा अध्यक्ष पोचारम श्रीनिवास रेड्डी ने बांसवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र से अपने निकटतम कांग्रेसी प्रतिद्वंद्वी ई. श्रीनिवास रेड्डी पर 23,464 मतों के अंतर से जीत हासिल की। पालकुर्थी में कांग्रेस की यशस्विनी ममीडाला ने दयाकर राव को 47,000 से अधिक वोटों से हराया, जबकि निर्मल में भाजपा के अल्लेटी महेश्वर रेड्डी ने इंद्रकरण रेड्डी को 50,000 से अधिक वोटों से शिकस्त दी। कोप्पुला ईश्वर को धर्मपुरी में कांग्रेस के ए. लक्ष्मण कुमार ने 22,000 से अधिक वोटों से हराया, जबकि निरंजन रेड्डी वानापर्थी में मेघा रेड्डी तुडी से 25,000 से अधिक वोटों से हार गए। अजय कुमार कांग्रेस के तुम्मला नागेश्वर राव से 48,000 से अधिक वोटों से हार गए, जबकि श्रीनिवास गौड को कांग्रेस के एन्नम श्रीनिवास रेड्डी ने लगभग 19,000 मतों से हराया।

शिवराज कैबिनेट के 10 से ज्यादा मंत्री हार गए

भोपाल,। मध्यप्रदेश केविधानसभा चुनाव मे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को दो तिहाई बहुमत मिल गया है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, प्रदेश की 230 विधानसभा सीट मे से भाजपा के उम्मीदवार 159 सीट जीत चुके है जबकि चार सीट पर आगे चल रहे है। वही कांग्रेस ने अब तक 63 सीट पर जीत दर्ज की है और वह तीन सीट पर आगे चल रही है।भाजपा मध्य प्रदेश मे सत्ता बरकरार रखने के साथ ही अपने विधायको की संख्या बढ़ाने मे सफल रही जबकि शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल के 10 से अधिक मौजूदा मंत्री पराजित हो गए है। जिन अन्य प्रमुख मंत्रियो को हार का सामना करना पड़ा उनमे अटेर से अरविंद भदोरिया, हरदा से कमल पटेल और बालाघाट से गौरीशंकर बिसेन शामिल है।

मोदी को युगपुरुष बताने को सही ठहराया धनखड़ ने

भाषा। मुंबई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ में उनके लिए युगपुरुष शब्द के इस्तेमाल पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि उन्होंने बहुत सोच समझकर इसका इस्तेमाल किया और इस मसले पर वह पीछे नहीं हटेंगे। मुंबई में पिछले महीने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, धनखड़ ने महात्मा गांधी को पिछली सदी का महापुरुष बताया था, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस सदी का युगपुरुष कहा था, जिसकी कुछ हलकों से आलोचना हुई थी। रविवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए उन्होंने इस शब्द के इस्तेमाल का बचाव किया। उन्होंने कहा, मैं पीछे नहीं हटा हूं। बहुत सचेत होकर मैंने मुंबई में एक समारोह में हमारे प्रधानमंत्री को युगपुरुष कहा था। आप युवा लड़के-लड़कियां, विश्लेषण करें, सार्वजनिक डोमेन पर जाएं और उन विशेषताओं का पता लगाएं, जिनके लिए हम युगपुरुष शब्द का इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने कहा, आखिरकार, किसी विशेष समय पर एक युगपुरुष को होना ही होगा[8230] भारत से बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती। एक व्यक्ति जिसने हमारी लड़कियों के जीवन को बदल दिया और क्रांतिकारी बदलाव लाया... बैंकिंग समावेशन क्रांति की कल्पना करें... किसी ने कभी इसके बारे में नहीं सोचा था।

स्टालिन ने विधानसभा चुनाव में जीत पर कांग्रेस, भाजपा को बधाई दी

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष तथा तमिलनाडु केमुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने रविवार को कांग्रेस पार्टी को तेलंगाना मे जीत और भाजपा को राजस्थान सहित तीन राज्यो मे विजई होने के लिए बधाई दी। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट मे स्टालिन ने कहा, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनावो मे विजेता दलो को बधाईउ उन्हे सभी वर्गों के लोगो के लिए सकारात्मक बदलाव, प्रगति और समृद्धि से भरे कार्यकाल की शुभकामनाएं।द्रमुक विपक्षी गठबंधन इंडिया मे कांग्रेस की प्रमुख सहयोगी है।

छत्तीसगढ. :बघेल ने इस्तीफा सौंपा

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव मे कांग्रेस को मिली हार केबाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रविवार को राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौप दिया ।

अंतिम टी-20 में भारत ने मारी बाजी

● ऑस्ट्रेलिया को छह रन से हराया

● श्रृंखला 4-1 से जीती

भाषा। बेंगलुरु

भारत ने रविवार को यहां पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया को छह रन से हराकर श्रृंखला 4-। से जीती। भारत ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद आठ विकेट पर 160 रन बनाए। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम 8 विकेट पर 154 रन ही बना पाई। इससे पहले श्रेयस अय्यर के अर्धशतक की मदद से भारत ने चिन्नास्वामी स्टेडियम की धीमी पिच पर नियमित अंतराल में विकेट गंवाने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में आठ विकेट पर 160 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने कसी गेंदबाजी करके भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया। वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले अय्यर ने 37 गेंद पर 53 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और दो छक्के शामिल हैं। उनके अलावा सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे अक्षर पटेल ने 21 गेंद पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 31 रन का उपयोगी योगदान दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद पावरप्ले के छह ओवर में 42 रन बनाए और इस बीच चार गेंद के अंदर दोनों सलामी बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल (15 गेंद पर 21) और रुतुराज गायकवाड (12 गेंद पर 10) के विकेट गंवाए।जायसवाल ने आरोन हार्डी और जेसन बेहरनडॉर्फ (38 रन देकर दो विकेट) पर छक्के लगाए लेकिन पिछले कुछ मैचों की तरह एक और लंबा शॉट खेलने के प्रयास में उन्होंने गेंद हवा में लहराकर पवेलियन की राह पकड़ी। गायकवाड भी सही टाइमिंग से बड़ा शॉट नहीं खेल पाए और मिड ऑफ पर कैच दे बैठे। बेन ड्वारश्विस (30 रन देकर दो विकेट) ने गायकवाड को आउट करने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव (05) को भी पवेलियन भेजा, जो शुरू में मिले जीवनदान का फायदा नहीं उठा पाए।

स्कोरबोर्ड

भारत पारी: यशस्वी जायसवाल का एलिस बो बेहरनडोर्फ 21, गायकवाड़ का बेहरनडोर्फ बो ड्वारशुइस 10,अय्यरबो एलिस 53, यादव का मैक्डरमॉट बो ड्वारशुइस 05,रिंकू का डेविड बो सांघा 06,जितेश का शॉर्ट बो हार्डी 24,अक्षर का हार्डी बो बेहरनडोर्फ 31, बिश्नोई,रन आउट 02,अर्शदीप नाबाद 02,**अतिरिक्त:** (बाई: 01, लेग बाई: 02, वाइड: 03) 06,**कुल योग:** (20 ओवर मे आठ विकेट पर) 160 रन,**विकेट पतन:** I-33, 2-33, 3-46, 4-55, 5-97, 6-143, 7-156, 8-160,**गेंदबाजी:**हार्डी 4-0-21-I,बेहरनडोर्फ 4-0-38-2,ड्वारशुइस 4-0-30-2,एलिस 4-0-42-I,सांघा4-0-26-I

ऑस्ट्रेलिया पारी : हेड बो बिश्नोई 28,फिलिप्स बो मुकेश 04,मैक्डरमॉट का रिंकू बो अर्शदीप 54, हार्डीका अय्यर बो बिश्नोई 06,डेविड का आवेश बो अक्षर 17,शॉर्ट का रुतुराज बो मुकेश 16,वेड का अय्यर बो अर्शदीप 22,ड्वारशुइसबो मुकेश 00, एलिस नाबाद 04,बेहरनडोर्फ नाबाद 02,**अतिरिक्त:** (वाइड: 01) 01,**कुल योग:** (20 ओवर मे आठ विकेट पर) 154 रन,**विकेट पतन:** I-22, 2-47, 3-55, 4-102, 5-116, 6-129, 7-129, 8-151,गेंदबाजी: अर्शदीप4-0-40-2,आवेश 4-0-39-0,मुकेश 4-0-32-3, बिश्नोई 4-0-29-2,अक्षर 4-0-14-I

त्रिपुरा ने मुंबई के खिलाफ किया उलटफेर, दिल्ली ने चंडीगढ़ को हराया

बेंगलुरु। त्रिपुरा ने विजय हजारे ट्रॉफी राष्ट्रीय एकदिवसीय टूर्नामेंट में ग्रुप ए के मैच में रविवार को यहां मुंबई को 53 रन से हराकर बड़ा उलटफेर किया। इस हार के बावजूद मुंबई छह मैचों में 20 अंक लेकर ग्रुप तालिका में शीर्ष स्थान के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए अच्छी स्थिति में है। टीम का ग्रुप चरण में एक मैच बचा हुआ है। त्रिपुरा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 288 रन बनाए। मुंबई को बारिश के कारण वीजेडी प्रणाली से इस मैच को जीतने के लिए 43 ओवर में 265 रन का लक्ष्य मिला।त्रिपुरा ने अनुभवी अजिंक्य रहाणे की अगुवाई वाली टीम को 40.3 ओवर में 211 रन पर आउट कर दिया। त्रिपुरा की जीत में हरफनमौला मणिशंकर मुरासिंह का शानदार योगदान रहा। उन्होंने 26 गेंद में नाबाद 55 रन की ताबड़तोड़ पारी खेलने के बाद 8.1 ओवर में 23 रन देकर चार विकेट चटकाए।

इंग्लैंड ए की महिला टीम ने टी-20 श्रृंखला 2-1 से जीती

भारत को दो विकेट से हराया

भाषा। मुंबई

इस्सी वोंग के हरफनमौला खेल से इंग्लैंड महिला ए ने रविवार को यहां भारत को दो विकेट से हराकर तीन मैचों की टी20 श्रृंखला 2-। से अपने नाम की। वोंग ने 18 रन देकर दो विकेट लेने के बाद कम स्कोर वाले मैच में 30 गेंद में 28 रन की नाबाद पारी खेल टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत ए ने पहले बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद 19.2 ओवर में 101 रन बनाए। इंग्लैंड ए महिला टीम ने 19.2 ओवर में आठ विकेट पर 104 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। मीनू मणि की अगुवाई वाली टीम ने 16वें ओवर में 81 रन तक इंग्लैंड महिला ए के आठ विकेट चटका लिए थे लेकिन विजई चौका जड़ने वाली वोंग ने क्रिस्टी गोर्डन (नौ गेंद में नाबाद 10 रन) के साथ नौवें विकेट के लिए 23 रन की अटूट साझेदारी कर टीम की जीत पर मुहर लगा दी। वोंग ने इससे पहले श्रृंखला के दूसरे मैच में भी 15 गेंद में नाबाद 35 रन की पारी खेलकर टीम को छह विकेट से जीत दिलाई थी। भारत ने पहला मैच तीन रन से जीता था। इंग्लैंड के लिए कप्तान हॉली आर्मिताज ने 28 गेंद में 27 रन जबकि सेरेन स्माले ने 18 रन का योगदान दिया।

रोडमैन के गोल से अमेरिका की महिला फुटबॉल टीम ने चीन को हराया

फोर्ट लॉडरडेल (फ्लोरिडा)। ट्रिनिटी रोडमैन ने एक गोल करने के अलावा दो गोल करने में मदद की जिससे अमेरिका ने शनिवार को यहां महिलाओं के प्रदर्शनी फुटबॉल मैच में चीन को 3-0 से हरा दिया। चीन के खिलाफ दो प्रदर्शनी मुकाबलों के पहले मैच में रोडमैन के अलावा सोफिया स्मिथ और लिंडसे होरान ने भी गोल दागे। दूसरा प्रदर्शनी मैच टेक्सास के फ्रिस्को में मंगलवार को खेला जाएगा। सोफिया ने आठवें मिनट में रोडमैन के पास पर गोल दागकर अमेरिका को बढ़त दिलाई। राष्ट्रीय टीम की ओर से 37 मैच में यह सोफिया का 15वां गोल था।

रियाज ने बट को राष्ट्रीय चयन पैनल से हटाया

लाहौर। पाकिस्तान के मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज ने पूर्व दागी कप्तान सलमान बट को राष्ट्रीय चयन पैनल में शामिल करने के एक दिन बाद गहन समीक्षा करते हुए अपने फैसले को पलट दिया। स्पॉट फिक्सिंग के लिए पांच साल के प्रतिबंध के बाद 2016 में क्रिकेट में सफल वापसी करने वाले 39 वर्षीय बट को शुक्रवार को उनके पूर्व साथी कामरान अकमल और राव इफ्तिखार अंजुम के साथ मुख्य चयनकर्ता रियाज का सलाहकार सदस्य नियुक्त किया गया था।

न्यूकासल ने मैनचेस्टर यूनाईटेड को हराया

लंदन। खिलाड़ियो की चोटो से जूझने के बावजूद न्यूकासल यूनाईटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में शनिवर को यहां मैनेचस्टर यूनाईटेड को।-0 से हरा दिया। न्यूकासल के मैनेजर एडी होवे को लगातार तीसरे मैच में समान एकादश के साथ शुरुआत करने को मजबूर होना पड़ा लेकिन उनके खिलाड़ी उम्मीद पर खरे उतरते हुए जीत दर्ज करने मे सफल रहे। मैच का एकमात्र गोल 55वे मिनट मे एंथोनी गोर्डन ने किया जो न्यूकासल को जीत दिलाने के लिए काफी था।

लीग वन मैच के दौरान हिंसा से जुड़े मामले में नैनटेस समर्थक की मौत

नैनटेस (फ्रांस)। फ्रांस मे घरेलू फुटबॉल के मौजूदा सत्र मे हिंसा की नवीनतम घटना मे नीस पर।-0 से जीत से पहले हुई हिंसा मे नैनटेस के एक समर्थक की शनिवार को मौत हो गई। लीग वन (देश की शीर्ष फुटबॉल लीग) की टीम नैनटेस ने रात मे एक बयान मे कहा कि क्लब स्टेडियम के करीब यह प्रशंसक हमले मे गंभीर रूप से घायल हो गया था। क्लब ने कहा, हिंसा का यह मामला न्यायिक जांच का विषय है। इस 31 साल के प्रशंसक की पीठ मे गंभीर चोट लगी थी।

मेदजेदोविच ने फिल्स को हराकर नेक्स्ट जेन फाइनल्स चैंपियनशिप जीती

जेद्दा (सऊदी अरब)। हेमाद मेदजेदोविच ने शनिवार को यहां शीर्ष वरीय आर्थर फिल्स को हराकर उलटफेर करते हुए नेक्स्ट जेन फाइनल्स टेनिस चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। मेदजेदोविच ने दो घंटे और 11 मिनट चले फाइनल में फिल्स को पांच सेट मे 3-4 (6), 4-I, 4-2, 3-4 (9), 4-I से हराया। टूर्नामेंट के छह सत्र में यह पहला मौका है जब फाइनल मे पांच सेट खेले गए।

शेफ्लर वर्ल्ड चैलेंज में शीर्ष पर बरकरार

नसाउ। दुनिया के नंबर एक गोल्फर स्कॉटी शेफ्लर ने शनिवार को यहां तीसरे दौर में सात अंडर 65 के हफ्ते के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ वर्ल्ड चैलेंज गोल्फ टूर्नामेंट मे बढ़त बरकरार रखी। यहां पिछले दो टूर्नामेंट के उप विजेता अमेरिका के शेफ्लर ने पहले दो दौर में 69 और 66 का स्कोर बनाया था।

स्वर्णिम जीत से चूकी अश्विनी-तनीषा की जोड़ी

● सैयद मोदी बैडमिंटन के फाइनल में हारी

लखनऊ। अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रैस्टो की भारतीय जोड़ी को रविवार को यहां सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त रिन इवानागा और केई नाकानिशी से हार का सामना करना पड़ा। इस साल नेंट्स इंटरनेशनल चैलेंज और अबू धाबी मास्टर्स सुपर 100 का खिताब अपने नाम करने वाली दुनिया की 32वें नंबर की भारतीय जोड़ी ने विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज जापान की जोड़ी के खिलाफ कड़ा संघर्ष किया लेकिन उन्हें 77 मिनट तक चले मुकाबले में 14-21, 21-17, 15-21 से शिकस्त मिली। सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने मैच में अच्छी शुरुआत की लेकिन शुरुआती गेम में दबाव में बिखर गई। 36 साल की अश्विनी और 20 साल की तनीषा ने इस साल जनवरी में एक साथ खेलना शुरू किया था। इस जोड़ी ने दूसरा गेम जीतने के बाद तीसरे गेम में I-8 से पिछड़ रही थी लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए स्कोर को 13-15 किया। भारतीय जोड़ी इसके बाद लय को बरकरार नहीं रख सकी और मुकाबले को गंवा दिया। मैच की शुरुआत में तनीषा के शानदार प्लेसमेंट की दम पर

भारतीय जोड़ी ने 7-4 की बढ़त बनाई। रिन और केई ने इसके बाद लगातार तीन अंक बनाए। ब्रेक के समय तनीषा और अश्विनी की जोड़ी 11-8 से आगे थी। जापान की जोड़ी ने इसके बाद लगातार चार अंक जुटाए और फिर भारतीय जोड़ी ने कई गलतियां की जिससे वह 12-18 से पिछड़ गई। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने 6-3 की बढ़त के साथ शुरुआत की।

पुरुष सिंगल्स में जेन, महिला सिंगल्स में आकोहुरा चैंपियन

दूसरी ओर पुरुष सिंगल्स के फाइनल में चीनी ताइपे के ची यू जेन ने दूसरी वरीय जापान के केंटा निशिमोतो को रोमांचक मुकाबले में 20-22, 21-12, 21-17 से हराया। विश्व रैंकिंग में 12वीं वरीयता जापानी खिलाड़ी केंटा ने इसके पहले मुकाबले के बाद पहला गेम 22-20 से जीता दूसरे गेम में विश्व रैंकिंग में 48वरीयता 26 साल के ची यू जेन ने उम्दा कोर्ट कवरेज के सहारे बाद 21-12 से जीत लिया। तीसरे व निर्णायक गेम में ची यू जेन को प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अंक जुटाने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ी। महिला सिंगल्स फाइनल में जापान की नोजोमी आकोहुरा ने पांचवीं वरीय डेनमार्क की लेन हाजमार्क केजरफेल्ड डेनमार्क को 21-19, 21-16 से हराया। पुरुष डबल्स में विश्व रैंकिंग में 93वीं व टूर्नामेंट की गैर वरीय चुंग होन जियान व मोहम्मद हैकल की मलेशियाई जोड़ी ने विश्व रैंकिंग में 16वीं वरीय जोड़ी के खिलाफ खिताबी जीत दर्ज की। मिक्स डबल्स का खिताब इंडोनेशिया के दूसरी वरीय डेजन फर्डिनन्स्याह व ग्लोरिया इमानुएल विजाजा ने जीता जिन्होंने फाइनल में पांचवीं वरीय जापान की यूकी कनेको व मिसाकी मतसुतोमो को 20.22ए 21.19ए 25.23 से हराया। चैंपियनशिप के समापन व पुरस्कार वितरण समारोह में उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा उत्तर प्रदेश के खेल सचिव सुहास एलवाई उत्तर प्रदेश बैडमिंटन संघ के चेयरमैन विराज सागर दास, उत्तर प्रदेश बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष डा.नवनीत सहगल, श्रीमती अलका दास ;दरफलन बीबीडी ग्रुप सुश्री सोनाक्षी दास उपाध्यक्ष बीबीडी उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव डा.आनन्देश्वर पाण्डेय व उत्तर प्रदेश बैडमिंटन संघ के महासचिव डाण्सुधमी सिंह द्वारा विजेताओं व उपविजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

अभिनव चौधरी पुरुष रेपिड फायर राष्ट्रीय चैंपियन बने

भोपाल। राजस्थान के अभिनव चौधरी ने रविवार को यहां राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुष 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल का खिताब जीता। अभिनव ने एमपी राज्य निशानेबाजी अकादमी रेंज में फाइनल में 30 अंक के साथ उत्तर प्रदेश के अंकुर गोयल को पछाड़ा जिन्होंने 26 अंक जुटाए। दिल्ली के अर्पित गोयल 21 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। अभिनव ने इससे पहले क्वालीफिकेशन में 584 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए छह निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई थी। जूनियर पुरुष रेपिड फायर पिस्टल में विजयवीर सिद्धू ने फाइनल में 28 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले हरियाणा के अनीश भानवाला ने 25 अंक के साथ रजत पदक जीता। अनीश (578) ने हालांकि समीर (578) और आदर्श सिंह (571) के साथ मिलकर कुल 1727 अंक के साथ पुरुष टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। विजयवीर, उनके जुड़वां भाई उदयवीर और राजकंवर ने जूनियर टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

अगर कोई क्रिकेटर कमिंस से प्रेरणा नही लेता तो वह गलत खेल में है : इयान चैपल

सिडनी। आस्ट्रेलिया के महानतम कप्तानो में से एक इयान चैपल ने कहा कि अगर पैट कमिंस की प्रेरणादाई कप्तानी, शानदार कौशल और मैदान के अंदर और बाहर का आचरण उनके साथी खिलाड़ियों को प्रेरित नही करता तो वे गलत खेल मे है। कमिंस ने छह महीने के दौरान एशेज खिताब बरकरार रखा, विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीती और भारत में वनडे विश्व कप जीता है। चैपल ने ईएसपीएन क्रिकइंफो मे अपने कॉलम में लिखा, कोई भी क्रिकेटर अगर कमिंस से प्रेरणा नही ले पाता है तो वह गलत खेल मे है। उन्होने लिखा, कमिंस हमेशा ही अच्छे कप्तान बनते। कुछ देर के लिए अगर उनके तेज गेंदबाज के तौर पर कप्तान के कारण होने वाली मुश्किलो को नजरअंदाज कर दिया जाए तो वह आस्ट्रेलियाई टीम मे सबसे ज्यादा प्रेरणादाई खिलाड़ी है जिसे क्रिकेट की समझ है। वही अगर उनके साथ क्रिकेट खेलने वाले कुछ बड़े नाम की बात की जाए तो वे आक्रामकता का मुखौटा पहने होते है, बेकार की छीटाकशी करते है लेकिन यही कमिंस अपने प्रदर्शन से उन पर बाजी मार लेते है। चैपल ने लिखा, कमिंस और उनकी टीम को खेलते हुए देखना अच्छा लगता है। कमिंस की टीम के अति आक्रामक होने की बात की जाती है लेकिन इसमें नकारात्मक प्रभाव नही दिखता। मैं उन्हें मार्क वॉ और अनिल कुंबले की श्रेणी में रखूंगा जो काफी प्रतिस्पर्धी थे। विश्व क्रिकेट के सबसे सम्मानित खिलाड़ियों मे शुमार चैपल ने कहा, बड़बोलापन आपको चुनौतीपूर्ण खिलाड़ी नही बनाता बल्कि यह इसके विपरीत होता है। बल्कि कमिंस एक शानदार तेज गेंदबाज है और अक्सर उनकी इसलिए प्रशंसा की जाती है क्योंकि वह जरूरत पड़ने पर विकेट दिलाता है। वह ऐसा गेंदबाज है जो नियमित रूप से प्रतिद्वंद्वी टीम के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजो को परेशान करता है। यही खासियत उसे प्रेरणादाई कप्तान बनाती है।

बढ़ रहा इंडियन रेसिंग व मोटरस्पोर्ट्स का क्रेज

बेंगलुरु। एक्सानमोबिल इस वर्ष इंडियन रेसिंग फेस्टिवल को पावर देकर भारत के तेजी से बढ़ते मोटरस्पोर्ट्स सेक्टर को ऊपर उठा रहा है। जिसमें देश में पहली बार एफ4 इंडियन चैंपियनशिप और चेन्नई के मद्रास इंटरनेशनल सर्किट -एमआईसी और नए फॉर्मूला रेसिंग सर्किट-एफसीआर में आयोजित होने वाली इंडियन रेसिंग लीग -आईआरएल का दूसरा सीजन शामिल है। यह वर्ष पहली बार भारत और दक्षिण एशिया में शहर के केंद्र में द्वीप मैदानों के आसपास स्थित एफसीआर में रात की रेस का एक रोमांचक कैलेंडर शामिल है। यह रेसिंग प्रमोशन प्राइवेट लिमिटेड - आरपीपीएल के साथ एक्सानमोबिल की लगातार दूसरे वर्ष की साझेदारी का हिस्सा हैए जो देश में मोटरस्पोर्ट्स की लोकप्रियता और पहुँच को बढ़ाने और इसे सभी रेसर्स के लिए अधिक किफायती बनाने की अपनी प्रतिबद्धता से प्रेरित है। एक्सॉन मोबिल ल्यूब्रिकेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ विपिन राणा ने कहारू ष्भारत के मोटरस्पोर्ट्स सीन ने सभी सिलेंडरों पर फायरिंग कीए जिससे कई भावुक रेसर्स सुर्खियों में आए और इंडियन रेसिंग फेस्टिवल द्वारा पेश किए गए अवसर का लाभ उठाया। वैश्विक मोटरस्पोर्ट्स में देश की स्थिति को ऊपर उठाने वाले आरपीपीएल के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से हम न केवल आईआरएल सीजन 1 की सफलता पर गर्व कर रहे हैं बल्कि देश में पहली बार एफ4 इंडियन चैंपियनशिप को भी शक्ति प्रदान कर रहे हैं जो खेल के लिए एक गेम चेंजर होगा। उनके शक्तिशाली मशीनों को निर्बाध प्रदर्शन प्रदान करने में डवइपस 1 ज्ड में रेसर के विश्वास को यह निरंतर सहयोग गहराई से रेखांकित करता है। मोटरस्पोर्ट्स के प्रति उत्साही लोगों के मजबूत समुदाय का निर्माण करने के अलावा हम आत्मविश्वास और सच्ची खेल भावना के मूल्यों को उजागर कर रहे हैं और मोटरस्पोर्ट्स के लिए अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए अधिक युवा लोगों को सशक्त बना रहे हैं।

खेल रत्न, अर्जुन पुरस्कार समिति के अध्यक्ष होंगे सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति खानविलकर

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति एएम खानविलकर मेजर ध्यानचंद खेल रत्न, अर्जुन और द्रोणाचार्य पुरस्कार की 12 सदस्ईय चयन समिति की अध्यक्षता करेंगे। खेल मंत्रालय ने रविवार को यह घोषणा की।समिति में छह प्रमुख खेल हस्तियां भी शामिल है, जिनमे पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान धनराज पिल्लै, ओलंपियन मुक्केबाज अखिल कुमार, निशानेबाज शुमा शिरूर, टेबल टेनिस में आठ बार के राष्ट्रीय चैंपियन कमलेश मेहता प्रमुख है। मेहता भारतीय टेबल टेनिस महासंघ का प्रतिनिधित्व करेंगे।भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा, बैडमिंटन खिलाड़ी और मिशन ओलंपिक इकाई की सदस्य तृप्ति मुरगुंडे तथा पावरलिफ्टिंग महासंघ के फरमान बाशा भी समिति में शामिल है।दैनिक जागरण के खेल संपादक अभिषेक त्रिपाठी मीडिया के प्रतिनिधि के रूप में समिति में शामिल हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के महानिदेशक संदीप प्रधान, लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम के पुष्पेंद्र गर्ग और खेल मंत्रालय के संयुक्त सचिव प्रेम कुमार झा सरकारी अधिकारियों के रूप मे समिति मे शामिल किए गए है।

यूरो 2024: मेजबान जर्मनी ग्रुप ए में हंगरी, स्कॉटलैंड और स्विट्जरलैंड के साथ

हैम्बर्ग। मेजबान जर्मनी को अगले साल होने वाली यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के शनिवार को हुए ड्रॉ मे हंगरी, स्कॉटलैड और स्विट्जरलैंड के साथ ग्रुप ए मे रखा गया है। जर्मनी के लिए 2023 का साल निराशाजनक रहा और टीम 2024 मे बेहतर प्रदर्शन के साथ अपना दावा मजबूत करने की कोशिश करेगी। सितंबर मे कोच जूलियन नेगल्समैन के जर्मनी के साथ जुड़ने के बाद से टीम ने दो मैत्री मैच गंवाए है जबकि टीम को 2023 मे 13 मैत्री मैच मे से छह मे हार का सामना करना पड़ा। इस 24 टीम के टूर्नामेंट के ग्रुप बी मे गत चैंपियन इटली और स्पेन एक बार फिर भिड़ते हुए नजर आएंगे। टूर्नामेंट की इन दो सबसे सफल टीम ने यूरोपीय चैंपियनशिप के पिछले चार मे से तीन खिताब जीते है। ग्रुप की दो अन्य टीम क्रोएशिया और अल्बानिया है। ग्रुप सी मे इंग्लैड, डेनमार्क, स्लोवेनिया और सर्बिया को जगह मिली है जबकि ग्रुप डी मे फ्रांस, ऑस्ट्रिया, नीदरलैड के अलावा एक प्ले ऑफ (पोलैड, एस्टोनिया, वेल्स या फिनलैड मे से एक) विजेता को शामिल किया गया है।

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए वार्नर ऑस्ट्रेलियाई टीम में

सिडनी। डेविड वार्नर को पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट की घरेलू श्रृंखला के पहले मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम मे शामिल किया गया है जिससे उन्हे सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) मे संभावित विदाई का मौका मिल सकता है। रविवार को घोषित टीम मे 37 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वार्नर को भी जगह मिली है। यह टीम हालांकि पर्थ मे 14 से 19 दिसंबर तक होने वाले पहले टेस्ट के लिए ही है।यदि वह मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए टीम मे जगह बरकरार रखते है तो फिर उन्हे तीन से सात जनवरी तक अपने घरेलू मैदान एससीजी मे होने वाले तीसरे और अंतिम टेस्ट मे स्वप्निल विदाई का मौका मिल सकता है। वार्नर का हाल मे टेस्ट क्रिकेट मे फॉर्म मिश्रित रहा है और 2019 मे एडीलेड मे पाकिस्तान के खिलाफ तिहरा शतक जड़ने के बाद से उनका औसत 28 का रहा है। उन्होंने सीमित ओवरों के प्रारूप मे खेलना जारी रखने और सिडनी मे टेस्ट करियर को अलविदा कहने की अपनी इच्छा स्पष्ट कर दी है। वार्नर पहले टेस्ट मे उस्मान ख्वाजा के साथ पारी का आगाज करेंगे जबकि सलामी बल्लेबाज कैमरन बेनक्राफ्ट, मैट रेनशॉ और मार्कस हैरिस के पास प्रधानमंत्री एकादश की ओर से खेलते हुए टीम मे जगह बनाने का दावा मजबूत करने का मौका होगा।

रामकुमार को आईटीएफ कलबुर्गी ओपन का खिताब

भाषा। कलबुर्गी

भारत के रामकुमार रामनाथन ने रविवार को यहां पुरुष एकल के एकतरफा फाइनल में ऑस्ट्रिया के डेविड पिचलर को सीधे सेटों में हराकर कलबुर्गी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के रूप में अपना तीसरा आईटीएफ खिताब जीता। पिछले सप्ताह आईटीएफ मुंबई ओपन का खिताब जीतने वाले रामकुमार ने पिचलर को केवल 64 मिनट में 6-2, 6-। से हराकर पिछले 57 दिनों की अवधि में अपना तीसरा आईटीएफ खिताब जीता। भारतीय डेविस कप टीम के सदस्य रामकुमार को इस जीत पर 3200 अमेरिकी डॉलर का चेक और 25 एटीपी अंक मिले। पिचलर को 2120 अमेरिकी डॉलर के अलावा 16 एटीपी अंक मिले। रामकुमार ने जीत के बाद कहा, लगातार दूसरा खिताब जीतकर मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैंने पिछले दो सप्ताह में अपनी सर्वश्रेष्ठ टेनिस का प्रदर्शन किया है। शुरू में यहां का कोर्ट मेरे अनुकूल नहीं था लेकिन मैंने बहुत जल्दी इससे सामंजस्य बिठाया।

रिंकू टी20 विश्व कप के दावेदार हैं, पर यह कहना अभी जल्दबाजी होगी: नेहरा

भाषा। नई दिल्ली

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा के अनुसार बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह भारत की टी20 विश्व कप टीम में फिनिशर स्थान के लिए दावेदार के रूप में सामने आए हैं लेकिन उनका मानना है कि साथी खिलाड़ियों से उन्हें इस स्थान के लिए कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। टी20 विश्व कप अगले साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा।

रिंकू आस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में शानदार फॉर्म में हैं। शुक्रवार को चौथे मैच में उन्होंने 29 गेंद में 46 रन की पारी खेली और भारत की 20 रन की जीत में अहम भूमिका अदा की और इससे टीम श्रृंखला 3-। से अपने नाम करने में सफल रही। नेहरा ने जियो सिनेमा पर कहा, इसमें कोई शक नहीं कि रिंकू भारत की टी20 विश्व कप टीम में शामिल होने के दावेदार हैं। लेकिन विश्व कप अभी काफी दूर है और जिस स्थान के लिए वह दावेदार है, उसके लिए कई और खिलाड़ी उन्हें चुनौती पेश करेंगे। रिंकू ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में कुछ अच्छी पारियां खेलीं जिसमें तिरूवनंतपुरम में दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उनकी नौ गेंद में नाबाद 31 रन की पारी ने भारत की 44 रन की जीत में बड़ी भूमिका अदा की थी। रोहित शर्मा और विराट कोहली टी20 विश्व कप के लिए भारत की योजना का हिस्सा होंगे या नहीं, इस पर कोई स्पष्टता नहीं है तो टीम में कई बड़े बदलाव हो सकते हैं और रिंकू स्लॉग ओवर के लिए प्रबल दावेदार हो सकते हैं। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने इस पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने कहा, आप जितेश शर्मा (विकेटकीपर बल्लेबाज) और तिलक वर्मा को भी देख सकते हो। इसलिए चर्चा करनी होगी कि श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या किन स्थानों पर खेलेंगे।

द्वितीय अधीर दुबे टी-20 में ट्रिपल सेवन ने स्मैश क्लब को 41 रन से हराया

लखनऊ। आनंद शास्त्री नाबाद 80 के अर्धशतक के बाद राशिद 4 विकेटद्ध की उपयोगी गेंदबाजी से ट्रिपल सेवन क्लब ने द्वितीय अधीर दुबे टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में स्मैश क्रिकेट क्लब को 41 रन से पराजित किया। पंडित रास बिहारी तिवारी स्टेडियम पर ट्रिपल सेवन क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 176 रन बनाए। टीम 32 रन पर तीन विकेट गंवाकर मुश्किल में फंस गयी थी। इसके बाद रेहान ने 45 गेंदों पर 4 चौके से 46 रन बनाकर टीम को संभाला।फिर आनंद शास्त्री ने 46 गेंदों पर 9 चौके व दो छक्के से नाबाद 80 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम को मजबूती दी। स्मैश क्लब से अमित पुरी को 2 जबकि नितेंद्र, अभिषेक व नरेश भल्ला को एक.एक विकेट की सफलता मिली। जवाब में स्मैश क्लब निर्धारित ओवर में 8 विकेट पर 135 रन ही बना सका और जीत से 41 रन दूर रह गया। सलामी बल्लेबाज अभिषेक 56 रन, 41 गेंदए 9 चौकेद्ध ने अर्धशतक जड़ते हुए टीम को संभाला लेकिन उन्हें अन्य बल्लेबाजों का सहयोग नहीं मिल सका। उनके बाद गोल्डी सिंह ;13द्ध व अनुपम विश्वकर्मा ;21द्ध ही कुछ प्रतिरोध कर सके। ट्रिपल सेवन क्लब से राशिद ने 4 ओवर में 20 रन देकर चार विकेट की सफलता हासिल करते हुए टीम की जीत तय की। अनिल सिंह को दो जबकि महिराज सिंह व दीपक तनेजा को एक.एक विकेट की सफलता मिली। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार ट्रिपल सेवन के आनंद शास्त्री को मिला।

एथलीटों का राष्ट्रीय शिविर बंद करेगा एएफआई

अमृतसर। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने रविवार को फैसला किया कि वह पेरिस ओलंपिक के बाद एलीट खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय शिविर का आयोजन नहीं करेगा और शीर्ष खिलाड़ियों की देखरेख के लिए सार्वजनिक और निजी इकाइयों के लिए दरवाजे खोलेगा। एएफआई अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने यहां महासंघ की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के अंतिम दिन कहा, हमने पेरिस (अगले साल) के बाद सीनियर राष्ट्रीय ट्रेनिंग शिविर खत्म करने का फैसला किया है। हमने खेल मंत्रालय को भी इसकी सूचना दे दी है जिसने हमारे कदम की सराहना की है। उन्होंने कहा, साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) के एनसीओई (राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों) में इतनी सारी अच्छी सुविधाएं हैं। रिलायंस, जेएसडब्ल्यू, टाटा और अन्य निजी इकाइयों में भी अच्छी सुविधाएं हैं। उन्होंने भारी भरकम निवेश किया है और विदेशी कोच को नियुक्त किया है। सुमारिवाला ने कहा, वे अपनी सुविधाओं पर खिलाड़ियों को ट्रेनिंग दे सकते हैं। निजी इकाइयां ही नहीं

बल्कि सेना खेल संस्थान, रेलवे, वायुसेना, नौसेना, ओएनजीसी, सार्वजनिक क्षेत्र की अन्य इकाइयां और यहां तक कि राज्य सरकारें भी अपने खिलाड़ियों को ट्रेनिंग दे सकती हैं। उन्होंने कहा, हमारे पास पांच से 10 साइ केंद्र हैं लेकिन हमारे पास ऐसे 200 केंद्र हो सकते हैं (सार्वजनिक और निजी इकाइयों की मदद से ट्रेनिंग के लिए)। खिलाड़ी ट्रेनिंग के लिए शिविर की जगह अपने घरों में रह सकते हैं। एएफआई के इस कदम का मतलब है कि नीरज चोपड़ा, मुरली श्रीशंकर और अविनाश साबले जैसे शीर्ष खिलाड़ी पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद उसके तत्वावधान में ट्रेनिंग नहीं करेंगे लेकिन महासंघ उनकी प्रगति की निगरानी करता रहेगा। खिलाड़ी अब सीधे तौर पर सार्वजनिक और निजी इकाइयों के अंतर्गत आएंगे जिसमें ओडिशा, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसी राज्य सरकारें भी शामिल हैं।

भारत 29 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी की बोली लगाने के लिए तैयार

अमृतसर। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को कहा कि 2027 में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली लगाने की अपनी पहले की योजना से हटते हुए राष्ट्रीय महासंघ इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के 2029 सत्र की मेजबानी के अधिकार के लिए बोली लगाने को तैयार है। एएफआई पहले 2027 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के अधिकार के लिए बोली लगाने पर विचार कर रहा था, लेकिन अब पता चला है कि उसने योजना छोड़ दी है और इसके बजाय वह 2029 सत्र की मेजबानी करना चाहता है। एएफआई की वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंजू बॉबी जॉर्ज ने एएफआई की वार्षिक आम सभा की बैठक (एजीएम) से इतर यह जानकारी दी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।